## Willoughby Seago

## **Theoretical Physics**

# Gauge Theories in Particle Physics

January 16, 2023

**COURSE NOTES** 

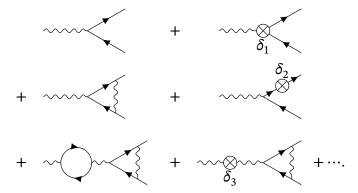
## Gauge Theories in Particle Physics

## Willoughby Seago

January 16, 2023

These are my notes from the course gauge theories in particle physics. I took this course as a part of the theoretical physics degree at the University of Edinburgh.

These notes were last updated at 0:17 on February 3, 2023. For notes on other topics see  $\verb|https://github.com/WilloughbySeago/Uni-Notes.|$ 



# Chapters

|     |   | Page |
|-----|---|------|
| Ch  | napters                                     | ii   |
| Co  | ontents                                     | iii  |
| Lis | st of Figures                               | v    |
| 1   | Introduction                                | 1    |
| Ι   | Quantum Electrodynamics                     | 3    |
| 2   | Classical Electrodynamics                   | 4    |
| 3   | QFT Recap                                   | 7    |
| 4   | Quantum Electrodynamics                     | 14   |
| 5   | <b>Evaluating Loop Integrals</b>            | 24   |
| 6   | <b>Interpreting The Vacuum Polarisation</b> | 33   |
| 7   | All Orders Properties of QED                | 38   |
| 8   | Consequences                                | 46   |
| 9   | The QED $\beta$ Function                    | 50   |
| 10  | Magnetic Moment                             | 54   |
| II  | Electroweak                                 | 61   |
| 11  | Overview                                    | 62   |
| 12  | Left and Right                              | 66   |
| In  | dex   | 72   |

## **Contents**

|    |                          |   | P | age                                  |
|----|--------------------------|---|---|--------------------------------------|
| Cl | napte                    | rs  |   | ii                                   |
| Co | onten                    | its   |   | iii                                  |
| Li | st of                    | Figures   |   | $\mathbf{v}$                         |
| 1  | 1.1<br>1.2<br>1.3        | Other Relevant Courses  |   | . 1                                  |
| Ι  | Q                        | uantum Electrodynamics  |   | 3                                    |
| 2  | Clas<br>2.1<br>2.2       | Ssical Electrodynamics Classical Action   |   |                                      |
| 3  | QFT<br>3.1<br>3.2<br>3.3 | Recap  QED Lagrangian   |   | . 8                                  |
| 4  | Qua<br>4.1<br>4.2<br>4.3 | Intum Electrodynamics  The QED Lagrangian  Divergences  Feynman Rules $4.3.1 \ \bar{\psi}\psi$ Term $4.3.2 \ F^{\mu\nu}F_{\mu\nu}$ Term $4.3.3 \ \bar{\psi}A\psi$ Term  Vacuum Polarisation |   | . 15<br>. 17<br>. 17<br>. 19<br>. 20 |
| 5  | <b>Eva</b> 5.1           | luating Loop Integrals Vacuum Polarisation  |   |                                      |

iv *CONTENTS* 

|    |       | 5.1.2                  | Ren    | orma   | ılisa | tion  | ١    |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 29        |
|----|-------|------------------------|--------|--------|-------|-------|------|------|------|------|------|------|-----|-----|------------|---|-------|---|---|-------|-----------|
| 6  | Inte  | rpreting               | g Th   | e Va   | cuu   | ım I  | Pol  | aris | at   | ion  | l    |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 33        |
|    | 6.1   | Scale D                | Deper  | ıdeno  | ce of | f Ch  | arg  | ge . |      |      |      |      |     |     |            |   | <br>  |   |   |       | 33        |
|    | 6.2   | Non-Re                 |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 34        |
|    | 6.3   | Effectiv               | ve Ch  | ıarge  | Dis   | trib  | utio | on   |      |      |      |      |     |     |            |   | <br>  |   |   |       | 36        |
|    | 6.4   | Large L                |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 37        |
| 7  | All ( | Orders F               | Prop   | ertie  | es of | f QF  | ED   |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 38        |
|    | 7.1   | Ward Id                | denti  | ties . |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 38        |
|    | 7.2   | Rewriti                | ing tl | ne Ac  | ction | ı     |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 38        |
|    | 7.3   | Ward-T                 | Takal  | hashi  | i Ide | entit | y .  |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 40        |
|    | 7.4   | Schwin                 | nger-  | Dyso   | n E   | qua   | tior | 1S   |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 42        |
|    |       | 7.4.1                  | Schv   | winge  | er–D  | )yso  | n i  | n Pe | ertu | ırb  | atio | on ' | Γhe | eor | <b>y</b> . |   | <br>  |   |   |       | 44        |
| 8  | Con   | sequenc                |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 46        |
|    | 8.1   | Recap                  |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 46        |
|    | 8.2   | $k_{\mu}\Pi^{\mu\nu}($ | (k) =  | 0 to   | All   | Ord   | lers |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 46        |
|    | 8.3   | Ward Id                |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 47        |
|    | 8.4   | Charge                 | e Ren  | orma   | alisa | tion  | 1.   |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 47        |
| 9  | The   | <b>QED</b> β 1         |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 50        |
|    | 9.1   | What is                |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 50        |
|    | 9.2   | Solving                | g the  | Reno   | orma  | alisa | atio | n G  | roı  | ıp I | Ξqι  | ıat  | ion | •   |            | • |       | • |   | <br>• | 51        |
| 10 | _     | netic M                |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 54        |
|    |       | Goal .                 |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 54        |
|    |       | Non-Re                 |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 55        |
|    | 10.3  | As an E                | Effect | tive F | ield  | l Th  | eor  | y    |      |      | •    |      |     | •   |            | • | <br>• | • | • | <br>• | 58        |
|    | T-1   |                        | 1      |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | <b>~1</b> |
| II | E     | lectrow                | veak   | Ĺ      |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 61        |
| 11 | Ove   | rview                  |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 62        |
|    | 11.1  | The We                 | eak F  | orce   |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 64        |
| 12 |       | and Rig                | _      |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 66        |
|    |       | Chiralit               |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 66        |
|    |       | Helicity               |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 68        |
|    | 12.3  | Discrete               |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 71        |
|    |       | 12.3.1                 |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 71        |
|    |       | 12.3.2                 | Cha    | rge C  | Conj  | ugat  | tior | ı    |      |      | •    |      |     | •   |            | • | <br>• |   |   | <br>• | 71        |
| In | dev   |                        |        |        |       |       |      |      |      |      |      |      |     |     |            |   |       |   |   |       | 72        |

# **List of Figures**

|      | Pag   | ge |
|------|---|----|
| 9.1  | A plot of $1/\alpha(t)$ as a function of $t$ . Notice that at some value $t_*$ we have $1/\alpha(t_*) = 0$ , meaning $\alpha(t_*)$ must be infinite | 52 |
| 12.1 | Left and right helicities showing the relation between spin and momentum  | 69 |

## One

## Introduction

#### 1.1 Other Relevant Courses

This course follows on directly from the *Quantum Field Theory* course, so much of the relevant background is contained in those notes. A lot of the notation is also taken from this course. It is also expected that students on this course will have taken *Symmetries of Particles and Fields*, and the prerequisite for that course, *Symmetries of Quantum Mechanics*, so for any group theory related topics see the notes of one of these courses. Other relevant courses will be flagged throughout the notes.

#### 1.2 Conventions

- We will mostly work in natural units, where  $c = \hbar = 1$ .
- We use the mostly-minuses metric, (+---), or  $(+-\cdots-)$  in D spacetime dimensions.
- We will use the Einstein summation convention where repeated indices are summed over. In d+1 dimensions Greek letters,  $\mu, \nu, \rho, ...$ , run from 0 to d and Latin letters, i, j, k, ..., run from 1 to d.
- We use the Fourier transform

$$\tilde{f}(p) = \int_{-\infty}^{\infty} dx \, e^{ipx} f(x),$$
 and  $f(x) = \int_{-\infty}^{\infty} \frac{dp}{2\pi} e^{-ipx} \tilde{f}(p).$  (1.2.1)

- Feynman diagrams are drawn with time increasing to the right.
- The electric charge, e, is taken to be positive, so an electron has charge -e.

#### 1.3 Dirac Algebra

Recall from *Quantum Field Theory* that the **gamma matrices**,  $\gamma^{\mu}$ , are defined such that

$$\{\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}\} := 2\eta^{\mu\nu} \tag{1.3.1}$$

where  $\{A, B\} := AB + BA$  is the **anticommutator**. This means that

$$(\gamma^0)^2 = 1$$
, and  $(\gamma^i)^2 = -1$ . (1.3.2)

We can also impose that

$$(\gamma^0)^{\dagger} = \gamma^0$$
, and  $(\gamma^i)^{\dagger} = \gamma^0 \gamma^i \gamma^0 = -\gamma^i$ , (1.3.3)

but this comes with a choice of normalisation.

The **Dirac adjoint** of a spinor,  $\psi$ , is defined to be  $\bar{\psi} := \psi^{\dagger} \gamma^{0}$ .

We also define

$$\gamma^5 \coloneqq i\gamma^0 \gamma^1 \gamma^2 \gamma^3,\tag{1.3.4}$$

which is such that

$$\{\gamma^5, \gamma^\mu\} = 0, \qquad (\gamma^5)^\dagger = \gamma^5, \qquad \text{and} \qquad (\gamma^5)^2 = 1.$$
 (1.3.5)

When contracting a gamma matrix and a four vector we use slash notation, writing  $\phi := a_{\mu} \gamma^{\mu}$ .

The following identities hold in D = 4 dimensions:

$$\gamma^{\mu}\gamma_{\mu} = 4, \tag{1.3.6}$$

$$\gamma^{\mu}\phi\gamma_{\mu} = -2\phi, \qquad \gamma^{\mu}\gamma^{\nu}\gamma_{\mu} = -2\gamma^{\nu}, \tag{1.3.7}$$

$$\gamma^{\mu} \phi b \gamma_{\mu} = 4a \cdot b, \qquad \gamma^{\mu} \gamma^{\nu} \gamma^{\rho} \gamma_{\mu} = 4 \eta^{\nu \rho}, \qquad (1.3.8)$$

$$\begin{split} \gamma^{\mu} \phi \gamma_{\mu} &= -2\phi, & \gamma^{\mu} \gamma^{\nu} \gamma_{\mu} &= -2\gamma^{\nu}, & (1.3.7) \\ \gamma^{\mu} \phi b \gamma_{\mu} &= 4a \cdot b, & \gamma^{\mu} \gamma^{\nu} \gamma^{\rho} \gamma_{\mu} &= 4\eta^{\nu\rho}, & (1.3.8) \\ \gamma^{\mu} \phi b \phi \gamma_{\mu} &= -2\phi b \phi, & \gamma^{\mu} \gamma^{\nu} \gamma^{\rho} \gamma^{\sigma} \gamma_{\mu} &= -2\gamma^{\sigma} \gamma^{\rho} \gamma^{\nu}. & (1.3.9) \end{split}$$

The following identities hold in *D* dimensions:

$$\gamma^{\mu}\gamma_{\mu} = D, \tag{1.3.10}$$

$$\gamma^{\mu} \alpha \gamma_{\mu} = (2 - D)\alpha, \qquad \gamma^{\mu} \gamma^{\nu} \gamma_{\mu} = (2 - D)\gamma^{\nu}. \tag{1.3.11}$$

The following identities hold for traces in D = 4 dimensions:

$$tr(odd number of gamma matrices) = 0,$$
 (1.3.12)

tr(odd number of gamma matrices times 
$$\gamma^5$$
) = 0, (1.3.13)

$$\operatorname{tr}(\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}) = 4\eta^{\mu\nu}, \tag{1.3.14}$$

$$tr(\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}\gamma^{\rho}\gamma^{\sigma}) = 4(\eta^{\mu\nu}\eta^{\rho\sigma} + \eta^{\mu\sigma}\eta^{\nu\rho} - \eta^{\mu\rho}\eta^{\nu\sigma}), \qquad (1.3.15)$$

$$tr(\gamma^5) = tr(\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}\gamma^5) = 0,$$
 (1.3.16)

$$\operatorname{tr}(\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}\gamma^{\rho}\gamma^{\sigma}\gamma^{5}) = -4i\varepsilon^{\mu\nu\rho\sigma}.$$
 (1.3.17)

Remember that the trace is cyclic, so terms may appear in different orders.

# Part I Quantum Electrodynamics

## Two

## **Classical Electrodynamics**

Quantum electrodynamics (QED) is the quantum field theory (QFT) of electromagnetism. It supersedes classical electrodynamics (CED) as a theory for predicting what happens to electric charges, as well as electromagnetic radiation, light. We'll start this section by discussing CED and some of its short comings which necessitate the development of QED. For more details on CED see the *Classical Electrodynamics* course.

#### 2.1 Classical Action

Classical electrodynamics follows from the action

$$S = \int d^4x \left[ -\frac{1}{4} F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} - J_{\mu} A^{\mu} \right]$$
 (2.1.1)

where  $A_{\mu}$  is the electromagnetic field (also called the electromagnetic potential),  $J_{\mu}$  is the current, and  $F_{\mu\nu}=\partial_{\mu}A_{\nu}-\partial_{\nu}A_{\mu}$  is the electromagnetic field strength (confusingly also called the electromagnetic field in some contexts).

The first term in the action tells us how the electromagnetic field evolves and the second term encodes interactions. One common case is a current made of particles of charge  $q_i$ . The current due to the ith particle is  $J^\mu = q_i u_i^\mu = q_i \mathrm{d} x_i^\mu/\mathrm{d} \tau_i$  (no sum on i). In this case we can write the interaction term as a sum over particles and the action from each particle is given by an integral over the particle's world line. Thus the action can be written as

$$S = \int d^4x \left[ -\frac{1}{4} F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} \right] - \sum_i \int d\tau_i \, q_i A_{\mu}(x_i(\tau_i)) \frac{dx_i^{\mu}(\tau_i)}{d\tau_i} + \cdots \,. \tag{2.1.2}$$

The "···" here accounts for other effects not already covered, such as spin corrections. These terms are suppressed by factors of  $1/m_i$  or more,  $m_i$  being the mass of the *i*th particle.

#### 2.2 Problems with CED

The theory of point-like electric charges developed as above is not entirely satisfactory. Recall that the Lorentz force on a particle with charge  $q_i$  and four-velocity  $u_i^{\mu}$  in an electromagnetic field with field strength tensor  $F^{\mu\nu}$  is

$$\frac{\mathrm{d}p_i^{\mu}}{\mathrm{d}\tau} = q_i F^{\mu\nu}(x_i(\tau)) u_{i\nu}(x_i(\tau)) \tag{2.2.1}$$

where  $p_i = m_i u_i = m_i \mathrm{d} x_i / \mathrm{d} \tau$  is the four-momentum of the particle, with  $m_i$  being the mass of the *i*th particle. This law follows from conservation of energy, so it's pretty fundamental.

Now consider the Coulomb field of particle 1 in particle 1's rest frame. At a point x a distance r from particle 1, which has position  $x_1$ , the Coulomb field is

$$A^{0}(x) = \frac{q_{i}}{4\pi r} = \frac{q_{i}}{4\pi} \frac{1}{\sqrt{(x^{1} - x_{1}^{1})^{2} + (x^{2} - x_{1}^{2})^{2} + (x^{3} - x_{1}^{3})^{2}}}.$$
 (2.2.2)

If we can write this in a covariant way then it will apply in all frames. We can do this using  $u_1 = (1, \mathbf{0})$ , which is the four-velocity of the particle in it's rest frame in units where c = 1. We then have

$$[u_1 \cdot (x - x_1)]^2 - (x - x_1)^2 = (x^0 - x_1^0)^2 - (x^0 - x_1^0)^2 + (x^i - x_1^i)^2. \quad (2.2.3)$$

Using  $u_1^{\mu}$  to get a  $\mu$  index we have

$$A^{\mu}(x) = \frac{q_i}{4\pi} \frac{u_1^{\mu}}{\sqrt{[u_1 \cdot (x - x_1)]^2 - (x - x_1)^2}}.$$
 (2.2.4)

This is covariant and so holds in any inertial frame.

Now suppose that particles 1 and 2 interact. The force on particle one is

$$\frac{\mathrm{d}p_1^{\mu}}{\mathrm{d}\tau} = q_1 F^{\mu\nu}(x_1(\tau)) u_{1\nu}(\tau). \tag{2.2.5}$$

The  $F^{\mu\nu}$  appearing here is the total electromagnetic field strength. This proves to be a problem because part of  $F^{\mu\nu}$  is the Coulomb field of particle 1,  $A^{\mu}$ . We can see from the expression above that this is singular when  $x=x_1$ , which is exactly the case when we try to compute the force above. So we get a divergent result which we have to somehow make sense of.

The standard solution in CED to avoid this problem is to just use the electromagnetic field strength due to particle 2, and ignore the field from particle 1. Then, so long as the two particles can't have the same position,  $F^{\mu\nu}$  is nonsingular and we avoid the problem with infinity. This workaround works well at low energies (small velocities).

The problem is that this workaround is not consistent with conservation of energy. For example, consider a classical atom, formed from a nucleus of charge Ze, which we take to have infinite mass, and an electron of charge -e. The Lorentz force applied to the electron, calculated using the electric field only from the nucleus, is consistent with stable circular orbits. The problem is that as the electron is orbiting it is changing direction, and so accelerating, and therefore must radiate. There is only one possible source for this energy, the potential, and so the orbit must decay.

Since the orbit decays there must be some force we have not accounted for causing this decay. It is possible to account for this force only if we include the electron's own field in the calculation of the force upon the electron. This means we have to account for interactions of particles with their own fields. The correction that we get when doing so is suppressed by inverse powers of c, which is why removing the electron's electromagnetic field works well enough for many purposes at low energies.

Once we accept that particles interact with their own fields there is another problem. The Coulomb field of a point-like particle contains an infinite electrostatic energy. The energy density of an electromagnetic field is  $(E^2+B^2)/2$ , meaning that the energy contained in the Coulomb field outside of a spherical region of radius  $r_{\rm min}$  centred on the electron is given by

$$\int \mathrm{d}^3x \, \frac{1}{2} E^2 = \frac{1}{2} \frac{e^2}{(4\pi)^2} \int_{S^2} \mathrm{d}\Omega \int_{r_{\min}}^{\infty} \mathrm{d}r \, r^2 \frac{1}{r^4} = \frac{1}{8\pi} \frac{1}{r_{\min}}. \tag{2.2.6}$$

Taking  $r_{\min} \rightarrow \infty$  the energy diverges.

The classical physics solution to this is to say that the electron isn't point-like. Then if we choose  $r_{\min}$  to be the size of the electron so long as

$$mc^2 \gtrsim \frac{1}{2} \frac{e^2}{4\pi r_{\min}},$$
 (2.2.7)

so the energy of the field is less than the total energy available from the electron, things are fine. Setting c=1 again gives

$$r_{\min} \gtrsim \frac{1}{2} \frac{e^2}{4\pi} \frac{1}{m} = \alpha \ell_{\text{Compton}}$$
 (2.2.8)

where  $\alpha=e^2/(4\pi)$  is the fine structure constant and  $\ell_{\rm Compton}$  is the Compton wavelength, which is the wavelength of a photon with the same energy as the rest mass of the particle. What this tells us is that scales at which quantum mechanical effects become important become important before the size of the electron becomes a problem classically, so if we're only interested in classical computations we don't need to worry about treating the electron as point-like.

However, we know from experiments that the electron is point-like at least up to the 1 TeV scale, which is about one millionth of the limit above. These point-like particles lead to divergences in classical theories, and also in quantum theories, like the ones above. Interestingly the divergence is actually not as bad in the quantum theory, being log divergent instead of going as  $1/r_{\rm min}$ . In the quantum theory we can deal with these infinities by absorbing them into a finite number of measured parameters, such as e and m, and we get a very powerful and predictive theory, QED.

## Three

## **QFT Recap**

It's part of my job to give you problems

Donal O'Connell

## 3.1 QED Lagrangian

In QFT, in particular in QED, we replace the classical action with the **QED action**:

$$S = \int d^D x \left[ -\frac{1}{4} F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} + \bar{\psi} (i \not \! D - m) \psi \right]. \tag{3.1.1}$$

Here  $F^{\mu\nu}=\partial^{\mu}A^{\nu}-\partial^{\nu}A^{\mu}$  as before. The change comes in the interaction term, where we now have the spinor field  $\psi$ , which is acted on by the covariant derivative, which in QED is given by  $D_{\mu}:=\partial_{\mu}-ieA_{\mu}$ . Recall that  $\alpha:=\gamma^{\mu}a_{\mu}$  where  $\gamma^{\mu}$  are the Dirac gamma matrices. Note that we leave the dimension as a variable, in preparation for dimensional regularisation later.

Notice that there are no world lines appearing in the action now. This reflects the fact that we've replaced the particles with definite position with fields, which aren't localised in the same way. One of the biggest changes upon moving to a *quantum* field theory is that we have a the new phenomenon of pair production. This creates new world lines, which is part of the reason we have to move away from actions involving sums over world lines.

We use the Dirac Lagrangian in QED since we are mostly interested in electrons, which are spin 1/2 particles. If instead we have a spin 0 particle with complex scalar field  $\Phi$  then we can use the **scalar QED** Lagrangian

$$S = \int d^{D}x \left[ -\frac{1}{4} F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} + (D_{\mu}\Phi)^{\dagger} (D^{\mu}\Phi) - m^{2}\Phi^{\dagger}\Phi - V(\Phi) \right]$$
 (3.1.2)

where V is some potential.

If we neglect spin corrections in QED, often a valid thing to do since the spin is on the order of  $\hbar$ , then we get similar results in both normal and scalar QED, and these results are similar to those we get in classical electrodynamics. In this way scalar QED is more similar to classical electrodynamics, and we will make use of scalar QED as an example while focusing on normal QED for applications.

In some ways normal QED is actually simpler than scalar QED, there is no potential in normal QED and in normal QED the largest number of fields comes from the  $-ie\bar{\psi}A\psi$  term, with three fields, whereas scalar QED has a four field term,  $-\bar{\psi}A^{\dagger}_{\mu}A_{\mu}\psi$ .

The main objects of physical interest in QFT are scattering amplitudes. We will make use of both canonical quantisation and path integral methods to compute these and other quantities.

#### 3.2 Canonical Quantisation

We'll compute one term of a tree-level amplitude using the canonical quantisation approach. For more details and similar calculations see the first half of the *Quantum Field Theory* course. We'll consider a real scalar field with a cubic interaction

$$\mathcal{L}_{\text{int}} = -\frac{g}{3!}\varphi^3. \tag{3.2.1}$$

The two-to-two amplitude<sup>1</sup>,  $\mathcal{A}$ , is given by

$$i\mathcal{A} = \langle p_1', p_2' | S | p_1, p_2 \rangle \tag{3.2.2}$$

where  $p_i$  are the momenta of the incoming particles and  $p'_i$  the momenta of the outgoing particles. The *S*-matrix, *S*, is given by the Dyson expansion:

$$S = \sum_{n=0}^{\infty} \frac{(-i)^n}{n!} \operatorname{T} \int dt_1 \cdots \int dt_n H_{\text{int}}(t_1) \cdots H_{\text{int}}(t_n)$$
 (3.2.3)

$$= \sum_{n=0}^{\infty} \frac{i^n}{n!} \operatorname{T} \int d^D x_1 \cdots \int dx_n \, \mathcal{L}_{\operatorname{int}}(x_1) \cdots \mathcal{L}_{\operatorname{int}}(x_n)$$
 (3.2.4)

$$= \operatorname{T} \exp \left\{ i \int d^{D} x \mathcal{L}_{\text{int}} \right\} \tag{3.2.5}$$

$$= T \exp\{iS_{\text{int}}\} \tag{3.2.6}$$

where T is the time ordering operator, acting on everything to its right,  $H_{\rm int}$  is the interaction Hamiltonian, related to the interaction Lagrangian by

$$\int d^{D-1}x \mathcal{L}_{int} = -H_{int}$$
(3.2.7)

and  $S_{int}$  is the interaction action, given by

$$S_{\text{int}} \coloneqq \int d^D x \mathcal{L}_{\text{int}}.$$
 (3.2.8)

Note that the exponential is just a short hand for the expansion above based on the similarity with the Taylor series of the exponential.

Suppose we are interested in iA at order  $g^2$ . Then we consider the following term:

$$\begin{split} i\mathcal{A}^{(2)} &= \\ \langle p_1', p_2' | \frac{i^2}{2} \left( -\frac{g}{3!} \right)^2 \int \mathrm{d}^D x_1 \int \mathrm{d}^D x_2 \ \mathrm{T} \, \varphi(x_1) \varphi(x_1) \varphi(x_1) \varphi(x_2) \varphi(x_2) \varphi(x_2) | p_1, p_2 \rangle. \end{split}$$

 $^1$ two changes here from *Quantum Field Theory*, in that course we called the amplitude  $\mathcal M$  and the factor of i was missing, this phase doesn't effect the final physics which always depend on  $|\mathcal A|^2$ 

3.3. PATH INTEGRAL

9

We compute this using contractions. One particular set of contractions is

$$\langle p_1', p_2' | \frac{i^2}{2} \left( -\frac{g}{3!} \right)^2 \int d^D x_1 \int d^D x_2 \, \operatorname{T} \varphi(x_1) \varphi(x_1) \varphi(x_1) \varphi(x_2) \varphi(x_2) \varphi(x_2) | p_1, p_2 \rangle.$$

We can interpret this in terms of creation and annihilation of particles. The fields at  $x_2$  contracted with the incoming particles annihilate them and then the fields at  $x_1$  contracted with the outgoing particles create the outgoing particles. The contraction between the fields at  $x_1$  and  $x_2$  gives a propagator between these points. This is best seen in a Feynman diagram,



The initial particles enter on the left, annihilate at  $x_1$ , where there is a propagator to  $x_2$ , where two new particles are created.

## 3.3 Path Integral

In the path integral formulation we don't compute amplitudes directly. Instead we compute correlators, which we can extract the amplitude from later. For more details and similar calculations see the second half of the *Quantum Field Theory* course. The starting point for using the path integral formalism is to define the generating functional, which for QED is

$$Z[J] = \int \mathcal{D}\varphi \exp\left\{i \int d^D x \left[\mathcal{L}(\varphi) + J(x)\varphi(x)\right]\right\}. \tag{3.3.1}$$

We then define the *n* point **correlator** 

$$G^{(n)}(x_1, \dots, x_n) := \langle 0 | \operatorname{T} \varphi(x_1) \cdots \varphi(x_n) | 0 \rangle$$
(3.3.2)

$$=: \langle \varphi(x_1) \cdots \varphi(x_n) \rangle \tag{3.3.3}$$

$$= \frac{1}{Z[0]} \left( \frac{1}{i} \frac{\delta}{\delta J(x_1)} \right) \cdots \left( \frac{1}{i} \frac{\delta}{\delta J(x_n)} \right) Z[J] \Big|_{J=0}$$
(3.3.4)

$$= \int \mathcal{D}\varphi \, \varphi(x_1) \cdots \varphi(x_n) \exp \left\{ i \int \mathrm{d}^D x \, (\mathcal{L}_{\mathrm{free}} + \mathcal{L}_{\mathrm{int}}) \right\}.$$

The factor of 1/Z[0] is just normalisation and we typically don't worry about it. The source is just there to allow us to pull down factors of  $\varphi$  by differentiating, which is why we set it to zero at the end.

As the first example of the path integral we'll compute the three-point correlator to first order in g. We'll choose our normalisation such that Z[0] = 1. Then

$$G^{(3)}(x_1, x_2, x_3) = \int \mathcal{D}\varphi \,\varphi(x_1)\varphi(x_2)\varphi(x_3)e^{iS_{\text{free}} + iS_{\text{int}}}.$$
 (3.3.5)

Expanding the interaction exponential to first order we get

$$G^{(3)}(x_1, x_2, x_3) \approx \int \mathcal{D}\varphi \, \varphi(x_1) \varphi(x_2) \varphi(x_3) \left[ 1 - \frac{ig}{3!} \int d^D x \varphi(x)^3 \right] e^{iS_{\text{free}}}.$$
 (3.3.6)

We have now reduced this to a Gaussian path integral which can be computed with contractions. One set of contractions gives the result

$$C(x_1, x_2, x_3) = -ig \int \mathcal{D}\varphi \, \varphi(x_1) \varphi(x_2) \varphi(x_3) \int \mathrm{d}^D x \, \varphi(x) \varphi(x) \varphi(x) e^{iS_{\mathrm{free}}}. \quad (3.3.7)$$

The contraction of two fields is given by the Feynman propagator:

$$\varphi(x)\varphi(y) = i\Delta(x - y) = \int \frac{d^{D}p}{(2\pi)} \frac{i}{p^{2} - m^{2} + i\varepsilon} e^{ip \cdot (x_{1} - x_{2})}.$$
(3.3.8)

Here  $\varepsilon$  is a small positive real number included to make expressions converge. Note that  $\Delta(x-y) = \Delta(y-x)$ . At this point we introduce the short hand notation  $\hat{d}p = dp/(2\pi)$ .

Using this result the contraction above can be calculated as

$$C(x_1, x_2, x_3) = -ig \int d^D x \, i\Delta(x_1 - x) \, i\Delta(x_2 - x) \, i\Delta(x_3 - x). \tag{3.3.9}$$

We can again summarise this in a diagram

$$\begin{array}{c}
x_2 \\
\vdots \\
x_3
\end{array}$$

$$(3.3.10)$$

In fact, given a diagram we can read off the corresponding expression for a correlator through the following prescription:

- Each line, x - - y, is a factor of  $i\Delta(x y)$ .
- Each vertex,  $\frac{1}{X}$ , is a factor of  $-ig \int d^D x$ .
- · Conserve momentum at each vertex.

There are other possible contractions, one such contraction contributing to  $\langle \varphi(x_1)\varphi(x_2)\varphi(x_3)\rangle$  is

$$-ig \int \mathcal{D}\varphi \varphi(x_1) \varphi(x_2) \varphi(x_3) \int d^D x \varphi(x) \varphi(x) \varphi(x) \varphi(x) e^{iS_{\text{free}}}$$
(3.3.11)

$$= -ig \int d^D x \, i\Delta(x_1 - x) \, i\Delta(x - x) \, i\Delta(x_2 - x_3) \tag{3.3.12}$$

$$=\frac{x_1-x_2-x_3}{x_2-x_3}. (3.3.13)$$

This diagram is disconnected. Often we are only interested in correlators involving connected diagrams, since these are the only diagrams that contribute to quantities such as log(Z[J]), as we saw in *Quantum Field Theory*.

For another example consider the four-point correlator

$$\begin{split} G^{(4)}(y_1,y_2,z_1,z_2) &= \langle 0|\operatorname{T}\varphi(y_1)\varphi(y_2)\varphi(z_1)\varphi(z_2)|0\rangle \\ &= \int \mathcal{D}\varphi\,\varphi(y_1)\varphi(y_2)\varphi(z_1)\varphi(z_2) \exp\left\{i\int \mathrm{d}^Dx(\mathcal{L}_{\mathrm{free}} + \mathcal{L}_{\mathrm{int}})\right\}. \end{split} \tag{3.3.14}$$

If we want to evaluate the order  $g^2$  contribution to this correlator then we can do so by considering the quadratic term after expanding  $\exp\{iS_{int}\}$ :

$$\begin{split} &\int \mathcal{D}\varphi\varphi(y_1)\varphi(y_2)\varphi(z_1)\varphi(z_2) \\ &\times \left[\frac{1}{2}\left(-\frac{ig}{3!}\right)^2\int \mathrm{d}^Dx_1\int \mathrm{d}^Dx_2\,\varphi(x_1)\varphi(x_1)\varphi(x_1)\varphi(x_2)\varphi(x_2)\varphi(x_2)\right]\mathrm{e}^{iS_{\mathrm{free}}} \end{split}$$

Again this is a Gaussian integral and can be computed using contractions. One particular contraction we may want to consider is

$$\varphi(y_1)\varphi(y_2)\varphi(z_1)\varphi(z_2)\varphi(x_1)\varphi(x_1)\varphi(x_1)\varphi(x_2)\varphi(x_2)\varphi(x_2)$$
(3.3.16)

where we've only written the fields, not any of the integrals, constants, or exponentials, to fit it all on one line. This corresponds to the diagram

$$D = \begin{array}{c} y_1 \\ z_1 \\ x_1 \\ z_2 \end{array}$$
 (3.3.17)

There are multiple different contractions which all give the same diagram, and so the same contribution to the correlator. We combine these into one, including a **symmetry factor** counting the number of such diagrams. The factor of 1/3! has been chosen to cancel out this symmetry factor, in this case because we can permute the three  $\varphi(x_1)$  fields and the three  $\varphi(x_2)$  fields without changing anything, giving (3!)<sup>2</sup> as a symmetry factor, which cancels the (3!)<sup>2</sup> from expanding the exponential at second order. The result of evaluating all contractions giving diagram D is

$$D = \int \mathrm{d}^D x_1 \int \mathrm{d}^D x_2 \, (-ig)^2 \, i \Delta(y_1 - x_2) \, i \Delta(y_2 - x_3) \, i \Delta(x_2 - x_1) \, i \Delta(x_1 - z_1) \, i D(x_1 - z_2).$$

Usually we prefer to work in momentum space. The simplest way to move to momentum space here is to replace each propagator with the inverse Fourier transform of the Fourier transform:

$$\Delta(x-y) = \int \hat{d}p e^{ip \cdot (x-y)} \underbrace{\frac{1}{p^2 - m^2 + i\varepsilon}}_{=\widetilde{\Delta}(p)}.$$
 (3.3.18)

We can then manipulate the result until it is of the form  $D = \mathcal{F}^{-1}\{\widetilde{D}\}$  and then identify  $\widetilde{D} = \mathcal{F}\{D\}$ . Making this replacement of propagators we get the somewhat unwieldy

$$D = (-ig)^{2} \int d^{D}x_{1} d^{D}x_{2} \int \hat{d}p_{1} \,\hat{d}p_{2} \,\hat{d}p_{2} \,\hat{d}p_{3} \,\hat{d}p_{4} \,\hat{d}q$$

$$\times ie^{ip_{1}\cdot(y_{1}-x_{2})} ie^{ip_{2}\cdot(y_{2}-x_{2})} ie^{ip_{3}\cdot(x_{1}-z_{1})} ie^{ip_{4}\cdot(x_{1}-z_{2})} ie^{iq\cdot(x_{2}-x_{1})}$$

$$\times \frac{1}{q^{2}-m^{2}+i\varepsilon} \prod_{i=1}^{4} \frac{1}{p_{i}^{2}-m^{2}+i\varepsilon}.$$
(3.3.19)

We use q for the momentum of the internal propagator to distinguish it from the external propagators. We can perform the integrals over  $x_i$  using the identity

$$\int d^D x e^{ip \cdot x} = (2\pi)^D \delta(p). \tag{3.3.20}$$

Rewriting the exponentials slightly we get

$$e^{-i(p_1+p_2-q)\cdot x_2}ie^{ip_1\cdot y_1}ie^{ip_2\cdot y_2}e^{i(p_3+p_4-q)\cdot x_1}ie^{-ip_3\cdot z_1}ie^{-ip_4\cdot z_2}i$$
(3.3.21)

so we'll get two Dirac deltas:

$$D = (-ig)^{2} \int \hat{d}p_{1} \,\hat{d}p_{2} \,\hat{d}p_{2} \,\hat{d}p_{3} \,\hat{d}p_{4} \,\hat{d}q \,(2\pi)^{D} \delta(p_{1} + p_{2} - q)$$

$$\times (2\pi)^{D} \delta(p_{3} + p_{4} - q) e^{ip_{1} \cdot y_{1}} e^{ip_{2} \cdot y_{2}} e^{-ip_{3} \cdot z_{1}} e^{-ip_{4} \cdot z_{2}}$$

$$\times \frac{i}{q^{2} - m^{2} + i\varepsilon} \prod_{j=1}^{4} \frac{i}{p_{j}^{2} - m^{2} + i\varepsilon}.$$
(3.3.22)

We can then perform the q integral using the second Dirac delta to set  $q = p_3 + p_4$ , giving

$$D = (-ig)^{2} \int \hat{d}p_{1} \, \hat{d}p_{2} \, \hat{d}p_{2} \, \hat{d}p_{3} \, \hat{d}p_{4} \, \hat{d}q \, (2\pi)^{D} \delta(p_{1} + p_{2} - p_{3} - p_{4})$$

$$\times e^{ip_{1} \cdot y_{1}} e^{ip_{2} \cdot y_{2}} e^{-ip_{3} \cdot z_{1}} e^{-ip_{4} \cdot z_{2}}$$

$$\times \frac{i}{(p_{3} + p_{4})^{2} - m^{2} + i\varepsilon} \prod_{j=1}^{4} \frac{i}{p_{j}^{2} - m^{2} + i\varepsilon}.$$
(3.3.23)

Note that the factor of  $(2\pi)^D$  in front of the Dirac delta cancels with the hidden factor of  $1/(2\pi)^D$  in dp. This is now of the form  $D = \mathcal{F}^{-1}\{\tilde{D}\}$ , so we can identify  $\tilde{D} = \mathcal{F}\{D\}$  as

$$\widetilde{D}(p_1, p_2, p_3, p_4) = (2\pi)^D \delta(p_1 + p_2 - p_3 - p_4) \frac{i}{(p_3 + p_4)^2 - m^2 + i\varepsilon} \prod_{j=1}^4 \frac{i}{p_j^2 - m^2 + i\varepsilon}.$$
(3.3.24)

Notice that the signs of  $p_i$  in the Dirac delta reflect a sign choice where  $p_1$  and  $p_2$  are incoming momenta and  $p_3$  and  $p_4$  are outgoing momenta. If all momenta are chosen to be incoming, as is sometimes the case, then all of the signs would be +. This Dirac delta is simply telling us that the total momentum is conserved, so it's not that interesting and is not considered to be part of the amplitude.

Similarly, the external line factors, the product above, don't carry any information, beyond the number of external lines, and aren't present in the amplitude. For this reason we consider **amputated correlators**, which are given by omitting this term in momentum space. In position space it's slightly more work to amputate a correlator, but it can be done by using

$$(\partial_x^2 + m^2) i\Delta(x - y) = i \int \hat{d}^D p(-p^2 + m^2) \frac{e^{-ip \cdot (x - y)}}{p^2 - m^2 + i\varepsilon} = -i\delta(x - y), (3.3.25)$$

where  $\partial_x^2$  is the d'Alembert operator with respect to x, rather than  $\partial/\partial x$  squared. This statement is simply that the propagator is a Green's function of the Klein–Gordon operator, which should be familiar from *Quantum Field Theory*. We also see from this that the "inverse" of  $\partial^2 + m^2$  is  $1/(p^2 - m^2 + i\varepsilon)$ , another fact we saw in the previous course. Using this we can amputate a correlator in position space by acting on it with

$$\prod_{j=1}^{n} (+i)(\partial_j^2 + m_j^2) \tag{3.3.26}$$

where  $\partial_j^2$  is the d'Alembert with respect to  $x_j$  and  $m_j$  is the mass of the jth particle.

## Four

## **Quantum Electrodynamics**

If you don't use dim reg you'll be shot.

Donal O'Connell

## 4.1 The QED Lagrangian

The QED Lagrangian is

$$\mathcal{L} = -\frac{1}{4}F^{\mu\nu}F_{\mu\nu} + \bar{\psi}(i\not\!\!D - m)\psi \tag{4.1.1}$$

where  $F_{\mu\nu}=\partial_{\mu}A_{\nu}-\partial_{\nu}A_{\mu}$  and  $D_{\mu}=\partial_{\mu}-ieA_{\mu}$ . One important property of this Lagrangian is the presence of a U(1) gauge symmetry, given by

$$\psi(x) \mapsto \psi(x) e^{i\alpha(x)}, \quad \bar{\psi}(x) \mapsto \bar{\psi}(x) e^{-i\alpha(x)}, \quad \text{and} \quad A_{\mu}(x) \mapsto A_{\mu}(x) + \frac{1}{e} \partial_{\mu} \alpha(x)$$

where  $\alpha$  is some function of spacetime taking values in  $[0, 2\pi)$  (with continuous second derivatives). We can see that this leaves the Lagrangian invariant by considering how each term transforms. First,

$$F_{\mu\nu} = \partial_{\mu}A_{\nu} - \partial_{\nu}A_{\mu} \tag{4.1.2}$$

$$\mapsto \partial_{\mu} \left( A_{\nu} + \frac{1}{\rho} \partial_{\nu} \alpha \right) - \partial_{\nu} \left( A_{\mu} + \frac{1}{\rho} \partial_{\mu} \alpha \right) \tag{4.1.3}$$

$$=\partial_{\mu}A_{\nu}+\frac{1}{\rho}\partial_{\mu}\partial_{\nu}\alpha-\partial_{\nu}A_{\mu}-\frac{1}{\rho}\partial_{\mu}\alpha \tag{4.1.4}$$

$$=F_{\mu\nu}. (4.1.5)$$

Second,

$$\bar{\psi}(iD - m)\psi = \bar{\psi}(i\partial + eA)\psi \tag{4.1.6}$$

$$\mapsto \bar{\psi} e^{-i\alpha} \left( i \partial \!\!\!/ + e \left( \!\!\!/ A + \frac{1}{e} \partial \!\!\!/ \alpha \right) - m \right) \psi e^{i\alpha} \tag{4.1.7}$$

$$= \bar{\psi} e^{-i\alpha} (i\partial + eA + \partial \alpha - m) \psi e^{i\alpha}$$
(4.1.8)

$$= \bar{\psi} e^{-i\alpha} e^{i\alpha} (i\partial (i\alpha) + i\partial + eA + \partial \alpha - m)\psi$$
 (4.1.9)

$$= \bar{\psi}(\partial + eA - m)\psi \tag{4.1.10}$$

$$= \bar{\psi}(i\not\!\!D - m)\psi. \tag{4.1.11}$$

4.2. DIVERGENCES 15

### 4.2 Divergences

Personally I detest dim reg. It's weird, but it's easy. It's detestable.

Donal O'Connell

Our focus in the first part of this course will be on renormalisation of divergences in QED. We will mainly look at correlators and how we can extract physics from renormalised correlators. We will do this through the process of renormalised perturbation theory.

Loop diagrams, such as

are often divergent. We can absorb these divergences into a finite (in QED) set of measured parameters.

To do this we distinguish between the fields and parameters appearing in the original Lagrangian, which we call **bare** fields and parameters, and the renormalised fields and parameters. Add a label B to each bare quantity so the Lagrangian is

$$\mathcal{L} = -\frac{1}{4} F_{\mathrm{B}\mu\nu} F_{\mathrm{B}}^{\mu\nu} + \bar{\psi}_{\mathrm{B}} (i \mathcal{D}_{\mathrm{B}} - m_{\mathrm{B}}) \psi_{\mathrm{B}}$$

$$\tag{4.2.2}$$

where  $F_{\mathrm{B}\mu\nu}=\partial_{\mu}A_{\mathrm{B}\nu}-\partial_{\nu}A_{\mathrm{B}\mu}$  and  $D_{\mathrm{B}\mu}=\partial_{\mu}-ie_{\mathrm{B}}A_{\mathrm{B}\mu}$ . We can think of the original Lagrangian and the bare quantities as being "true", corresponding to some high energy theory. Then the renormalised quantities are from the low energy limit of this theory. We define the following renormalised quantities in terms of the bare quantities:

$$A_{\mathrm{B}\mu} = \sqrt{Z_3} A_{\mu},\tag{4.2.3}$$

$$\psi_{\rm B} = \sqrt{Z_2}\psi,\tag{4.2.4}$$

$$m_{\rm B} = m + \delta m,\tag{4.2.5}$$

$$e_{\rm B} = Z_e e. \tag{4.2.6}$$

We fix the values of the unknown parameters introduced in these definitions by requiring that correlators of renormalised fields are finite and choosing these unknown parameters in such a way that this is enforced.

In *Quantum Field Theory* we didn't give a special notation for the bare quantities, and instead labelled the renormalised quantities, for example,  $\varphi_R$  was the renormalised scalar field and  $\varphi$  was the bare scalar field. This was because we didn't cover renormalisation until the end of the course, so the extra B labels would have been a nuisance. In this course we start with renormalisation, so we will work with the renormalised quantities more, so we don't give them a special label and instead label the bare quantities.

The parameters  $Z_2$  and  $Z_3$  are called the **wave function renormalisation constants**. The labels 2 and 3 are convention, and we'll introduce  $Z_1$  shortly. The square roots are chosen as these fields appear squared in the Lagrangian.

The definition of the renormalised mass above doesn't fit the pattern. We've chosen to think of the renormalised mass, m, as simply being shifted by  $\delta m$  from the bare mass,  $m_{\rm B}$ . We could have followed the pattern and written  $m_{\rm B}=Z_m m$  with  $Z_m=1+\delta m/m$ . This is nice in QED where if  $m_{\rm B}=0$  then m=0. However in other theories, such as scalar QED this isn't the case, it is possible for the bare field to be massless but the renormalised field has a mass. This can work with  $m_{\rm B}=Z_m m$ , we just have to choose  $Z_m$  so that it diverges when  $m_{\rm B}=0$ . The reason that we don't define  $A_\mu$  and  $\psi$  in the same way, i.e.  $A_{\rm B}{}_\mu=A_\mu+\delta A_\mu$  and  $\psi_{\rm B}=\psi+\delta\psi$ , is because we don't have any other vectors or spinors in our theory to give us  $\delta A_\mu$  or  $\delta \psi$ . The reason we don't define e in this way is that when  $e_{\rm B}=0$  the theory is non-interacting, and thus we should also have e=0. Later we will expand  $Z_i$  as  $1+\delta_i$ , which corresponds to  $\delta_m=\delta m/m$ .

To make the  $Z_i$  and  $\delta m$  well defined we need to pick a regulator. We'll use **dimensional regularisation**, or **dim reg**. We also need to pick a renormalisation scheme. We'll use **modified minimal subtraction**, or  $\overline{\text{MS}}$ .

In dim reg it is actually better to set

$$e_{\rm B} = Z_e e \mu^{\varepsilon} \tag{4.2.7}$$

since  $e_{\rm B}$  is dimensionless in D=4, but in  $D=4-2\varepsilon$  dimensions  $e_{\rm B}$  has mass dimension  $\varepsilon$ . We choose  $\mu$  to be a mass scale so that e is dimensionless in  $D=4-2\varepsilon$  dimensions. Importantly  $\mu$  is not a parameter of the bare theory. This means that no physics can depend on  $\mu$  so  $\mu$  must cancel out in any computation giving a measurable result. The choice of  $\mu$  can effect how quickly perturbation theory converges, for terms of the form  $\log(m/\mu)$  are common, and if we choose  $\mu \approx m$  then this value will be small, whereas if  $\mu \gg m$  we'll get large logs, which we usually want to avoid. The parameter  $\mu$  is called the **renormalisation point** or occasionally the 't **Hooft scale**.

The Lagrangian can the be rewritten in terms of the renormalised quantities. First,

$$F_{\mathbf{B}\mu\nu} = \partial_{\mu}A_{\mathbf{B}\nu} - \partial_{\nu}A_{\mathbf{B}\mu} = \partial_{\mu}(\sqrt{Z_3}A_{\mu}) - \partial_{\nu}(\sqrt{Z_3}A_{\nu}) = \sqrt{Z_3}F_{\mu\nu},\tag{4.2.8}$$

and so

$$F_{B\mu\nu}F_{R}^{\mu\nu} = Z_{3}F_{\mu\nu}F^{\mu\nu}.$$
 (4.2.9)

We also have

$$i \mathcal{D}_{\rm B} = i \partial \!\!\!/ + e_{\rm B} A_{\rm B} = i \partial \!\!\!/ + Z_e \sqrt{Z_3} e \mu^\varepsilon A \!\!\!/ \qquad (4.2.10)$$

so  $\bar{\psi}_{\rm B}iD_{\rm B}\psi_{\rm B}=Z_eZ_2\sqrt{Z_3}$ . We define  $Z_1=Z_eZ_2\sqrt{Z_3}$  for notational compactness. One imagines that this process was followed in the reverse when  $Z_i$  were named. The mass term gives

$$\bar{\psi}_{\rm B} m_{\rm B} \psi_{\rm B} = Z_2 m \bar{\psi} \psi + Z_2 \delta m \bar{\psi} \psi. \tag{4.2.11}$$

So the Lagrangian in terms of the renormalised quantities is

$$\mathcal{L} = -\frac{1}{4} Z_3 F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} + Z_2 \bar{\psi} (i\partial - m) \psi + Z_1 e \mu^{\varepsilon} \bar{\psi} A \psi - Z_2 \delta m \bar{\psi} \psi. \tag{4.2.12}$$

It is not immediately clear that this Lagrangian has a gauge symmetry, but of course it does, since it inherits the gauge symmetry of the bare theory. This will

be made more clear later when we show that  $Z_1 = Z_2$  (Section 8.4), which allows us to write this with a covariant derivative again.

To make sense of this we define  $Z_i = 1 + \delta_i$  and then the Lagrangian is

$$\begin{split} \mathcal{L} &= -\frac{1}{4} F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} + \bar{\psi} (i \vec{\phi} - m) \psi \\ &- \frac{1}{4} \delta_3 F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} + \delta_2 \bar{\psi} (i \vec{\phi} - m) \psi + \delta_1 e \mu^\varepsilon \bar{\psi} A \psi - \delta m \bar{\psi} \psi - \delta m \delta_2 \bar{\psi} \psi. \end{split} \tag{4.2.13}$$

This is of the form

$$\mathcal{L} = \mathcal{L}_{\text{classical}} + \mathcal{L}_{\text{ct}} \tag{4.2.14}$$

where

$$\mathcal{L}_{\text{classical}} = -\frac{1}{4}F^{\mu\nu}F_{\mu\nu} + \bar{\psi}(i\partial - m)\psi \tag{4.2.15}$$

is the "classical" Lagrangian, being of the same form as the Lagrangian in terms of the bare parameters and

$$\mathcal{L}_{\rm ct} = -\frac{1}{4}\delta_3 F^{\mu\nu}F_{\mu\nu} + \delta_2 \bar{\psi}(i\rlap{/}D - m)\psi + \delta_1 e\mu^\epsilon \bar{\psi} A\psi - \delta m\bar{\psi}\psi - \delta m\delta_2 \bar{\psi}\psi \eqno(4.2.16)$$

are the **counterterms**, which we choose in such a way that the divergences cancel out.

Note that in this expression  $D_{\mu}=\partial_{\mu}-ie\mu^{\varepsilon}A_{\mu}$ , with the factor of  $\mu^{\varepsilon}$ . It is common to miss out writing in  $\mu^{\varepsilon}$  both here and in the Lagrangian since it can always be inserted by dimensional analysis and disappears in final results. For tree diagrams we can take  $\varepsilon\to 0$  anyway since there are no divergences, making it even more common to leave  $\mu^{\varepsilon}$  out.

In QED divergences first appear at one loop, and since a single loop with external particles has at least two vertices these divergences are  $\mathcal{O}(e^2)$ . Since we choose the renormalisation parameters to cancel these divergences they must be of the form  $Z_i = 1 + \mathcal{O}(e^2)$ , with the 1 giving us the bare theory and the  $\mathcal{O}(e^2)$  cancelling the divergences. This means that  $\delta m \delta_2$  is  $\mathcal{O}(e^4)$ , so it is only important if we are doing a next-to-next-to leading order (NNLO) calculation or working with two or more loops. We'll only be doing leading order computations with one loop, so we'll neglect the final term of the Lagrangian.

#### 4.3 Feynman Rules

The Feynman rules tell us how a diagram translates into an equation. For a given term involving a product of fields, such as  $\bar{\psi}A\psi$ , the Feynman rules can be derived by considering the tree level correlator  $\langle\bar{\psi}A\psi\rangle$ . Since this is at tree level the terms just add linearly allowing us to consider them one at a time. We then amputate the correlator, working in momentum space, and drop the overall momentum conservation Dirac delta. What is left is the Feynman rule for this term.

## 4.3.1 $\bar{\psi}\psi$ Term

First we'll consider the  $\bar{\psi}\psi$  terms in the Lagrangian. These correspond to an interaction with the action

$$S_{\rm int} = \int d^D x \left[ i \delta_2 \bar{\psi} \partial \psi - (\delta_2 m + \delta m) \bar{\psi} \psi \right]. \tag{4.3.1}$$

Diagrammatically this corresponds to the correlator

$$\stackrel{p}{\longrightarrow} \otimes \stackrel{p'}{\longrightarrow} . \tag{4.3.2}$$

The symbol  $\otimes$  is used to signify a counter term, since these are often 1-to-1 scattering processes which would otherwise look like just a propagator.

Recall that in the canonical quantisation formalism we can expand  $\psi$  in terms of the electron annihilation operator,  $a_s(p)$ , and the positron creation operator,  $b_s^{\dagger}(p)$ :

$$\psi(x) = \sum_{s} \int \frac{\mathrm{d}p}{2E_p} \left[ a_s(p)u(p,s)\mathrm{e}^{-ip\cdot x} + b_s^{\dagger}(p)v(p,s)\mathrm{e}^{ip\cdot x} \right]. \tag{4.3.3}$$

Then we have

$$\partial \psi(x) = \sum_{s} \int \frac{\mathrm{d}p}{2E_{p}} \left[ -i p a_{s}(p) u(p,s) \mathrm{e}^{-ip \cdot x} + i p b_{s}^{\dagger}(p) v(p,s) \mathrm{e}^{ip \cdot x} \right]. \tag{4.3.4}$$

We want to calculate  $\langle \bar{\psi} A \psi \rangle$  to tree level. To do this we expand  $\mathrm{e}^{iS} = 1 + iS + \cdots$  to first order and consider the first order term, which corresponds to tree level processes (zeroth order corresponds to no interaction occurring). So for an incoming particle with momentum p and outgoing particle with momentum p' we need to calculate

$$\langle p'|i\int d^Dx \left[i\delta_2\bar{\psi}\partial\psi - (\delta_2m + \delta m)\bar{\psi}\psi\right]|p\rangle.$$
 (4.3.5)

To do this we need to contract the fields. We have an incoming and outgoing electron, which need to be created and destroyed and this can only be done one way. The field  $\psi$  can annihilate the incoming electron and the adjoint  $\bar{\psi}$  can create the outgoing electron. Thus we must contract as follows:

$$\langle p'|i \int d^D x \, i \delta_2 \bar{\psi} \bar{\phi} \psi |p\rangle - \langle p'|i \int d^D x \, (\delta_2 m + \delta m) \bar{\psi} \psi |p\rangle. \tag{4.3.6}$$

Completing this contraction, and including the factor of ip we get from acting with the derivative we get the result

$$i \int d^D x \left[ \delta_2(\not p - m) - \delta m \right] \bar{u} u e^{-i(p-p') \cdot x}. \tag{4.3.7}$$

Performing this integral we get

$$i(2\pi)^D \delta(p-p') \left[ \delta_2(p-m) - \delta m \right] \bar{u}u. \tag{4.3.8}$$

To get the Feynman rule we strip off the factors corresponding to external legs, since these are dealt with by other Feynman rules, so we remove  $\bar{u}u$ , and we strip off the overall momentum conserving Dirac delta  $(2\pi)^D\delta(p-p')$ , since this is enforced by conserving momentum at each vertex, which in this case just corresponds to setting p=p'. The resulting Feynman rule is

$$\xrightarrow{p} \bigotimes \xrightarrow{p} = i[\delta_2(p - m) - \delta m]. \tag{4.3.9}$$

## **4.3.2** $F^{\mu\nu}F_{\mu\nu}$ Term

Well you can't stop me. No one said we were going to use sane notation, just consistent notation.

Donal O'Connell

Now consider the  $F^{\mu\nu}F_{\mu\nu}$  counterterm, which corresponds to the interaction action

$$S_{\rm int} = \int d^D x \left[ -\frac{1}{4} \delta_3 F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} \right]. \tag{4.3.10}$$

To calculate the Feynman rule associated with this interaction consider the diagram

$$\stackrel{k,\varepsilon}{\longrightarrow} \stackrel{k',\varepsilon'}{\longrightarrow} . \tag{4.3.11}$$

Here k and k' are momenta and  $\varepsilon$  and  $\varepsilon'$  are polarisation vectors. To first order this diagram gives

$$\langle k', \varepsilon' | i \int d^D x \left[ -\frac{1}{4} \delta_3 F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} \right] | k, \varepsilon \rangle.$$
 (4.3.12)

There are two possible ways to perform contractions on this:

$$\langle k', \varepsilon' | i \int d^D x \left[ -\frac{1}{4} \delta_3 F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} \right] | k, \varepsilon \rangle, \tag{4.3.13}$$

$$\langle k', \varepsilon' | i \int d^D x \left[ -\frac{1}{4} \delta_3 F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} \right] | k, \varepsilon \rangle. \tag{4.3.14}$$

Since we can freely commute F with itself and raise and lower the paired indices these two contractions are actually exactly the same. So we include a symmetry factor of 2 and only consider one of these contractions. We'll take the first contraction and compute

$$-i\frac{\delta_3}{2}\langle k', \varepsilon' | \int d^D x F^{\mu\nu} F_{\mu\nu} | k, \varepsilon \rangle. \tag{4.3.15}$$

The next simplification is that for any two index tensor X we have

$$(X^{\mu\nu}-X^{\nu\mu})(X_{\mu\nu}-X_{\nu\mu})=X^{\mu\nu}(X_{\mu\nu}-X_{\nu\mu})-X^{\nu\mu}(X_{\mu\nu}-X_{\nu\mu}) \eqno(4.3.16)$$

exchanging  $\mu$  and  $\nu$  in the second term

$$(X^{\mu\nu}-X^{\nu\mu})(X_{\mu\nu}-X_{\nu\mu})=X^{\mu\nu}(X_{\mu\nu}-X_{\nu\mu})-X^{\mu\nu}(X_{\nu\mu}-X_{\mu\nu}) \eqno(4.3.17)$$

$$=2X^{\mu\nu}(X_{\mu\nu}-X_{\nu\mu})\tag{4.3.18}$$

so, taking  $X^{\mu\nu} = \partial^{\mu}A^{\nu}$ , we have

$$F^{\mu\nu}F_{\mu\nu} = 2(\partial^{\mu}A^{\nu})(\partial_{\mu}A_{\nu} - \partial_{\nu}A_{\mu}). \tag{4.3.19}$$

Hence the correlator is

$$-i\delta_{3}\langle k', \varepsilon'| \int d^{D}x \partial^{\mu}A^{\nu} (\overline{\partial_{\mu}A_{\nu} - \partial_{\nu}A_{\mu}})|k, \varepsilon\rangle. \tag{4.3.20}$$

As with the  $\psi$  case the derivatives act on the mode expansion to bring down a factor of  $\pm ik_{\mu}$  from terms like  $\varepsilon^{\mu}(k)a_{s}(k)\mathrm{e}^{-ik\cdot x}$ . The result of performing the contractions is

$$-i\delta_3 \int d^D x \, k'^{\mu} \varepsilon'^{\nu} (k_{\mu} \varepsilon_{\nu} - k_{\nu} \varepsilon_{\mu}) e^{-ik \cdot x} e^{ik' \cdot x}. \tag{4.3.21}$$

Performing the integral gives a Dirac delta, and we'll also expand the bracket in terms of inner products while we're at it

$$-i\delta_3(2\pi)^D\delta(k-k')[(k\cdot k')(\varepsilon\cdot \varepsilon') - (k\cdot \varepsilon)(k'\cdot \varepsilon')]. \tag{4.3.22}$$

As before to get the Feynman rule we strip of terms corresponding to external legs and the momentum conservation Dirac delta, setting k=k', to get the Feynman rule

$$\mu \xrightarrow{k} \stackrel{k}{\longrightarrow} \nu = -i\delta_3(k^2 \eta_{\mu\nu} - k_{\mu}k_{\nu}). \tag{4.3.23}$$

Notice that we have to include the metric from  $\varepsilon' \cdot \varepsilon = \eta_{\mu\nu} \varepsilon'^{\mu} \varepsilon^{\nu}$  in order for the indices to match up.

## 4.3.3 $\bar{\psi}A\psi$ Term

The final counterterm to compute is the one from the  $\bar{\psi}A\psi$  term. The corresponding action is

$$S_{\rm int} = \int \mathrm{d}^D x [e\mu^\varepsilon \delta_1 \bar{\psi} A \psi]. \tag{4.3.24}$$

This has three fields, so contributes as a three point vertex. To compute the counterterm in this case we consider the correlator  $\langle \bar{\psi}(x_1)\psi(x_2)A^{\mu}(x_3)\rangle$ . Expanding the exponential to first order in the interaction we want to compute

$$\int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}\,\bar{\psi}(x_1)\psi(x_2)A^{\mu}(x_3) \int \mathrm{d}^Dx \,e\mu^{\varepsilon}\delta_1\bar{\psi}(x)\mathcal{A}^{\nu}(x)\psi(x)\mathrm{e}^{\mathrm{i}S[\psi,\bar{\psi},A]} \quad (4.3.25)$$

where  $S[\psi, \bar{\psi}, A]$  is the free action. There is only one contraction not giving zero:

$$\int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}\,\bar{\psi}(x_1)\psi(x_2)A^{\mu}(x_3)\int \mathrm{d}^D x\,e\mu^{\varepsilon}\delta_1\bar{\psi}(x)A^{\nu}(x)\psi(x)\mathrm{e}^{iS[\psi,\bar{\psi},A]}. \tag{4.3.26}$$

Computing the contractions we are left with external propagators, which we can drop, and then we get the amputated correlator  $ie\mu^{\varepsilon}\delta_{1}\gamma^{\mu}$ . This gives the Feynman rule

$$\mu = ie\delta_1 \gamma^\mu \mu^\varepsilon \tag{4.3.27}$$

21

#### 4.4 Vacuum Polarisation

In this section we will compute the vacuum polarisation, which is a correction to an internal photon propagator. Before we proceed we'll recap the Feynman rules for QED, including the two counterterms we've just computed.

• The **QED vertex**:

$$\mu \sim = ie\mu^{\varepsilon}\gamma^{\mu}. \tag{4.4.1}$$

Note the factor of  $\mu^{\varepsilon}$  which we had not previously included as at tree level we were taking  $\varepsilon = 0$ .

- The QED propagators:
  - Electron propagator:

$$\xrightarrow{p} = \frac{i(p+m)}{p^2 - m^2 + i\varepsilon}.$$
 (4.4.2)

- Photon propagator:

$$\mu \stackrel{k}{\leadsto} \nu = \frac{-i}{k^2 + i\varepsilon} \left( \eta^{\mu\nu} - (1 - \xi) \frac{k^{\mu}k^{\nu}}{k^2} \right). \tag{4.4.3}$$

Here  $\xi$  is a gauge parameter. The choice of  $\xi=1$  is the **Feynman gauge**, giving the propagator

$$\frac{-i\eta_{\mu\nu}}{k^2 + i\varepsilon},\tag{4.4.4}$$

which is nice since the second term vanishes. The choice of  $\xi=0$  is the **Landau gauge** or **Lorenz gauge**, giving the propagator

$$\frac{i}{k^2 + i\varepsilon} \left( \eta^{\mu\nu} - \frac{k^\mu k^\nu}{k^2} \right),\tag{4.4.5}$$

which is nice because when we multiply by  $k_{\mu}$  this vanishes.

- Conserve momentum at each vertex.
- Integrate over internal momenta which aren't fixed by momentum conservation, giving an integral

$$\int \hat{\mathbf{d}}^D \ell = \int \frac{\mathbf{d}^D \ell}{(2\pi)}.\tag{4.4.6}$$

- Each closed fermion loop gives a factor of -1.
- Counterterms:

- electron counter term:

$$\xrightarrow{p} \xrightarrow{p} = i(\delta_2(p - m) - \delta m).$$
(4.4.7)

- photon counter term:

$$\mu \xrightarrow{k} \xrightarrow{k} \nu = -i\delta_3(k^2\eta_{\mu\nu} - k_{\mu}k_{\nu}). \tag{4.4.8}$$

• For an amputated correlator each external line simply gives a factor of 1.

Consider the correlator

$$\langle A_{\mu}(x)A_{\nu}(y)\rangle = \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi} \,A_{\mu}(x)A_{\nu}(y)e^{iS}. \tag{4.4.9}$$

At order  $e^0$  there is no interaction so the photon just propagates freely giving

$$\langle A_{\mu}(x)A_{\nu}(y)\rangle_{\mathcal{O}(e^0)} = iD_{\mu\nu}(x-y) \tag{4.4.10}$$

where  $D_{\mu\nu}$  is the free photon propagator.

At order  $e^1$  if we expand  $e^{iS}$  to get 1 + O(e) we get three A fields and two  $\psi$  fields with no way to contract them all. This means that there is no O(e) contribution.

At order  $e^2$  expanding  $e^{iS}$  we get

$$\int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi} \,A_{\mu}(x)A_{\nu}(y)\frac{(ie)^{2}}{2}\int \mathrm{d}^{D}x_{1}\,\mathrm{d}^{D}x_{2}\,(\bar{\psi}\mathcal{A}\psi)_{x_{1}}(\bar{\psi}\mathcal{A}\psi)_{x_{2}} + \text{counterterm}$$

$$(4.4.11)$$

where  $(-)_x$  means that all the fields in the brackets are evaluated at x. Diagrammatically this is

$$\mu \qquad \qquad \nu + \mu \qquad \qquad \nu \qquad \qquad (4.4.12)$$

The interesting part of the correlator is the loop, so define

$$i\Pi_{\mu\nu}(x-y) := \langle A_{\mu}(x)A_{\nu}(y)\rangle|_{1 \text{ loop, amputated}}$$
 (4.4.13)

to be just the loop without the counter term or external photon propagators. We want to work in momentum space so define

$$\widetilde{\Pi}_{\mu\nu}(k) = \int \mathrm{d}^D x \,\mathrm{e}^{\mathrm{i}k \cdot x} \Pi_{\mu\nu}(x). \tag{4.4.14}$$

Then, enforcing momentum conservation, we have

$$i\widetilde{\Pi}_{\mu\nu}(k) = \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{k}^{\nu} + \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{k}^{\nu} . \tag{4.4.15}$$

To evaluate this we use the Feynman rules, which give

23

- A factor of -1 from the fermion loop.
- An integral  $\int \hat{d}^D q$  for the undetermined momentum.
- Entering on the left we first come to a photon propagator, but this is external and we're considering an amputated correlator so it gives a factor of 1.
- Next we reach a QED vertex giving a factor of  $ie\mu^{\varepsilon}\gamma^{\mu}$ .
- We then proceed backwards along the fermion line, which is an electron propagator with momentum q - k, giving a factor of

$$\frac{i(q-k+m)}{(q-k)^2 - m^2 + i\varepsilon}. (4.4.16)$$

- Another QED vertex giving a factor of  $ie\mu^{\varepsilon}\gamma^{\nu}$ .
- Continuing backwards along the fermion propagator with momentum q we get

$$\frac{i(q+m)}{q^2 - m^2 + i\varepsilon}. (4.4.17)$$

Call these electron propagators S(q - k) and S(q) and write in the spinor indices. We then have a factor of

$$\gamma_{ab}^{\mu} S_{bc}(q-k) \gamma_{cd}^{\nu} S_{da}(q) = S_{da}(q) \gamma_{ab}^{\mu} S_{bc}(q-k) \gamma_{cd}^{\nu} 
= tr(S(q) \gamma^{\mu} S(q-k) \gamma^{\nu})$$
(4.4.18)

$$= \operatorname{tr}(S(q)\gamma^{\mu}S(q-k)\gamma^{\nu}) \tag{4.4.19}$$

$$= \operatorname{tr}(\gamma^{\mu} S(q - k) \gamma^{\nu} S(q)). \tag{4.4.20}$$

Putting this all together we get

$$-\int \hat{d}^D q (ie\mu^{\varepsilon})^2 \operatorname{tr} \left[ \gamma^{\mu} \frac{i(q-k+m)}{(q-k)^2 - m^2 + i\varepsilon} \gamma^{\nu} \frac{i(q+m)}{q^2 - m^2 + i\varepsilon} \right] - i\delta_3 (k^2 \eta^{\mu\nu} - k^{\mu} k^{\nu}).$$

## **Evaluating Loop Integrals**

<sup>1</sup>for examples using this method see the second half of *Quantum Field Theory* 

<sup>1</sup>for examples using this One loop integrals can be computed using the following algorithm<sup>1</sup>

1. Use Feynman parametrisation to rewrite the denominators. The simple case is

$$\frac{1}{AB} = \int_0^1 \mathrm{d}x \, \frac{1}{[xA + (1-x)B]^2} \tag{5.0.1}$$

and the more general case is

$$\begin{split} \frac{1}{A_1^{\alpha_1}\cdots A_n^{\alpha_n}} &= \int_0^1 \mathrm{d}x_1\,x^{\alpha_1-1}\cdots \int_0^1 \mathrm{d}x_n\,x^{\alpha_n-1} \\ &\times \frac{\delta(1-\sum_i\alpha_i)}{[x_1A_1+\cdots+x_nA_n]^{\sum_i\alpha_i}} \frac{\Gamma(\sum_i\alpha_i)}{\Gamma(\alpha_1)\cdots\Gamma(\alpha_n)}. \end{split}$$

2. Shift the loop momentum to get the integral in the form

$$\int \hat{\mathbf{d}}^D \ell \frac{N}{(\ell^2 - \Delta)^n}.\tag{5.0.2}$$

- 3. Simplify the numerator. This step is new to QED since for scalar  $\varphi^3$  theory as seen in *Quantum Field Theory* the numerator is always one. We'll see several tricks for performing this simplification later.
- 4. Wick rotate defining  $\ell^0 = i\ell_E^0$  and  $\ell^2 = -(\ell_E)^2 \ell^2 = -\ell_E^2$  where  $\ell_E^2$  is the Euclidean inner product,  $\ell_E^2 = \ell_E^2 + \ell^2$ .
- 5. Use the identity

$$\int \hat{d}^{D} \ell_{E} \frac{(\ell_{E}^{2})^{p}}{(\ell_{E} + \Delta)^{n}} = \frac{\Gamma(n - p - D/2)\Gamma(p + D/2)}{(4\pi)^{D/2}\Gamma(n)\Gamma(D/2)} \Delta^{D/2 + p - n}.$$
 (5.0.3)

We can combine the fourth and fifth steps into one to get the identity

$$\int \hat{\mathrm{d}}^D \ell \, \frac{(\ell^2)^p}{(\ell^2 - \varDelta)^n} = \frac{i}{(4\pi)^{D/2}} \frac{(-1)^{p+n} \Gamma(n-p-D/2) \Gamma(p+D/2)}{\Gamma(n) \Gamma(D/2)} \varDelta^{D/2+p-n}.$$

Note that the  $\Delta$  term can be found from dimensional analysis. We know from the  $\ell^2 - \Delta$  term that  $[\Delta] = 2$ . Then looking at the integral on the left we have

 $[\hat{\mathbf{d}}^D\ell]=D,[(\ell^2)^p]=2p,$  and  $[(\ell^2-\Delta)^n]=2n,$  so the integral has mass dimension D+2p-2n. Dimensions can only enter the right hand side as  $\Delta^x$ , since we are integrating out  $\ell$ , so we must have  $[\Delta^x]=2x=D+2p-2n,$  so x=D/2+p-n. In QED we often encounter **tensor integrals** such as

$$I^{\mu_1\dots\mu_r} := \int \hat{\mathbf{d}}^D \ell \frac{\ell^{\mu_1}\dots\ell^{\mu_r}}{(\ell^2 - \Delta)^n}.$$
 (5.0.4)

First consider the r = 1 case:

$$I^{\mu} = \int \hat{\mathbf{d}}^D \ell \frac{\ell^{\mu}}{(\ell^2 - \Delta)^n}.$$
 (5.0.5)

A change of variables from  $\ell$  to  $-\ell$  gives an overall negative from  $d\ell \to -d\ell$  as well as exchanging the limits from  $(-\infty,\infty)$  to  $(\infty,-\infty)$ . We can change the limits back at the cost of another overall negative. We also get an overall negative from  $\ell^{\mu} \to \ell^{\mu}$  so

$$I^{\mu} = \int \hat{d}^{D} \ell \frac{-\ell^{\mu}}{(\ell^{2} - \Delta)^{n}} = -I^{\mu}$$
 (5.0.6)

and so we must have  $I^{\mu}=0$ . This same logic can be applied whenever r is odd, so  $I^{\mu_1...\mu_r}=0$  for all odd r.

Now consider the r = 2 case:

$$I^{\mu\nu} = \int \hat{d}^D \ell \frac{\ell^\mu \ell^\nu}{(\ell^2 - \Delta)^n}.$$
 (5.0.7)

The result must also be a rank two tensor. Since we are integrating over  $\ell$  the result can only depend on  $\Delta$ , which is just a scalar. The only other dependence in this integral is on the metric,  $\eta^{\mu\nu}$ , so this must be where the indices come from. We make the ansatz that

$$I^{\mu\nu} = \eta^{\mu\nu} X(\Delta) \tag{5.0.8}$$

where *X* is some function to be determined. Now notice that

$$\eta_{\mu\nu}I^{\mu\nu} = I^{\mu}_{\mu} = \eta_{\mu\nu}\eta^{\mu\nu}X(\Delta) = DX(\Delta) = \int \hat{d}^D \ell \frac{\ell^2}{(\ell^2 - \Delta)^n},$$
 (5.0.9)

and we know what this result integral is so we have

$$I^{\mu\nu} = \frac{1}{D} \int \hat{\mathbf{d}}^D \ell \frac{\eta^{\mu\nu} \ell^2}{(\ell^2 - \Delta)^n}.$$
 (5.0.10)

To conclude, in a loop integral we can replace  $\ell^{\mu}\ell^{\nu}$  with  $\eta^{\mu\nu}\ell^2/D$  so long as the denominator is of the form  $(\ell^2-\Delta)^n$ . Other even r cases can be worked out in a similar manor.

### 5.1 Vacuum Polarisation

Let's return to the problem of computing the vacuum polarisation. Define a function corresponding to just the loop part of the vacuum polarisation:

$$i\widetilde{\Pi}_{L}^{\mu\nu}(k) = \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{q-k}^{\nu} . \tag{5.1.1}$$

As we computed before using the Feynman rules gives the result

$$i\widetilde{\Pi}_{\rm L}^{\mu\nu}(k) = -(ie\mu^{\varepsilon})^2 \int \hat{\rm d}^D q \frac{{\rm tr}[\gamma^{\mu}i(\not q-\not k+m)\gamma^{\nu}i(\not q+m)]}{[(\not q-k)^2-m^2+i\varepsilon][\not q^2-m^2+i\varepsilon]}. \tag{5.1.2}$$

The first step of the algorithm is to use Feynman parametrisation. In this case we have two denominators,  $(q - k)^2 - m^2 + i\varepsilon$  and  $q^2 - m^2 + i\varepsilon$ . We have to decide which one goes with x and which goes with 1 - x in

$$\frac{1}{AB} = \int_0^1 \mathrm{d}x \, \frac{1}{[xA + (1-x)B]^2}.$$
 (5.1.3)

A good idea is to put the more complicated factor with x, so that we don't increase the complexity. This gives

$$A = x[(q - k)^{2} - m^{2} + i\varepsilon] = xq^{2} - 2xq \cdot k + xk^{2} - xm^{2} + ix\varepsilon,$$
 (5.1.4)

$$B = (1 - x)[q^2 - m^2 + i\varepsilon] = q^2 - xq^2 - m^2 + xm^2 + i\varepsilon - ix\varepsilon.$$
 (5.1.5)

Hence, we have

$$xA + (1 - x)B = q^2 - 2xq \cdot k + xk^2 - m^2 + i\varepsilon.$$
 (5.1.6)

This allows us to rewrite the loop integral as

$$i\widetilde{\Pi}_{L}^{\mu\nu}(k) = e^{2}\mu^{2\varepsilon} \int_{0}^{1} dx \int \hat{d}^{D}q \frac{\text{tr}[(\gamma^{\mu}(q - k + m)\gamma^{\nu}(q + m))]}{q^{2} - 2xq \cdot k + xk^{2} - m^{2} + i\varepsilon}.$$
 (5.1.7)

The next step of the algorithm is to shift the integration variable to get a denominator of the form  $(\ell^2 - \Delta)^n$ . To do this we choose  $\ell = q - xk$ , then we have  $\ell^2 = q^2 - 2xq \cdot k + x^2k^2$  and so

$$q^{2} - 2xq \cdot k + xk^{2} - m^{2} + i\varepsilon = \ell^{2} - m^{2} + x(1 - x)k^{2} + i\varepsilon = \ell^{2} - \Delta \quad (5.1.8)$$

with

$$\Delta := m^2 - x(1-x)k^2 - i\varepsilon. \tag{5.1.9}$$

Then the loop integral is

$$i\widetilde{\Pi}_{L}^{\mu\nu}(k) = -e^{2}\mu^{2\varepsilon} \int_{0}^{1} \mathrm{d}x \int \hat{\mathrm{d}}^{D} \ell \frac{N^{\mu\nu}}{(\ell^{2} - \Delta)^{2}}$$
 (5.1.10)

with

$$N^{\mu\nu} = \text{tr}[\gamma^{\mu}(q - k + m)\gamma^{\nu}(q + m)]. \tag{5.1.11}$$

The next step in the algorithm is to simplify the numerator. The first step is to write the numerator in terms of  $\ell$  which can be done by inverting  $\ell = q - xk$  to get  $q = \ell + xk$ . We also have  $q - k = \ell + xk - k = \ell - (1 - x)k$ . Thus the numerator is

$$N^{\mu\nu} = \text{tr}[\gamma^{\mu}(\ell - (1-x)k + m)\gamma^{\nu}(\ell + xk + m)]. \tag{5.1.12}$$

We can now expand the product in the trace. In doing so we keep only terms with an even power of gamma matrices, since the trace of an odd number of gamma matrices vanishes. We also keep only terms with an even power of  $\ell$ , since under the integral any odd power of  $\ell$  vanishes. Note that this is only true under the integral, not in general, so rather than using equality we'll use the symbol  $\rightsquigarrow$ :

$$N^{\mu\nu} \rightsquigarrow \operatorname{tr}[\gamma^{\mu}\ell\gamma^{\nu}\ell - x(1-x)\gamma^{\mu}k\gamma^{\nu}k + m^{2}\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}]. \tag{5.1.13}$$

To proceed we need the following two identities for traces of gamma matrices:

$$\operatorname{tr}[\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}] = 4\eta^{\mu\nu},\tag{5.1.14}$$

$$\operatorname{tr}[\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}\gamma^{\rho}\gamma^{\sigma}] = 4(\eta^{\mu\nu}\eta^{\rho\sigma} + \eta^{\sigma\mu}\eta^{\nu\rho} - \eta^{\mu\rho}\eta^{\nu\sigma}). \tag{5.1.15}$$

Note that the factor of 4 is the dimension of the spinors. It is possible to define the spinors in such a way that they are four component objects even in dimensional regularisation where the spacetime dimension is  $D = 4 - 2\varepsilon$ . Consider the first term in the trace, we have

$$\operatorname{tr}[\gamma^{\mu}\ell\gamma^{\nu}\ell] = \ell_{o}\ell_{\sigma}\operatorname{tr}[\gamma^{\mu}\gamma^{\rho}\gamma^{\nu}\gamma^{\sigma}] \tag{5.1.16}$$

$$=4\ell_{\rho}\ell_{\sigma}[\eta^{\mu\rho}\eta^{\nu\sigma}+\eta^{\rho\nu}\eta^{\sigma\mu}-\eta^{\mu\nu}\eta^{\rho\sigma}] \tag{5.1.17}$$

$$=4[\ell^{\mu}\ell^{\nu}+\ell^{\nu}\ell^{\mu}-\eta^{\mu\nu}\ell^{2}] \tag{5.1.18}$$

$$=4[2\ell^{\mu}\ell^{\nu}-\eta^{\mu\nu}\ell^{2}]. \tag{5.1.19}$$

In general in traces like this if we have  $\gamma^{\mu}\ell$  then we the index  $\mu$  in the identity for traces of  $\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}$  will be attached to the  $\ell$  in the final result. The second term in the numerator is the same but with ks in place of the  $\ell$ s, and an extra scalar factor. The last term in the trace is simply  $4m^2\eta^{\mu\nu}$ . Combined we have

$$N^{\mu\nu} \rightsquigarrow 4[2\ell^{\mu}\ell^{\nu} - \eta^{\mu\nu}\ell^{2} - x(1-x)(2k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^{2}) + m^{2}\eta^{\mu\nu}]. \tag{5.1.20}$$

We can further simplify this by using  $\Delta = m^2 - x(1-x)k^2 - i\varepsilon$  and so  $m^2 = \Delta + x(1-x)k^2 + i\varepsilon$  giving

$$N^{\mu\nu} \rightsquigarrow 4[2\ell^{\mu}\ell^{\nu} - \eta^{\mu\nu}\ell^{2} - 2x(1-x)(k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^{2}) + \Delta\eta^{\mu\nu}]. \tag{5.1.21}$$

The final simplification we can make is to use our earlier discovery that we can replace  $\ell^{\mu}\ell^{\nu}$  with  $\eta^{\mu\nu}\ell^2/D$  under a one loop integral with denominator  $(\ell^2-\Delta)^n$ . This gives

$$N^{\mu\nu} \rightsquigarrow 4 \left[ \frac{2}{D} \eta^{\mu\nu} \ell^2 - \eta^{\mu\nu} \ell^2 - 2x(1-x)(k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^2) + \Delta \eta^{\mu\nu} \right] \qquad (5.1.22)$$

$$= 4\left[ \left( \frac{2}{D} - 1 \right) \eta^{\mu\nu} \ell^2 - 2x(1 - x)(k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}) + \Delta \eta^{\mu\nu} \right]. \tag{5.1.23}$$

We can now use the two following integrals, first

$$\int \hat{\mathbf{d}}^D \ell \frac{1}{(\ell^2 - \Delta)^2} = \frac{i}{(4\pi)^{D/2}} \Delta^{D/2 - 2} \Gamma(2 - D/2)$$
 (5.1.24)

which follows by setting p = 0 and n = 2 in the general formula and using  $\Gamma(1) = 1$ . Second, we need

$$\int \hat{\mathbf{d}}^D \ell \frac{\ell^2}{(\ell^2 - \Delta)^2} = -\frac{i}{(4\pi)^{D/2}} \Delta^{D/2 - 1} \frac{\Gamma(1 - D/2)\Gamma(1 + D/2)}{\Gamma(D/2)}.$$
 (5.1.25)

This can be simplified using the identity  $\Gamma(1+z)=z\Gamma(z)$ , which is just the factorial recursive definition extended to the  $\Gamma$  function. With this we have

$$\Gamma(1+D/2) = \frac{D}{2}\Gamma(D/2)$$
 (5.1.26)

and so

$$\int \hat{d}^D \ell \frac{\ell^2}{(\ell^2 - \Delta)^2} = -\frac{i}{(4\pi)^{D/2}} \Delta^{D/2 - 1} \frac{D}{2} \Gamma(1 - D/2). \tag{5.1.27}$$

Using these integrals for each term of the full integral we get the result

$$\begin{split} i\widetilde{\Pi}_{\rm L}^{\mu\nu}(k) &= -4e^2\mu^{2\varepsilon} \int_0^1 {\rm d}x \frac{i}{(4\pi)^{D/2}} \\ &\times \left[ \frac{D}{2} \left( \frac{2}{D} - 1 \right) \Gamma(1 - D/2) \Delta^{D/2 - 1} \eta^{\mu\nu} \right. \\ &\left. - 2x(1 - x) \Gamma(2 - D/2) \Delta^{D/2 - 2} (k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^2) \right. \\ &\left. + \Gamma(2 - D/2) \Delta^{D/2 - 1} \eta^{\mu\nu} \right]. \end{split}$$

Now we can use

$$\frac{D}{2} \left( \frac{2}{D} - 1 \right) \Gamma(1 - D/2) = \left( 1 - \frac{D}{2} \right) \Gamma(1 - D/2) = \Gamma(2 - D/2), \tag{5.1.29}$$

which is just another application of  $z\Gamma(z) = \Gamma(1+z)$ . Doing this the first and last term above are the same and so cancel out giving the final result

$$i\widetilde{\Pi}_{L}^{\mu\nu}(k) = \frac{8e^{2}\mu^{2\varepsilon}}{(4\pi)^{D/2}}(k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^{2})\Gamma(2 - D/2) \int_{0}^{1} dx \, x(1 - x)\Delta^{D/2 - 2}. \quad (5.1.30)$$

Note that  $\Delta$  depends on x so we can't pull it outside of the integral.

#### 5.1.1 Regularisation

We will use dimensional regularisation, setting the number of dimensions to  $D=4-2\varepsilon$  for some  $\varepsilon\in\mathbb{R}$  which we will later take to zero. This means that we can neglect terms on the order of  $\varepsilon$ , although these terms may be important for two loop diagrams. We keep the poles, terms like  $1/\varepsilon$ , and finite<sup>3</sup> terms,  $\mathcal{O}(\varepsilon^0)$ .

The gamma function appearing in the vacuum polarisation loop becomes

$$\Gamma(2 - D/2) = \Gamma(\varepsilon). \tag{5.1.31}$$

We can then use the expansion of the gamma function about zero:

$$\Gamma(\varepsilon) \approx \frac{1}{\varepsilon} - \gamma + \mathcal{O}(\varepsilon)$$
 (5.1.32)

where

$$\gamma \approx 0.57721566$$
 (5.1.33)

is the **Euler–Mascheroni constant**. It is actually more useful to write this expansion as

$$\frac{1}{\varepsilon}e^{-\varepsilon\gamma} + \mathcal{O}(\varepsilon) \approx \frac{1}{\varepsilon}(1 - \varepsilon\gamma) + \mathcal{O}(\varepsilon) = \frac{1}{\varepsilon} - \gamma + \mathcal{O}(\varepsilon) \approx \Gamma(\varepsilon). \tag{5.1.34}$$

of finite here meaning finite and nonzero

Using this, and factoring out a minus sign from the tensor structure, we can write the vacuum polarisation loop as

$$i\widetilde{\Pi}_{\rm L}^{\mu\nu}(k) = -\frac{8ie^2}{16\pi^2} (4\pi\mu^2 e^{-\gamma})^{\varepsilon} (k^2 \eta^{\mu\nu} - k^{\mu}k^{\nu}) \frac{1}{\varepsilon} \int_0^1 {\rm d}x \, x (1-x) \Delta^{-\varepsilon}. \quad (5.1.35)$$

The integral here is over a finite region, [0, 1], and so diverges only if the integrand diverges. In dimensional regularisation we always get factors of  $4\pi\mu^2 e^{-\gamma}$ , so it helps to define

$$\tilde{\mu}^2 = 4\pi \mu^2 e^{-\gamma} \approx 7.0555 \mu^2. \tag{5.1.36}$$

Now write

$$\tilde{\mu}^{2\varepsilon} \Delta^{-\varepsilon} = \left(\frac{\Delta}{\tilde{\mu}^2}\right)^{-\varepsilon} \tag{5.1.37}$$

$$= \exp\left\{\log\left(\frac{\Delta}{\tilde{\mu}^2}\right)^{-\varepsilon}\right\} \tag{5.1.38}$$

$$= \exp\left\{-\varepsilon \log \frac{\Delta}{\tilde{u}^2}\right\} \tag{5.1.39}$$

$$\approx 1 - \varepsilon \log \frac{\Delta}{\tilde{\mu}^2} + \mathcal{O}(\varepsilon^2). \tag{5.1.40}$$

Then we have

$$i\tilde{\Pi}_{L}^{\mu\nu}(k) = -\frac{ie^2}{2\pi^2}(k^2\eta^{\mu\nu} - k^{\mu}k^{\nu})\int_0^1 dx \, x(1-x) \left[\frac{1}{\varepsilon} - \log\frac{\Delta}{\tilde{\mu}^2}\right].$$
 (5.1.41)

This is now perfectly finite so long as  $\varepsilon \neq 0$  (and  $\Delta/\tilde{\mu}^2 > 0$ ).

#### 5.1.2 Renormalisation

We require that correlators of renormalised fields are finite. Recall that the counter term appearing in the vacuum polarisation is

$$\mu \xrightarrow{k} \xrightarrow{k} \nu = -i\delta_3(k^2\eta^{\mu\nu} - k^{\mu}k^{\nu}).$$
(5.1.42)

Fortunately this has the same tensor structure,  $k^2\eta^{\mu\nu}-k^\mu k^\nu$ , as the loop part of the vacuum polarisation. This is important as it allows us to choose  $\delta_3$  to cancel the infinities which occur in the loop integral to get a finite result. This is not always the case. For example, if we use an ultraviolet cut-off,  $\Lambda$ , then the cancellation earlier in the calculation doesn't occur and we don't have matching tensor structures. The reason for this is that dimensional regularisation respects gauge symmetry, but an ultraviolet cut-off doesn't, since, for example, a gauge transformation  $p_\mu \mapsto p_\mu + eA_\mu$  could result in a momentum with  $p^2 > \Lambda^2$ .

We can write the full one-loop vacuum polarisation as

$$\widetilde{\Pi}^{\mu\nu}(k) = \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{q-k}^{\nu} + \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{k}^{\nu} \bigvee_{k}^{\nu}$$

$$= (k^{2}\eta^{\mu\nu} - k^{\mu}k^{\nu}) \left[ -\delta_{3} - \frac{e^{2}}{2\pi^{2}} \int_{0}^{1} dx \, x(1-x) \left[ \frac{1}{\varepsilon} - \log \frac{\Delta}{\widetilde{\mu}^{2}} \right] \right].$$
(5.1.43)

We can compute the first term in the integral,

$$\frac{1}{\varepsilon} \int_0^1 \mathrm{d}x \, x(1-x) = \frac{1}{6\varepsilon},\tag{5.1.45}$$

giving

$$\widetilde{\Pi}^{\mu\nu}(k) = (k^2 \eta^{\mu\nu} - k^{\mu} k^{\nu}) \left[ -\delta_3 - \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon} - \frac{e^2}{2\pi^2} \int_0^1 dx \, x (1-x) \log \frac{\Delta}{\tilde{\mu}^2} \right]$$

$$= (k^2 \eta^{\mu\nu} - k^{\mu} k^{\nu}) \Pi(k^2)$$
(5.1.46)

where we define  $\Pi(k^2)$  to contain the scalar structure of the vacuum polarisation. We demand that this scalar structure is finite, however currently we have a pole at  $\varepsilon = 0$  from the  $1/\varepsilon$  term. The solution is to choose  $\delta_3$  to be of the form

$$\delta_3 = -\frac{e^2}{12\pi^2\varepsilon} + \text{finite terms} \tag{5.1.48}$$

so that the  $1/\epsilon$  terms cancel out and we are left only with the finite terms.

#### 5.1,2.1 Choice of Renormalisation Scheme

Clearly in the above prescription for  $\delta_3$  we have some freedom in the choice of finite terms. In general we can add terms  $\mathcal{O}(\varepsilon^0)$  to  $\delta_3$  and the result will still be finite. This freedom is the freedom in choosing a **renormalisation scheme**. We'll discuss two renormalisation schemes here.

 $\overline{\text{MS}}$  *Scheme.* The  $\overline{\text{MS}}$  scheme, standing for **modified minimal subtraction**, is defined by two requirements:

• We use

$$\tilde{\mu}^2 = 4\pi \mu^2 e^{-\gamma} \tag{5.1.49}$$

as a parameter. This is the "modified" part of modified minimal subtraction, and simply reduces the number of  $4\pi s$  and  $e^{-\gamma} s$  that we have to deal with.

• We require counterterms to contain only poles, so no finite terms, this is the "minimal subtraction" part of modified minimal subtraction. This means that all counterterms are of the form

$$\delta_i = \sum_{n=1}^{\infty} \frac{a_n}{\varepsilon^n} \tag{5.1.50}$$

for some finite quantities  $a_n$ .

Thus in  $\overline{MS}$  the counterterm for the vacuum polarisation term is

$$\delta_3 = \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon} + \mathcal{O}\left(\frac{e^4}{\varepsilon^2}\right). \tag{5.1.51}$$

The factor in front of any higher order term is just a number, it has no dependence on momentum, since it can be traced back to the Lagrangian where all momenta are explicitly accounted for.

We will almost entirely use the  $\overline{MS}$  scheme, but it isn't the only choice. For the rest of this section we'll briefly discuss an alternative.

*On-shell Scheme*. The **on-shell scheme** is imposed by the normalisation condition  $\Pi(0) = 0$ . If we write out  $\Pi(k^2)$  in full<sup>4</sup>,

$$\Pi(k^2) = -\left[\delta_3 + \frac{e^2}{12\pi^2\varepsilon} - \frac{e^2}{2\pi^2} \int_0^1 \mathrm{d}x \, x(1-x) \log\left(\frac{m^2 - x(1-x)k^2 - i\varepsilon}{\tilde{\mu}^2}\right)\right] \quad \text{and } \varepsilon \text{ for the prescription.}$$
(5.1.52)

then we see that at  $k^2 = 0$  we can take  $\epsilon \to 0$  since  $m^2 > 0$ . The integral is then easy to do, again giving 1/6, and so

$$\Pi(0) = -\left[\delta_3 + \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon} - \frac{e^2}{12\pi^2} \log \frac{m^2}{\tilde{\mu}^2}\right]. \tag{5.1.53}$$

Demanding  $\Pi(0) = 0$  we get

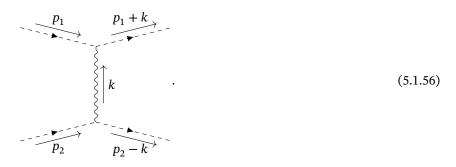
$$\delta_3 = -\frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon} + \frac{e^2}{12\pi^2} \log \frac{m^2}{\tilde{u}^2}.$$
 (5.1.54)

A sensible question is why we impose  $\Pi(0)=0$  as a condition. There are at least two reasons for this. First, doing so ensures that the photon propagator takes on its tree form,

$$\frac{i\eta^{\mu\nu}}{k^2 + i\varepsilon}.\tag{5.1.55}$$

Essentially, this means that the photon remains massless, since the propagator has a pole at the physical mass.

The second reason can be demonstrated by considering  $2 \to 2$  scattering. For simplicity we'll consider scalars scattering, which just allows us to drop the spinors that would normally occur. Consider the process



<sup>4</sup>we use ε here for the parameter of dimensional regularisation and ε for the parameter of the iε prescription.

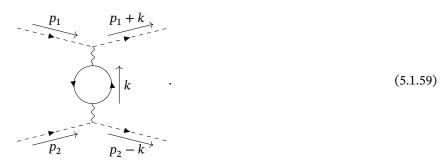
The amplitude for this at tree level is

$$i\mathcal{A}_{\text{tree}} = \frac{ie^2}{k^2} (4p_1 \cdot p_2 - k^2).$$
 (5.1.57)

At large distances  $k^2$  is small, so

$$i\mathcal{A}_{\text{tree}} \approx \frac{ie^2}{k^2} 4p_1 \cdot p_2. \tag{5.1.58}$$

At one loop we encounter diagrams like



In fact, we can carefully choose our theory so that this is the dominant diagram at one-loop. Diagrams such as



are suppressed by powers of 1/m, with m the mass of the external particles. By choosing a theory with lots of fermions we can also make the fermion loop the dominant loop.

Notice that the diagram contains the loop diagram in the vacuum polarisation as a subdiagram. This means that we can just replace the normal photon propagator with this term, which we've already computed. This gives

$$i\mathcal{A}_{\rm loop} = (ie)^2 (2p_1 + k)^{\mu} (2p_2 - k)^{\nu} \left( -\frac{i}{k^2} \right) (k^2 \eta_{\mu\nu} - k_{\mu} k_{\nu}) \Pi(k^2) \qquad (5.1.61)$$

$$= (ie)^{2} 4(k^{2}(p_{1} \cdot p_{2}) - (p_{1} \cdot k)(p_{2} \cdot k)) \frac{1}{k^{4}} \Pi(k^{2})$$
 (5.1.62)

where in the second line we've used  $k^{\mu}(k^2\eta_{\mu\nu}-k_{\mu}k_{\nu})=0$ . At large distances we then have

$$i(\mathcal{A}_{\text{tree}} + \mathcal{A}_{\text{loop}}) \approx \frac{i}{k^2} 4p_1 \cdot p_2 e^2 (1 + \Pi(k^2)).$$
 (5.1.63)

One way to measure the charge of a particle is to perform scattering experiments like this one. These are typically done at low momentum. What we actually measure in these experiments is the factor  $e^2(1+\Pi(k^2))$ , plus any higher order corrections. Choosing  $\Pi(0)=0$  then means that the value we are measuring is the renormalised charge, which is the charge appearing in the Lagrangian after regularisation.

### Six

# Interpreting The Vacuum Polarisation

Recall that in the last chapter we computed the vacuum polarisation

$$\Pi^{\mu\nu}(k) = \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{q=k}^{\nu} \bigvee_{k}^{\mu} \bigvee_{k}^{\nu} \bigvee_{k}^{\nu} (6.0.1)$$

$$= (k^{\mu}k^{\nu} - \eta k^2)\Pi(k^2) \tag{6.0.2}$$

where

$$\Pi(k^{2}) = \begin{cases} \frac{e^{2}}{2\pi^{2}} \int_{0}^{1} dx \, x(1-x) \log \frac{\Delta}{\tilde{\mu}^{2}} & \overline{\text{MS}}, \\ \frac{e^{2}}{2\pi^{2}} \int_{0}^{1} dx \, x(1-x) \log \frac{\Delta}{m^{2}} & \text{on-shell,} \end{cases}$$
(6.0.3)

where

$$\Delta = m^2 - x(1-x)k^2 - i\epsilon. \tag{6.0.4}$$

Now we're going to try to extract some physics from this result and discuss the effects of the two different renormalisation scales.

#### **6.1** Scale Dependence of Charge

Previously (Equation (5.1.63)) we saw that the amplitude for  $2 \rightarrow 2$  scattering process between scalar particles exchanging a photon has

$$i\mathcal{A} = \frac{4i}{k^2} p_1 \cdot p_2 e^2 (1 + \Pi(k^2)).$$
 (6.1.1)

This includes the tree level process and a single fermion loop in the photon propagator, and it is assumed that  $k^2$  is small.

We can use this process to measure the charge of the particle in scattering process with zero, or very little, momentum. We find that measured charge squared,

at one loop accuracy, is then

$$e_{\text{meas}}^2 = e^2(1 + \Pi(0))$$
 (6.1.2)

$$=\begin{cases} e^2 \left( 1 + \frac{e^2}{12\pi^2} \log \frac{m^2}{\tilde{\mu}^2} \right) & \overline{\text{MS}}, \\ e^2 & \text{on-shell.} \end{cases}$$
 (6.1.3)

We can see that the relation between the Lagrangian parameters and the physical observables is scheme dependent. This isn't too much of a problem because in QED we can make a finite number of measurements to determine these parameters and from there we can use them to make scheme independent predictions.

For example, at nonzero momentum there is a correction to the measured charge squared:

$$e_{\text{meas}}^{2}(k^{2}) - e_{\text{meas}}^{2}(0) = e^{2}(1 + \Pi(k^{2})) - e^{2}(1 + \Pi(0))$$
(6.1.4)

$$= e^{2}(\Pi(k^{2}) - \Pi(0)) \tag{6.1.5}$$

$$= \frac{e^4}{2\pi^2} \int_0^1 \mathrm{d}x \, x(1-x) \log \frac{\Delta}{m^2} \tag{6.1.6}$$

in the  $\overline{\rm MS}$  scheme. This  $\mathcal{O}(e^4)$  correction to the measured charge is a physical prediction of QED.

#### 6.2 Non-Relativistic Limit

We can take the non-relativistic limit in QFT to compare results to results from non-relativistic quantum mechanics. Recall that in quantum mechanics the Born approximation gives the scattering amplitude

$$\mathcal{A} = -4m_1 m_2 \int d^3 x \, e^{-i\mathbf{k} \cdot \mathbf{x}} V(\mathbf{x}) \tag{6.2.1}$$

where  $m_i$  are the masses of the two particles scattering and V(x) is the potential they are scattering in, with x being the vector between the two particles.

Note that this differs by a factor of 2*m* from the amplitudes we have been calculating. This is due to a difference in normalisation, where in quantum mechanics

$$\langle \mathbf{p} | \mathbf{p}' \rangle = \delta(\mathbf{p} - \mathbf{p}') \tag{6.2.2}$$

and in QFT

$$\langle p|p'\rangle = \frac{1}{2E_p}\delta(p-p') \tag{6.2.3}$$

with  $2E_p \approx 2m$  in the non-relativistic limit.

Consider Coulomb scattering, the amplitude calculated in quantum mechanics is then

$$\mathcal{A} = -4m_1 m_2 \int d^3 x \, e^{-i\mathbf{k}\cdot\mathbf{x}} \frac{e_1 e_2}{4\pi |\mathbf{x}|}$$
 (6.2.4)

$$= -4m_1 m_2 \frac{e_1 e_2}{|\mathbf{k}|^2}. (6.2.5)$$

For the non-relativistic QFT result we take  $k^2$  to be small. Note that  $p_1 \cdot p_2 \approx m_1 m_2$ . There is an incoming (and hence on-shell) particle with momentum  $p_1$ , so  $p_1^2 = m_1^2$ . There is an outgoing (and hence on-shell) particle with momentum  $p_1 + k$ , so

$$(p_1 + k)^2 = m_1^2 = m_1^2 + 2p_1 \cdot k + k^2.$$
(6.2.6)

From this, neglecting  $k^2$  terms, we see that  $2p_1 \cdot k \approx 0$ . Since  $p_1^0 \approx m_1$ , which can be large, we must have  $k^0 \approx 0$ , and so  $k^2 \approx -k^2$ . Then the amplitude calculated in QFT is

$$\mathcal{A} = -\frac{4m_1m_2}{|\mathbf{k}|^2}e_1e_2(1 + \Pi(-\mathbf{k}^2)). \tag{6.2.7}$$

We can interpret this as having a one-loop correction to the potential, given in momentum space by

$$\Delta \tilde{V}(\mathbf{k}) = \frac{e_1 e_2}{\mathbf{k}^2} \Pi(-\mathbf{k}^2)$$
(6.2.8)

and in real space by

$$\Delta V(\mathbf{r}) = e_1 e_2 \int \hat{d}^3 k \, e^{-i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}} \frac{\Pi(-\mathbf{k}^2)}{\mathbf{k}^2}.$$
 (6.2.9)

This corrected potential is called the **Uehling potential**.

In the on-shell scheme for  $k^2 \ll m^2$  we can expand

$$\Pi(k^2) = \frac{e^2}{2\pi^2} \int_0^1 \mathrm{d}x \, x(1-x) \log\left(1 - x(1-x)\frac{k^2}{m^2}\right) \tag{6.2.10}$$

$$\approx \frac{e^2}{2\pi^2} \int_0^1 \mathrm{d}x \, x(1-x) \left[ -x(1-x) \frac{k^2}{m^2} \right] \tag{6.2.11}$$

$$=\frac{e^2}{60\pi^2}\frac{\mathbf{k}^2}{m^2}. (6.2.12)$$

Here we've used the expansion  $\log(1 + \alpha) \approx \alpha$  and we've set  $\epsilon = 0$  since the term in the logarithm is positive as  $k^2 < m^2$  and 0 < x(1 - x) < 1/4.

Hence, the correction to the potential is

$$\Delta V(\mathbf{r}) = \frac{e_1 e_2 e^2}{60\pi^2 m^2} \delta(\mathbf{r}). \tag{6.2.13}$$

If we consider one of the particles to be a nucleus with Z protons then  $e_1 = -Ze$ , taking the other particle to be an electron,  $e_2 = e$ , we can interpret this as a shift in the energy levels of the atom. Note that since we're considering scalar particles scattering we are essentially ignoring spin-orbit effects, however these are subdominant terms since there is no direct spin-dependence in the potential. The energy shift is given by

$$\Delta E = \int d^3x \, \psi^*(\mathbf{x}) \Delta V(\mathbf{x}) \psi(\mathbf{x})$$
 (6.2.14)

where  $\psi$  is the wave function of the electron in the atom. Since we have a factor of  $\delta(\mathbf{r})$  this shift only applies to wave functions which are nonzero at the origin, meaning it only applies to s states. The energy shift to these states is

$$\Delta E = -|\psi(0)|^2 \frac{4Z\alpha^2}{15m^2} \tag{6.2.15}$$

with  $\alpha = e^2/(4\pi)$  being the **fine structure constant**.

This shift is one contribution to the Lamb shift, the difference between the energy levels  $^2\mathrm{S}_{1/2}$  and  $^2\mathrm{P}_{1/2}$  which is not predicted by the Dirac equation alone. It is not the dominant contribution to the Lamb shift. This shift is more important for muonic atoms, where the electron is replaced by a muon, since heavier external particles make the one-fermion-loop diagram more dominant, as opposed to diagrams with, say, photon loops, since these are suppressed by factors of 1/m, with m the mass of the external particles.

#### **6.3** Effective Charge Distribution

We can write the corrected potential as

$$V(\mathbf{r}) = e_1 e_2 \int d^3 x d^3 y \, \frac{\eta(\mathbf{x})\eta(\mathbf{y})}{4\pi |\mathbf{x} - \mathbf{y} + \mathbf{r}|}$$
(6.3.1)

where

$$\eta(\mathbf{r}) = \delta(\mathbf{r}) + \frac{1}{2}\hat{\mathbf{d}}^3 k \Pi(-\mathbf{k}^2) e^{i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}}.$$
(6.3.2)

Note that we are implicitly dropping the  $\Pi^2$  term appearing in the product  $\eta(x)\eta(y)$  since this term is  $\mathcal{O}(e^6)$ , which is of a higher order than the one loop calculations we have been doing, and so is not physically meaningful if we don't also include two loop calculations. To see how this works expand this form of the potential, dropping the  $\Pi^2$  term, giving

$$V(\mathbf{r}) = e_{1}e_{2} \int d^{3}x \, d^{3}y \, \frac{1}{4\pi |\mathbf{x} - \mathbf{y} + \mathbf{r}|} \left[ \delta(\mathbf{x}) + \frac{1}{2} \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{i\mathbf{k} \cdot \mathbf{x}} \right]$$

$$\times \left[ \delta(\mathbf{y}) + \frac{1}{2} \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{i\mathbf{k} \cdot \mathbf{y}} \right]$$

$$= e_{1}e_{2} \int d^{3}x \, d^{3}y \, \frac{1}{4\pi |\mathbf{x} - \mathbf{y} + \mathbf{r}|} \left[ \delta(\mathbf{x}) \delta(\mathbf{y}) \right]$$

$$+ \frac{1}{2} \delta(\mathbf{x}) \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{-i\mathbf{k} \cdot \mathbf{y}} + \frac{1}{2} \delta(\mathbf{y}) \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{-i\mathbf{k} \cdot \mathbf{x}} \right]$$

$$= \frac{e_{1}e_{2}}{4\pi |\mathbf{r}|} + \frac{1}{2} \int d^{3}y \, \frac{e_{1}e_{2}}{4\pi |\mathbf{r} + \mathbf{r}|} \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{-i\mathbf{k} \cdot \mathbf{x}}$$

$$+ \frac{1}{2} \int d^{3}y \, \frac{e_{1}e_{2}}{4\pi |\mathbf{x} + \mathbf{r}|} \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{-i\mathbf{k} \cdot \mathbf{x}}$$

$$= \frac{e_{1}e_{2}}{4\pi |\mathbf{r}|} + \int d^{3}x \, \frac{e_{1}e_{2}}{4\pi |\mathbf{x} + \mathbf{r}|} \int \hat{d}^{3}k \, \Pi(-\mathbf{k}^{2}) e^{-i\mathbf{k} \cdot \mathbf{x}}.$$

$$(6.3.5)$$

In the last step we make the transformation of variables  $y \mapsto -x$  and identify that both integrals are the same. Now recognise that we can write the first factor in the

6.4. LARGE LOGS 37

integral as the inverse Fourier transform of it's Fourier transform:

$$\frac{1}{4\pi|\mathbf{x}+\mathbf{r}|} = \int \hat{\mathbf{d}}^3 k \, \frac{1}{|\mathbf{k}|^2} e^{-i\mathbf{k}\cdot(\mathbf{x}+\mathbf{r})} \tag{6.3.7}$$

and so we get

$$V(\mathbf{r}) = \frac{e_1 e_2}{4\pi |\mathbf{r}|} + \int \hat{d}^3 k \, \frac{1}{|\mathbf{k}|^2} \Pi(-\mathbf{k}^2) e^{-i\mathbf{k}\cdot\mathbf{r}}.$$
 (6.3.8)

This takes the form we had in the previous section of a Coulomb potential plus the correction from one loop diagrams.

The interpretation of this rewriting of the potential is that the electron's charge distribution is a superposition of a point charge, given by the  $1/|{\bf r}|$  Coulomb part of the potential, but also has some spatial distribution coming from this extra one loop term. The intuition is that this is similar to a point charge in a medium causing that medium to become polarised around it. The electron polarises the sea of virtual particles around it. This is why we call this term the vacuum polarisation, since it occurs outside of any medium.

#### 6.4 Large Logs

In the on-shell scheme we have

$$\Pi(k^2) = \frac{e^2}{2\pi^2} \int_0^1 \mathrm{d}x \, x(1-x) \log\left[1 - \frac{x(1-x)k^2 + i\epsilon}{m^2}\right] \tag{6.4.1}$$

In perturbation theory we expect that the one loop diagrams are small corrections to the tree level amplitude. Since  $e^2=4\pi\alpha\approx 4\pi/137\approx 0.09$  is small many one loop corrections are small. However this isn't enough on its own. If  $k^2$  is large enough then the logarithm can become large. This is the problem of **large logs**.

This is a very real worry, for example, the LHC operates at  $\sqrt{s}=13$  TeV, meaning that  $k^2\approx s=(13\,\text{TeV})^2$ , so an electron created in this process will have  $k^2/m^2\sim 10^{14}$ , so  $\log(k^2/m^2)\sim 34$ , which is large enough to require higher order terms to achieve the desired accuracy. We also run into this issue if we try to take the  $m\to 0$  limit, which can be a useful thing to do.

This problem of large logs is worse in QCD where  $\alpha_S \approx 1/10$ , so the coupling doesn't provide as much suppression of higher order terms.

The way we get around this is to instead work in the  $\overline{\rm MS}$  scheme, where this can still be an issue. We know that  $\tilde{\mu}$  is non-physical, and so can't appear in an amplitude calculated to all orders, however  $\tilde{\mu}$  does appear in truncated calculations. By carefully choosing the value of  $\tilde{\mu}$  we can avoid large logs. This leads to the somewhat unsettling observation that while  $\tilde{\mu}$  is non-physical it does affect the rate of "convergence" of our perturbative series, which certainly feels like it is a physical result.

### Seven

### **All Orders Properties of QED**

#### 7.1 Ward Identities

We've seen that  $i\Pi^{\mu\nu}(k) \propto (k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^2)$ , and this means that  $k_{\mu}\Pi^{\mu\nu}(k) = 0$  at one loop. This is reminiscent of the Ward identities discussed in *Quantum Field Theory*. For processes with an external photon the amplitude contains a factor of  $\varepsilon^{\mu}(k)$ , so we can define  $\mathcal{A}_{\mu}$  to be such that  $\mathcal{A} = \varepsilon^{\mu}(k)\mathcal{A}_{\mu}$ . It can then be shown that  $k^{\mu}\mathcal{A}_{\mu} = 0$ , this is called the **Ward identity**, and is required for the gauge transformation of  $\varepsilon^{\mu}(k)$  to leave the physics invariant, since this transformation takes the form  $\varepsilon^{\mu}(k) \mapsto \varepsilon^{\mu}(k) + \alpha p^{\mu}$  under the gauge transformation  $\psi \mapsto e^{i\alpha}\psi$ . We will generalise this identity to correlators in QED and any loop level.

#### 7.2 Rewriting the Action

The photon action, that is the terms in the action involving only the four-potential, is given in terms of the bare fields by

$$S_{\gamma} = \int \mathrm{d}^{D}x \left[ -\frac{1}{4} F_{\rm B}^{\mu\nu} F_{{\rm B}\mu\nu} - \frac{1}{2} \xi (\partial_{\mu} A_{\rm B}^{\mu})^{2} \right]. \tag{7.2.1}$$

If we work in the Feynman gauge, which we will for the rest of this chapter, then  $\xi = 1$  and we have

$$\begin{split} S_{\gamma} &= \int \mathrm{d}^D x \left[ -\frac{1}{4} (\partial^{\mu} A^{\nu}_{\mathrm{B}} - \partial^{\nu} A^{\mu}_{\mathrm{B}}) (\partial_{\mu} A_{\mathrm{B}\nu} - \partial_{\nu} A_{\mathrm{B}\mu}) - \frac{1}{2} (\partial_{\mu} A^{\mu}_{\mathrm{B}})^2 \right] \\ &= \int \mathrm{d}^D x \left[ -\frac{1}{4} \{ (\partial^{\mu} A^{\nu}_{\mathrm{B}}) (\partial_{\mu} A_{\mathrm{B}\nu}) - (\partial^{\mu} A^{\nu}_{\mathrm{B}}) (\partial_{\nu} A_{\mathrm{B}\mu}) \right] \end{split} \tag{7.2.2}$$

$$-(\partial^{\nu}A_{\rm B}^{\mu})(\partial_{\nu}A_{\rm B\mu}) + (\partial^{\nu}A_{\rm B}^{\mu})(\partial_{\nu}A_{\rm B\mu})\} - \frac{1}{2}(\partial_{\mu}A_{\rm B}^{\mu})^{2}$$
 (7.2.3)

$$= \int d^{D}x \left[ -\frac{1}{2} \{ (\partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu})(\partial_{\mu}A_{\rm B\nu}) - (\partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu})(\partial_{\nu}A_{\rm B\mu}) \} - \frac{1}{2} (\partial_{\mu}A_{\rm B}^{\mu})^{2} \right]$$
(7.2.4)

$$= \int d^{D}x \left[ -\frac{1}{2} (\partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu}) \{ \partial_{\mu}A_{\rm B\nu} - \partial_{\nu}A_{\rm B\mu} \} - \frac{1}{2} (\partial_{\mu}A_{\rm B}^{\mu})^{2} \right], \tag{7.2.5}$$

note that we could have gotten to this result using

$$F_{\rm B}^{\mu\nu}F_{\rm B\mu\nu} = (\partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu})(\partial_{\mu}A_{\rm B\nu} - \partial_{\nu}A_{\rm B\mu}),\tag{7.2.6}$$

which follows using the antisymmetry of  $F_{\rm B\mu\nu}$  to write  $F_{\rm B}^{\mu\nu}$  as  $\partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu}$ , which has  $F_{\rm B}^{\mu\nu}$  as its antisymmetric part. Now we have

$$\partial_{\mu}A_{\rm B}^{\mu} = \partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu}\eta_{\mu\nu},\tag{7.2.7}$$

We can then write the action as

$$S_{\gamma} = \int d^{D}x \left[ -\frac{1}{2} (\partial^{\mu}A_{\rm B}^{\nu})(\partial_{\mu}A_{\rm B\nu} - \partial_{\nu}A_{\rm B\mu} + \eta_{\mu\nu}\partial_{\rho}A_{\rm B}^{\rho}) \right]. \tag{7.2.8}$$

We can now integrate by parts:

$$S_{\gamma} = -\frac{1}{2} \int d^{D}x \, \partial^{\mu} \{ A_{\rm B}^{\nu} (\partial_{\mu} A_{\rm B\nu} - \partial_{\nu} A_{\rm B\mu} + \eta_{\mu\nu} \partial_{\rho} A_{\rm B}^{\rho}) \}$$

$$+ \frac{1}{2} \int d^{D}x [A_{\rm B}^{\nu} \partial^{\mu} (\partial_{\mu} A_{\rm B\nu} - \partial_{\nu} A_{\rm B\mu} + \eta_{\mu\nu} \partial_{\rho} A_{\rm B}^{\rho})].$$
 (7.2.9)

As usual we use the divergence theorem to turn the first term into a surface integral, which we assume vanishes, leaving us with

$$S_{\gamma} = \frac{1}{2} \int d^{D}x [A^{\nu}_{B} \partial^{\mu} (\partial_{\mu} A_{B\nu} - \partial_{\nu} A_{B\mu} + \eta_{\mu\nu} \partial_{\rho} A^{\rho}_{B})]$$
 (7.2.10)

$$=\frac{1}{2}\int \mathrm{d}^Dx[A^{\nu}_{\mathrm{B}}(\partial^2A_{\mathrm{B}\nu}-\partial^{\mu}\partial_{\nu}A_{\mathrm{B}\mu}+\partial_{\nu}\partial_{\rho}A^{\rho}_{\mathrm{B}})]. \tag{7.2.11}$$

After renaming  $\rho \to \mu$  and swapping raised and lowered indices in the last term the second and third term cancel, leaving us with

$$S_{\gamma} = \frac{1}{2} \int d^D x A_{\rm B}^{\nu} \partial^2 A_{\rm B\nu}.$$
 (7.2.12)

One way we can tell that this is correct is that in the Feynman gauge the photon propagator goes as  $1/k^2$ , and  $1/k^2$  is the inverse of  $\partial^2$  in Fourier space, and the propagator should always be the inverse of the kernel in Fourier space.

After regularisation this term becomes

$$S_{\gamma} = \frac{1}{2} \int d^{D}x Z_{3} A_{\mu} \partial^{2} A^{\mu}. \tag{7.2.13}$$

The full action after regularising can then be written, in the Feynman gauge, as

$$S[A, \psi, \bar{\psi}] = \int d^{D}x \left[ \frac{1}{2} Z_{3} A_{\mu} \partial^{2} A^{\mu} + Z_{2} \bar{\psi} (i \partial - m - \delta m) \psi + Z_{1} e \bar{\psi} A \psi \right]. \quad (7.2.14)$$

We obtain the classical equations of motion by varying this action with respect to  $A_\mu$ . The change in the action when  $A_\mu\mapsto A_\mu+\delta A_\mu$  is

$$\begin{split} \delta S &= S[A + \delta A, \psi, \bar{\psi}] - S[A, \psi, \bar{\psi}] \\ &= \int \mathrm{d}^D x \bigg[ \frac{1}{2} Z_3 (A_\mu + \delta A_\mu) \partial^2 (A^\mu + \delta A^\mu) + Z_2 (\bar{\psi} - m - \delta m) \psi \\ &+ Z_1 e \bar{\psi} \gamma^\mu (A_\mu + \delta A_\mu) \psi \bigg] - S[A, \psi, \bar{\psi}] \end{split} \tag{7.2.16}$$

$$= \int d^{D}x \left[ \frac{1}{2} Z_{3} \delta A_{\mu} \partial^{2} A^{\mu} + \frac{1}{2} Z_{3} A_{\mu} \partial^{2} \delta A^{\mu} + Z_{1} e \bar{\psi} \gamma^{\mu} \delta A_{\mu} \psi \right]. \tag{7.2.17}$$

Integrating the second term by parts twice, and again assuming that surface terms vanish, we move both derivatives from the  $\delta A^{\mu}$  term to the  $A_{\mu}$  term, and pick up two minus signs, leaving us with exactly the first term, giving

$$\delta S = \int \mathrm{d}^D x \left[ Z_3 \partial^2 A^\mu + Z_1 e \bar{\psi} \gamma^\mu \psi \right] \delta A_\mu. \tag{7.2.18}$$

This must then vanish for all  $\delta A_{\mu}$  so we have

$$Z_3 \partial^2 A^{\mu} + Z_1 e \bar{\psi} \gamma^{\mu} \psi = 0. \tag{7.2.19}$$

Defining the current to be

$$j_{ii}(x) \coloneqq \bar{\psi}(x)\gamma_{ii}\psi(x) \tag{7.2.20}$$

the equations of motion become

$$Z_3 \partial^2 A^{\mu} = -eZ_1 j^{\mu}, \tag{7.2.21}$$

which is just Maxwell's equations in terms of the renormalised fields, and factoring the charge out of the current.

In the rest of this section we'll use the action in the form derived here to derive some identities which apply to all orders in QED.

#### 7.3 Ward–Takahashi Identity

The QED Lagrangian has a symmetry given by

$$\psi \mapsto e^{i\alpha}\psi$$
, and  $\bar{\psi} \mapsto e^{-i\alpha}\bar{\psi}$ . (7.3.1)

Lets explore what happens if we promote  $\alpha$  to be a function of spacetime without changing the photon,  $A_{\mu}$ . This ceases to be a symmetry of the Lagrangian, we need the extra term from transforming  $A_{\mu}$  to cancel the derivative of  $\alpha$  which appears. The change in the action comes entirely from the term with derivatives of  $\psi$ , and is

$$\delta S = \int d^D x \left[ Z_2 e^{-i\alpha} \bar{\psi} i \delta(e^{i\alpha} \psi) - Z_2 \bar{\psi} i \delta \psi \right]$$
 (7.3.2)

$$= \int d^{D}x \left[ Z_{2} e^{-i\alpha} e^{i\alpha} \bar{\psi} (i\partial \psi - (\partial \alpha)\psi) - Z_{2} \bar{\psi} i\partial \psi \right]$$
 (7.3.3)

$$= \int d^D x \left[ Z_2 \bar{\psi}(-\partial \alpha) \psi \right]. \tag{7.3.4}$$

Continuing on we integrate by parts, and assume the surface term vanishes

$$\delta S = -\int d^D x \left[ Z_2 \bar{\psi} (\gamma^\mu \partial_\mu \alpha) \psi \right]$$
 (7.3.5)

$$= -\int \mathrm{d}^D x \left[ Z_2 \partial_\mu (\bar{\psi} \gamma^\mu \alpha \psi) - Z_2 \alpha \partial_\mu (\bar{\psi} \gamma^\mu \psi) \right] \tag{7.3.6}$$

$$= \int d^D x \left[ Z_2 \alpha \partial_\mu (\bar{\psi} \gamma^\mu \psi) \right] \tag{7.3.7}$$

$$= \int d^D x \left[ Z_2 \alpha \partial^\mu j_\mu \right]. \tag{7.3.8}$$

We are free to choose  $\alpha$ , and choosing it to be a nonzero constant implies that  $\partial^{\mu} j_{\mu} = 0$ , since despite not being a symmetry we clearly have  $\delta S = 0$  as  $\partial \alpha = 0$  for constant  $\alpha$  so before integrating by parts we had zero. So  $j_{\mu}$  is a conserved current.

Now consider the correlator  $\langle \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle$ . This can be calculated using the path integral

$$\langle \psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle = \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi} \,\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}. \tag{7.3.9}$$

The fields  $\psi$  and  $\bar{\psi}$  appear as integration variables, so we can consider a change of variables

$$\psi(x) \mapsto \psi'(x) = (1 + i\alpha(x))\psi(x)$$
, and  $\bar{\psi}(x) \mapsto \bar{\psi}'(x) = (1 - i\alpha(x))\bar{\psi}(x)$ , (7.3.10)

which is just the linearised version of the transformation  $\psi \mapsto e^{i\alpha}\psi$ . It is reasonable to assume, but tricky to prove since path integrals aren't very well defined, that the integration measure is invariant under this, after all, we would expect that the measure transforms as

$$\mathcal{D}\psi\,\mathcal{D}\bar{\psi}\mapsto e^{i\alpha}\,\mathcal{D}\psi\,e^{-i\alpha}\,\mathcal{D}\bar{\psi}=\mathcal{D}\psi\,\mathcal{D}\psi.\tag{7.3.11}$$

We will assume that this is the case. Then we have

$$\langle \psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle = \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}\,\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\mathrm{e}^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]} \tag{7.3.12}$$

$$= \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi' \,\mathcal{D}\bar{\psi}' \,\psi'(x_1)\bar{\psi}'(x_2)e^{iS[A,\psi',\bar{\psi}']}$$
(7.3.13)

$$= \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}\,\psi'(x_1)\bar{\psi}'(x_2)\mathrm{e}^{\mathrm{i}S[A,\psi',\bar{\psi}']}. \tag{7.3.14}$$

Now consider what we get if we subtract the last line here from the first. On the one hand we clearly get zero, since both lines are equal, on the other hand we can expand the third line as

$$\int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi} \left(1 + i\alpha(x_1)\right)\psi(x_1)\left(1 - i\alpha(x_2)\right)\bar{\psi}(x_2)e^{iS[A,\psi',\bar{\psi}]}. \tag{7.3.15}$$

Notice that since we're working to linear order we have

$$\mathrm{e}^{iS[A,\psi',\bar{\psi}']} = \mathrm{e}^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]+i\delta S} \approx \left(1+i\int\mathrm{d}^Dx\alpha(x)Z_2\partial_\mu j^\mu(x)\right)\mathrm{e}^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}. \eqno(7.3.16)$$

Computing the difference then gives us

$$\begin{split} 0 &= \int \mathcal{D}A\,\mathcal{D}\psi\,\mathcal{D}\bar{\psi} \bigg[ (i\alpha(x_1) - i\alpha(x_2))\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2) \\ &+ \psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)i\int \mathrm{d}^Dx\,\alpha(x)Z_2\partial_\mu j^\mu(x) \bigg] \mathrm{e}^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}. \quad (7.3.17) \end{split}$$

We can now drop the overall factor of i, use some Dirac deltas to write  $\alpha(x_1)$  as  $\int d^D x \, \alpha(x) \delta(x - x_1)$ . This gives us

$$0 = \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi} \int d^D x [(\alpha(x)\delta(x - x_1) - \alpha(x)\delta(x - x_2))\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)$$

$$+ \psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\alpha(x)Z_2\partial_{\mu}j^{\mu}(x)]e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}$$

$$= \int d^D x \,\alpha(x)[(\delta(x - x_1) - \delta(x - x_2))\langle\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle$$

$$+ Z_2\partial_x^{\mu}\langle j_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle].$$

$$(7.3.19)$$

Note that the order of  $\psi$ ,  $\bar{\psi}$ , and  $j^{\mu}$  in the path integral only matters up to the sign. Within a correlator the order doesn't matter at all, since we are time ordering. However, we have to be careful with the derivative, since the time ordering introduces factors of  $\theta(t-t')$ , which the derivative acts on, so it's best to keep  $\partial_x^{\mu}$  out of the correlator. We could expand the correlator in terms of the time orderings and acting on the Heaviside step functions with the derivative would give Dirac deltas, and would just lead to us rederiving this result.

Since this result must hold for all  $\alpha$  we can assume  $\alpha \neq 0$  and so we have

$$Z_2 \partial_x^{\mu} \langle j_{\mu}(x) \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle = (\delta(x - x_2) - \delta(x - x_1)) \langle \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle. \tag{7.3.20}$$

This is the **Ward-Takahashi identity**.

Classically one would expect that terms of the form  $\partial^{\mu} j_{\mu}$  vanish, and this identity tells us that this is almost the case, unless x and  $x_1$  or  $x_2$  happen to coincide, for this reason the term on the right is called a **contact term**.

We can generalise this result to include more fermions and gauge fields. The gauge fields are just bystanders in this, and don't change anything. Each pair of fermion fields picks up a Dirac delta term in exactly the same way, so the **generalised Ward–Takahashi identity** is

$$Z_{2}\partial_{x}^{\mu}\left\langle j_{\mu}(x)\prod_{i=1}^{n}\psi(y_{i})\bar{\psi}(z_{i})\prod_{j=1}^{n}A_{\mu_{j}}(w_{j})\right\rangle$$

$$=\sum_{k=1}^{n}(\delta(x-z_{k})-\delta(x-y_{k}))\left\langle \prod_{i=1}^{n}\psi(y_{i})\bar{\psi}(z_{i})\prod_{j=1}^{n}A_{\mu_{j}}(w_{j})\right\rangle. \quad (7.3.21)$$

#### 7.4 Schwinger-Dyson Equations

The Ward-Takahashi identity arose from classical symmetries. The Schwinger– Dyson equations arise similarly from the classical equations of motion. Consider the correlator

$$\langle A_{\nu}(x_1) \rangle = \int \mathcal{D}A \, \mathcal{D}\psi \, \mathcal{D}\bar{\psi} \, A_{\nu}(x_1) e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}. \tag{7.4.1}$$

Consider the change of variables  $A_{\mu}(x) \mapsto A'_{\mu}(x) = A_{\mu}(x) + \zeta_{\mu}(x)$  where  $\zeta_{\mu}$  is some arbitrary vector field, not a gauge field. We think of  $\zeta_{\mu}$  as a variation on  $A_{\mu}$ , hence the relation to the classical equations of motion.

The change in the action from this transformation comes from the two terms in the action in which  $A_{\mu}$  appears, and using the result found for the classical

equations of motion (Equation (7.2.18)) we have

$$\delta S = \int \mathrm{d}^D x \left[ Z_3 \partial^2 A^{\mu}(x) + Z_1 e j^{\mu}(x) \right] \zeta_{\mu}. \tag{7.4.2}$$

We assume that the integration measure is invariant with respect to this change of variables, so  $\mathcal{D}A = \mathcal{D}A'$ , or  $\mathcal{D}\zeta = 0$ , which seems reasonable. Then we have

$$\langle A_{\nu}(x_1) \rangle = \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}A_{\nu}(x_1) \mathrm{e}^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]} \tag{7.4.3}$$

$$= \int \mathcal{D}A' \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}A'_{\nu}(x_1) \mathrm{e}^{iS[A',\psi,\bar{\psi}]} \tag{7.4.4}$$

$$= \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}A'_{\nu}(x_1)e^{iS[A',\psi,\bar{\psi}]}. \tag{7.4.5}$$

We now consider the first line minus the third line. On the one hand clearly this gives zero, on the other hand we can expand the third line as

$$\int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}(A_{\nu}(x_1) + \zeta_{\nu}(x_1))e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}] + i\delta S}$$
(7.4.6)

which gives

$$\int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}(A_{\nu}(x_1) + \zeta_{\nu}(x_1))(1 + i\delta S)e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}.$$
(7.4.7)

Expanding the brackets we get  $A_{\nu}(x_1)+\zeta_{\nu}(x_1)+A_{\nu}(x_1)i\delta S+\zeta_{\nu}(x_1)i\delta S$ . The  $A_{\nu}(x_1)$  term cancels with the first line and we're left with

$$0 = \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}(\zeta_{\nu}(x_{1}) + A_{\nu}(x_{1})i\delta S + \zeta_{\nu}(x_{1})i\delta S)e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}$$
(7.4.8)  
$$= \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi}\Big[\zeta_{\nu}(x_{1}) + i\int d^{D}x\{Z_{3}\partial^{2}A^{\mu}(x) + Z_{1}ej^{\mu}(x)\}\zeta_{\mu}(x)(A_{\nu}(x_{1}) + \zeta_{\nu}(x_{1}))\Big]e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}.$$
(7.4.9)

Choosing  $\zeta_\mu$  to be small and neglecting the quadratic term in  $\zeta_\mu$  we get

$$\begin{split} 0 &= \int \mathcal{D}A \, \mathcal{D}\psi \, \mathcal{D}\bar{\psi} \bigg[ \zeta_{\nu}(x_1) \\ &+ i \int \mathrm{d}^D x \{ Z_3 \partial^2 A^{\mu}(x) + Z_1 e j^{\mu}(x) \} \zeta_{\mu}(x) A_{\nu}(x_1) \bigg] \mathrm{e}^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}. \end{split}$$

We can then write  $\zeta_{\nu}(x_1)=\int \mathrm{d}^D x\,\delta(x-x_1)\zeta_{\nu}(x)$  and  $\zeta_{\nu}(x)=\eta_{\mu\nu}\zeta^{\mu}(x)$  to give

$$0 = \int d^{D}x \int \mathcal{D}A \,\mathcal{D}\psi \,\mathcal{D}\bar{\psi} \left[\delta(x - x_{1})\eta_{\mu\nu} + i\{Z_{3}\partial^{2}A_{\mu}(x) + Z_{1}ej_{\mu}(x)\}A_{\nu}(x_{1})\right]\zeta^{\mu}(x)e^{iS[A,\psi,\bar{\psi}]}.$$
 (7.4.10)

Finally we can rewrite this in terms of correlators:

$$0 = \int \mathrm{d}^D x \left[ \delta(x - x_1) \eta_{\mu\nu} + i \{ Z_3 \partial^2 \langle A_{\mu}(x) A_{\nu}(x_1) \rangle + e Z_1 \langle j_{\mu}(x) A_{\nu}(x_1) \rangle \} \right] \zeta^{\mu}(x).$$

(7.4.11)

Since we can choose  $\zeta_{\mu}$  arbitrarily we must have that

$$\delta(x - x_1)\eta_{\mu\nu} + i\{Z_3\partial_x^2 \langle A_{\mu}(x)A_{\nu}(x_1) \rangle + eZ_1 \langle j_{\mu}(x)A_{\nu}(x_1) \rangle\} = 0, \tag{7.4.12}$$

which tells us that

$$Z_3 i \partial_x^2 \langle A_\mu(x) A_\nu(x_1) \rangle = -e Z_1 i \langle j_\mu(x) A_\nu(x_1) \rangle - \eta_{\mu\nu} \delta(x - x_1). \tag{7.4.13}$$

This is the **Schwinger–Dyson equation**. Compare this to the classical equations of motion,

$$Z_3 \partial^2 A^{\mu} = -eZ_1 j^{\mu}, \tag{7.4.14}$$

and we see that the Schwinger–Dyson equation is simply the classical equations of motion plus a contact term. Intuitively this contact term only comes into effect when  $x = x_1$ , so  $A_{\mu}(x)$  and  $A_{\nu}(x_1)$  are evaluated at the same point.

We can generalise this process to arbitrary correlators of fermion and gauge fields. The fermion fields have no effect, since they aren't modified by the change of variables, so we'll just consider some arbitrary product  $\psi \cdots \bar{\psi} \cdots$ , in which every time we write this each fermion field is evaluated at some point which is the same each time we write this. Then we have the **generalised Schwinger–Dyson equation** 

$$\begin{split} Z_{3}i\partial_{x}^{2}\langle A_{\mu}(x)A_{\nu_{1}}(x_{1})\cdots A_{\nu_{n}}(x_{n})\psi\cdots\bar{\psi}\cdots\rangle\\ &=-ieZ_{1}\langle j_{\mu}(x)A_{\nu_{1}}(x_{1})\cdots A_{\nu_{n}}(x_{n})\psi\cdots\bar{\psi}\cdots\rangle\\ &-\sum_{i=1}^{n}\eta_{\mu\nu_{i}}\delta(x-x_{i})\langle A_{\nu_{1}}(x_{1})\cdots\widehat{A_{\nu_{i}}(x_{i})}\cdots A_{\nu_{n}}(x_{n})\rangle \quad (7.4.15) \end{split}$$

where the notation  $\hat{x}$  means that x is left out of the product, so, for example,

$$5 \cdot \hat{4} \cdot 3 \cdot 2 \cdot 1 = 5 \cdot 3 \cdot 2 \cdot 1 = 30. \tag{7.4.16}$$

#### 7.4.1 Schwinger–Dyson in Perturbation Theory

#### 7.4.1.1 Order $e^0$

At  $\mathcal{O}(e^0)$  the Schwinger–Dyson equation gives

$$Z_3 i \partial_x^2 \langle A_{\mu}(x) A_{\nu}(y) \rangle = -\eta_{\mu\nu} \delta(x - y). \tag{7.4.17}$$

This is just the free propagator. Note that  $Z_3 = 1$  at order  $e^0$ .

For a photon, since m = 0, we amputate a correlator by acting on it with  $i\partial^2$ , so we can interpret this as saying that if we amputate the photon propagator then we simply get a Dirac delta, which represents a point. So amputating a propagator, a line between points, gives a single point.

$$i\partial_x^2(x,\mu_{\alpha,\alpha,\alpha,\alpha}y,\nu) = -\eta_{\mu\nu}\delta(x-y). \tag{7.4.18}$$

#### 7.4.1.2 Order $e^1$

At order  $e^1$  the Schwinger–Dyson equation gives

$$Z_3 i \partial^2 \langle A_\mu(x) \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle = -e \langle j_\mu(x) \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle, \tag{7.4.19}$$

we don't include the  $\eta_{\mu\nu}\delta(x)$  term since this is  $\mathcal{O}(e^0)$ . Expanding  $j_{\mu}$  in terms of the fermion fields we get

$$\langle j_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle = \langle \bar{\psi}(x)\gamma_{\mu}\psi(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle. \tag{7.4.20}$$

The only nonzero contraction, since we must contract each  $\psi$  with a  $\bar{\psi}$  and contracting fields at the same point gives zero, is

$$\overline{\psi(x)}\gamma_{\mu}\psi(x)\psi(x_1)\overline{\psi}(x_2). \tag{7.4.21}$$

The correlator  $\langle A_{\mu}(x)\psi(x_1)\overline{\psi}(x_2)\rangle$  corresponds to the QED vertex

We are amputating the photon by acting with  $i\partial^2$ , which removes the photon, but still results in the injection of momentum from the photon. We draw this as

We can think of this as replacing the photon,  $A_{\mu}$ , with a current,  $j_{\mu}$ , of electrons and positrons, carrying momentum but no net charge.

#### 7.4.1.3 General Order

From the zeroth and first order analysis we can now deduce what happens at arbitrary order. Consider some diagram

and focus on the incoming photon in particular, note that the other particles may be incoming or outgoing, and there may be any number of them.

Acting on this with  $i\partial^2$  amputates this photon, and there are two things that can happen, corresponding to the two terms on the right hand side of the Schwinger–Dyson equation. Either we get a propagator alone, which corresponds to the contact term, or we replace the photon with the amputated QED vertex. Diagrammatically this looks like

# Eight

# Consequences

#### 8.1 Recap

In the last chapter we derived the Schwinger-Dyson equation:

$$Z_3 \partial^2 \langle A_{\mu}(x) \cdots \rangle = -eZ_1 \langle j_{\mu}(x) \cdots \rangle + \text{contact terms},$$
 (8.1.1)

and the Ward-Takahashi identity:

$$Z_2 \partial_{\mu} \langle j^{\mu}(x) \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle = (\delta(x - x_2) - \delta(x - x_1)) \langle \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle. \tag{8.1.2}$$

These results hold to all orders in QED. We will now derive and discuss several consequences of these results.

#### 8.2 $k_{\mu}\Pi^{\mu\nu}(k) = 0$ to All Orders

We can generalise the definition of  $\Pi^{\mu\nu}(k)$  from just the vacuum polarisation to an all orders object

$$i\Pi^{\mu\nu}(x-y) = \langle A^{\mu}(x)A^{\nu}(y)\rangle_{\text{amputated, connected}}.$$
 (8.2.1)

That is,

$$i\Pi^{\mu\nu}(x-y) = \cdots + \cdots$$
, (8.2.2)

whereas before  $i\Pi^{\mu\nu}(x-y)$  was just the first term in this expansion. Here the diagrams stand for the amputated correlators, so really we are acting on each photon with  $i\partial^2$ .

Since these diagrams are amputated it follows from the Schwinger–Dyson equation, applied twice, once to each external photon, that

$$\Pi^{\mu\nu}(x-y) \propto \langle A^{\mu}(x)A^{\nu}(y)\rangle_{\text{amputated, connected}} \propto \langle j^{\mu}(x)j^{\nu}(y)\rangle.$$
(8.2.3)

Then we have

$$ik_{\mu}\Pi^{\mu\nu}(k) = ik_{\nu} \int d^{D}x \, e^{-ik \cdot x} \Pi^{\mu\nu}(x)$$
 (8.2.4)

$$= \int d^D x \, e^{-ik \cdot x} \partial_\mu \Pi^{\mu\nu}(x) \tag{8.2.5}$$

$$\propto \int d^D x \, e^{-ik \cdot x} \partial_{\mu} \langle j^{\mu}(x) j^{\nu}(0) \rangle \tag{8.2.6}$$

$$= 0.$$
 (8.2.7)

Here we've used the fact that  $\mathcal{F}\{\partial_{\mu}\}=ik_{\mu}$ . The last step follows using the Ward–Takahashi identity recognising that  $j^{\nu}(0)=\bar{\psi}(0)\gamma^{\nu}\psi(0)$  and so we get  $\delta(x)-\delta(x)=0$ , at least when we consider the Dirac deltas as distributions under an integral. So, we have

$$k_{\mu}\Pi^{\mu\nu}(k) = 0 \tag{8.2.8}$$

to all orders in QED.

We can go further in the case where the only four-vector is  $k^\mu$ , then it must be that  $\Pi^{\mu\nu}(k)=\Pi_1(k^2)\eta^{\mu\nu}+\Pi_2(k^2)k^\mu k^\nu$  for some scalar functions  $\Pi_1$  and  $\Pi_2$ . Using  $k_\mu\Pi^{\mu\nu}(k)=0$  we must then have  $\Pi_1(k^2)k_\nu+\Pi_2(k^2)k^2k_\nu=0$ , and for  $k_\nu\neq 0$  we must then have  $\Pi_1(k^2)=-\Pi_2(k^2)k^2$ , so

$$\Pi^{\mu\nu}(k) = (k^{\mu}k^{\nu} - \eta^{\mu\nu}k^2)\Pi(k^2)$$
(8.2.9)

with  $\Pi = \Pi_2$ .

It is possible to introduce another four-vector quantity through a choice of non-Lorentz invariant gauge fixing, and this four-vector can then appear in the tensor structure above, but we won't do this.

#### 8.3 Ward Identities

Any non-connected amplitude can be factored into connected amplitudes, so we'll only consider connected amplitudes. Given some amplitude,  $\mathcal{A}(k)$ , with k the momentum of an external photon we can write the amplitude as  $\mathcal{A}(k) = \varepsilon^{\mu}(k)\mathcal{A}_{\mu}(k)$  where  $\varepsilon^{\mu}$  is the polarisation vector of the photon and this equation defines  $\mathcal{A}_{\mu}$ . Then the **Ward identity** is

$$k^{\mu}\mathcal{A}_{\mu}(k) = 0. \tag{8.3.1}$$

This is important as it means we have only two polarisation states and gauge invariance, both basic requirements of QED. This Ward identity follows from the Ward–Takahashi identity since  $\mathcal{A}_{\mu}$  is proportional to the Fourier transform of  $\langle j_{\mu}(x)\cdots\rangle$ , and the Ward–Takahashi identity tells us that  $\partial^{\mu}\langle j_{\mu}(x)\cdots\rangle=0$  for connected, amputated correlators. Taking the Fourier transform then turns the derivative into a  $k^{\mu}$  proving the identity. This proof shows that the Ward identity holds to all orders in perturbation theory, not just the tree level at which we proved in in *Quantum Field Theory*.

#### 8.4 Charge Renormalisation

Consider the correlator  $\langle A_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle$ . This is in position space, but we can identify it with it's Fourier transform. Then we can expand this as

$$\langle A_{\mu}(x)\psi(x_{1})\bar{\psi}(x_{2})\rangle = \qquad \qquad + \qquad \qquad \delta_{1} \qquad (8.4.1)$$

$$+ \qquad \qquad + \qquad \qquad \delta_{2} \qquad \qquad + \qquad \qquad \delta_{2} \qquad \qquad + \qquad \cdots$$

$$+ \qquad \qquad \qquad + \qquad \qquad \qquad + \qquad \qquad \qquad + \qquad \cdots$$

We can then write this more compactly as

$$\langle A_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle =$$

$$\tag{8.4.2}$$

Here each circle represents a sum over all one particle irreducible (1PI) diagrams with the matching external states.

Now we can apply the Schwinger-Dyson equation:

$$Z_3 \partial^2 \langle A_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle = -eZ_1 \langle j_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle. \tag{8.4.3}$$

Acting with  $\partial^2$  amputates the incoming photon, reducing this series to

$$i\partial^{2}\langle A_{\mu}(x)\psi(x_{1})\overline{\psi}(x_{2}) = + \underbrace{\delta_{1}}$$

$$+ \underbrace{\delta_{2}}$$

$$+ \underbrace{\delta_{2}}$$

$$+ \underbrace{\delta_{3}}$$

$$+ \cdots.$$

$$(8.4.4)$$

We can write the first two terms here as  $1 + \delta_1$  times the first term, since the only difference between the QED vertex and its counter term is a factor of  $\delta_1$ .

This correlator is infinite. We know that all photon-to-photon 1PI diagrams are exactly the diagrams contributing to

$$i\Pi^{\mu\nu}(x-y) = \sim \sim (8.4.5)$$

We also know that  $\partial_{\mu}\Pi^{\mu\nu}(x-y)=0$  to all orders, so  $\partial^{\mu}$  kills all 1PI diagrams on a photon, that is

$$\partial^{\mu} \sim \sim = 0. \tag{8.4.6}$$

Everything else appearing in the expansion has been renormalised, and so is finite. As a consequence we know that

$$\partial^{\mu} Z_3 \partial^2 \langle A_{\mu}(x) \psi(x_1) \bar{\psi}(x_3) \rangle = \text{finite.}$$
 (8.4.7)

Using the Schwinger-Dyson equation we can rewrite this as

$$Z_1 \partial^{\mu} \langle j_{\mu}(x) \psi(x_1) \bar{\psi}(x_2) \rangle = \text{finite.}$$
 (8.4.8)

This correlator corresponds to the diagram



which must then also be finite. Recalling that  $Z_1 = 1 + \delta_1$  is the counter term for the QED vertex it is not that surprising that this is finite, assuming that the two electron propagators are properly regulated.

We can also apply the

$$Z_2 \partial^{\mu} \langle j_{\mu}(x)\psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle = \text{finite}$$
 (8.4.10)

by the Ward-Takahashi identity this becomes

$$\langle \psi(x_1)\bar{\psi}(x_2)\rangle = \text{finite},$$
 (8.4.11)

which corresponds to a fermion propagator. This is surprising, by regulating the QED vertex with  $Z_2$  we've also regulated the fermion propagator.

In the  $\overline{\text{MS}}$  scheme we have

$$Z_i = 1 + \sum_{n=1}^{\infty} \frac{a_i}{\varepsilon^n},\tag{8.4.12}$$

and so what we have shown here is that, in the  $\overline{\rm MS}$  scheme  $Z_1=Z_2$  to all orders in perturbation theory. More generally the divergent parts of  $Z_1$  and  $Z_2$  are equal to all orders in perturbation theory, but they may differ by finite terms.

Recall that the Fermion Lagrangian involves the term

$$\bar{\psi}_{\rm B}(i\partial\!\!\!/)\psi_{\rm B} + e_{\rm B}\bar{\psi}_{\rm B}\mathcal{A}_{\rm B}\psi_{\rm B} = Z_2\bar{\psi}(i\partial\!\!\!/)\psi + e\mu^\varepsilon\underbrace{Z_eZ_2\sqrt{Z_3}}_{Z_1}\bar{\psi}\mathcal{A}\psi. \tag{8.4.13}$$

This factorises nicely if  $Z_1=Z_2$  allowing us to rewrite this term using the covariant derivative as

$$Z_1 \bar{\psi}(i \not\!\!D) \psi$$
 (8.4.14)

for  $D_{\mu} = \partial_{\mu} - ie\mu^{\varepsilon}A_{\mu}$ . This is nice since it allows us to make gauge invariance more obvious.

We previously found that the electric charge becomes scale dependent, with the result that

$$e_{\text{meas}}^2(k^2) = e_{\text{meas}}^2(0) + \frac{e^4}{2\pi^2} \int_0^1 dx \, x(1-x) \log\left(\frac{x(1-x)k^2}{\tilde{\mu}^2}\right)$$
 (8.4.15)

in the  $\overline{\rm MS}$  scheme, neglecting the  $m^2$  term since we are interested in high energies. We found this by studying the vacuum polarisation of the electron, that is, one loop corrections to the photon propagator. This is a bit odd since it is the QED vertex which involves the charge, e, and is used to renormalise the interaction, which is where the charge is important. The link between the vacuum polarisation and the QED vertex is that  $Z_1=Z_2$ , so the counter terms of these two diagrams are related and we can study either one to learn things about the other.

### Nine

# The QED $\beta$ Function

#### 9.1 What is the QED $\beta$ Function?

The bare charge,  $e_{\rm B}$ , is independent of  $\mu$ , since we only introduce  $\mu$  in the regularisation process to hold the dimensions of e away from D=4. Thus we have

$$\mu \frac{\mathrm{d}e_{\mathrm{B}}}{\mathrm{d}\mu} = 0. \tag{9.1.1}$$

Note that it is common to work with the log-derivative,

$$\mu \frac{\mathrm{d}}{\mathrm{d}\mu} = \frac{\mathrm{d}}{\mathrm{d}(\log \mu)},\tag{9.1.2}$$

in this context, rather than just  $d/d\mu$ .

On the other hand after regularising we have  $e_{\rm B}=e\mu^{\varepsilon}Z_3$ , which clearly has  $\mu$  dependence. The solution is that  $eZ_3$  must also have  $\mu$  dependence, and this dependence must be such as to exactly cancel the dependence of the  $\mu^{\varepsilon}$  term. We also have

$$Z_1 = Z_e Z_2 \sqrt{Z_3}, (9.1.3)$$

which combined with our recent derivation that  $Z_1 = Z_2$  to all orders in the  $\overline{\rm MS}$  scheme gives

$$Z_e = \frac{1}{\sqrt{Z_3}}. (9.1.4)$$

Hence, we are looking to solve

$$0 = \mu \frac{\mathrm{d}}{\mathrm{d}\mu} (e\mu^{\varepsilon} Z_e) \tag{9.1.5}$$

$$=\mu \frac{\mathrm{d}}{\mathrm{d}\mu} \left( \frac{e\mu^{\varepsilon}}{\sqrt{Z_3}} \right) \tag{9.1.6}$$

$$=\mu\frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu}\mu^{\varepsilon}\frac{1}{\sqrt{Z_{3}}}+e\varepsilon\mu^{\varepsilon}\frac{1}{\sqrt{Z_{3}}}-\frac{1}{2}e\mu^{\varepsilon}\frac{1}{Z_{3}^{3/2}}\mu\frac{\mathrm{d}Z_{3}}{\mathrm{d}\mu}.\tag{9.1.7}$$

Cancelling a common factor of  $\mu^{\varepsilon}/\sqrt{Z_3}$  we get

$$0 = \mu \frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu} + e\varepsilon - \frac{1}{2} \frac{e}{Z_3} \mu \frac{\mathrm{d}Z_3}{\mathrm{d}\mu}.$$
 (9.1.8)

Recall that

$$Z_3 = 1 + \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon},\tag{9.1.9}$$

which allows us to write this all in terms of  $de/d\mu$ :

$$0 = \mu \frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu} + e\varepsilon - \frac{1}{2} \frac{e}{Z_3} \mu \frac{2e}{12\pi^2 \varepsilon} \frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu}$$
 (9.1.10)

so we have

$$0 = e\varepsilon + \left(1 - \frac{1}{Z_3} \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon}\right) \mu \frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu}$$
 (9.1.11)

$$\approx e\varepsilon + \left(1 - \frac{e^2}{12\pi^2\varepsilon}\right)\mu \frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu} \tag{9.1.12}$$

where we've used

$$\frac{1}{Z_3} \approx 1 - \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon} \tag{9.1.13}$$

and dropped any terms of order  $e^3$  or higher. We then have

$$\mu \frac{\mathrm{d}e}{\mathrm{d}\mu} \approx -\frac{e\varepsilon}{1 - e^2/(12\pi^2\varepsilon)} \tag{9.1.14}$$

$$\approx -e\varepsilon \left( 1 + \frac{e^2}{12\pi^2 \varepsilon} \right) \tag{9.1.15}$$

$$= -e\varepsilon + \frac{e^3}{12\pi^2}. ag{9.1.16}$$

Finally, take the  $\varepsilon \to 0$  limit and define the **beta function**:

$$\beta(e) := \mu \frac{de}{d\mu} = \frac{e^3}{12\pi^2}.$$
 (9.1.17)

This is a renormalisation group equation.

#### 9.2 Solving the Renormalisation Group Equation

Set  $t = \log \mu$ , then we have

$$\beta(e) = \frac{de}{dt} = \frac{e^3}{12\pi^2}. (9.2.1)$$

Multiplying through by  $^1$  dt to get

$$\frac{\mathrm{d}e}{e^3} = \frac{\mathrm{d}t}{12\pi^2}.$$

Recognising that

$$\frac{d(1/e^2)}{de} = -2\frac{1}{e^3} \tag{9.2.3}$$

1sorry to any mathematicians reading, although I doubt any have made it this far since nothing converges and we've been computing divergent integrals for about 35

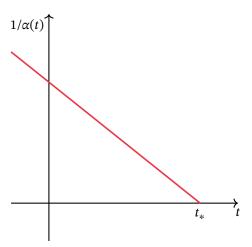


Figure 9.1: A plot of  $1/\alpha(t)$  as a function of t. Notice that at some value  $t_*$  we have  $1/\alpha(t_*) = 0$ , meaning  $\alpha(t_*)$  must be infinite.

we have

$$\frac{\mathrm{d}e}{e^3} = -\frac{1}{2}\mathrm{d}\left(\frac{1}{e^2}\right) \tag{9.2.4}$$

and so

$$d\left(\frac{1}{e^2}\right) = -\frac{dt}{6\pi^2}. (9.2.5)$$

Integrating from some  $t_0$  to t we have

$$\int_{t_0}^t d(\frac{1}{e^2}) = -\frac{1}{6\pi^2} \int_{t_0}^t dt$$
 (9.2.6)

which gives

$$\frac{1}{e^2(t)} - \frac{1}{e^2(t_0)} = -\frac{1}{6\pi^2}(t - t_0). \tag{9.2.7}$$

Usually we write this in terms of the fine structure constant,  $\alpha = e^2/(4\pi)$ , in which case we have

$$\frac{1}{4\pi\alpha(t)} - \frac{1}{4\pi\alpha(t_0)} = -\frac{1}{6\pi^2}(t - t_0) \implies \frac{1}{\alpha(t)} - \frac{1}{\alpha(t_0)} = -\frac{2}{3\pi}(t - t_0). \tag{9.2.8}$$

So, for fixed  $t_0$ , we have found a linear relationship between  $1/\alpha(t)$  and t, which is logarithmic in the energy. We can plot the result as in Figure 9.1. From this we see that as t, and hence the energy  $\mu$ , grows  $1/\alpha(t)$  becomes smaller until it vanishes at some value  $t_*$ . That is,  $\alpha(t)$  becomes larger and larger and eventually at  $t=t_*$  it takes on an infinite value. We call this a **Landau pole**.

The modern understanding of this result is that QED is not well defined as a quantum theory to arbitrarily high energy. At some energy scale,  $\Lambda_{\rm QED}={\rm e}^{t_*}$  the theory breaks down and stops working. This isn't really too much of a worry for two reasons:

- the approximation that  $e(\mu)$  is small breaks far below this energy scale;
- $\Lambda_{\rm QED}$  is truly massive, using  $t_0 = \log m_{\rm Z}$ , where measurements give  $\alpha(t_0) \approx 1/127$ , we find that  $\Lambda_{\rm QED} \sim 10^{270}$  eV.

We can rearrange this equation:

$$\frac{1}{\alpha(t)} = \frac{1}{\alpha(t_0)} - \frac{2}{3\pi}(t - t_0) \tag{9.2.9}$$

$$\implies \alpha(t) = \frac{1}{1/\alpha(t_0) - 2(t - t_0)/(3\pi)} = \frac{\alpha(t_0)}{2\alpha(t_0)(t - t_0)/(3\pi)}.$$
 (9.2.10)

We can then expand this to get

$$\alpha(t) = \alpha(t_0) + \frac{2}{3\pi}\alpha^2(t_0)(t - t_0) + \frac{4}{9\pi}\alpha^3(t_0)(t - t_0)^2 + \cdots$$

$$= \alpha(t_0) + \frac{2}{3\pi}\alpha^2(t_0)\log\frac{\mu}{\mu_0} + \frac{4}{9\pi}\alpha^3(t_0)\left(\log\frac{\mu}{\mu_0}\right)^2 + \cdots$$

Here we interpret this series as a series of diagrams, each order of  $\alpha$  giving an extra loop, which each come with two vertices, accounting for the two extra powers of e. So we see that the divergence of the coupling constant can be understood as the result of resuming an infinite class of diagrams.

There are other two loop corrections to this, such as

$$\sim \alpha^4(t_0) \log\left(\frac{\mu}{\mu_0}\right), \tag{9.2.13}$$

but if  $\log(\mu/\mu_0)$  is large then the class of diagrams already accounted for is the most important. This is called resummation of large logs.

### Ten

# **Magnetic Moment**

This is a story where the 2s matter. I'm not going to get the 2s right.

Donal O'Connell

#### 10.1 Goal

Consider a particle in an external magnetic field, **B**. The contribution to the Hamiltonian from this is

$$\delta H = -\mu \cdot \mathbf{B},\tag{10.1.1}$$

where  $\mu$  is the particle's **magnetic moment**. For a particle with spin S and charge q the magnetic moment is

$$\mu = \frac{q}{2m} g \mathbf{S} \tag{10.1.2}$$

where *g*, known as the **Landé** *g* **factor** is some value which we will compute in this chapter.

For an electron, of charge -e, or a muon, also of charge -e but a different mass, the magnetic moment can be written as

$$\mu = -\frac{e}{2m}g\mathbf{S} = -\mu_{\rm B}g\mathbf{S} \tag{10.1.3}$$

where

$$\mu_{\rm B} \coloneqq \frac{e}{2m} \tag{10.1.4}$$

is the **Bohr magneton**.

A calculation of g not accounting for spin will give g=1. A calculation of g using the non-relativistic limit of the Dirac equation, which accounts for spin, will give g=2, we'll do this calculation in the next section. A calculation in QED predicts g as a power series, giving  $g=2+\mathcal{O}(\alpha)$ . We will do a one loop QED calculation of g. Calculations up to five loops have been performed which predict g for an electron to many significant figures, and align well with experimental results.

#### 10.2 Non-Relativistic Calculation of the Landé g Factor

In this section we will compute the magnetic moment of an electron using the non-relativistic limit of the Dirac equation. This is valid for energies small compared to the electron mass where there can be no pair production. Define the **wave function** of the electron to be

$$\psi_{\rm WF}(x) = \langle 0|\psi(x)|{\rm single\ particle\ state}\rangle$$
 (10.2.1)

where  $\psi$  is the normal quantum fermion field. The motivation here is that a single particle state is of the form

$$\int \frac{\hat{d}^3 p}{2E_p} \varphi(p) |p\rangle \tag{10.2.2}$$

for some function  $\varphi$ . The annihilation operator in  $\psi$  will then annihilate the single particle state, and then the creation operator acts as its conjugate on the vacuum state, so we only get the overlap between single particles, which is what we would expect in the non-relativistic limit.

It follows from this definition that  $\psi_{\rm WF}$  also satisfies the Dirac equation, since the only x dependence comes from the  $\psi$  field. That is,

$$(i\mathcal{D} - m)\psi_{\rm WF} = 0. \tag{10.2.3}$$

Applying  $(-i\not D + m)$  to this we must still get zero,

$$(-i\not\!\!D + m)(i\not\!\!D - m)\psi_{WF} = 0. \tag{10.2.4}$$

Expanding this operator we get

$$(-i\mathcal{D} + m)(i\mathcal{D} - m) = (\mathcal{D}\mathcal{D} + m^2). \tag{10.2.5}$$

So we need to compute DD. To start off write this as

$$DD = D_{\mu}D_{\nu}\gamma^{\mu}\gamma^{\nu} \tag{10.2.6}$$

$$= \frac{1}{2} \{D_{\mu}, D_{\nu}\} \gamma^{\mu} \gamma^{\nu} + \frac{1}{2} [D_{\mu}, D_{\nu}] \gamma^{\mu} \gamma^{\nu}$$
 (10.2.7)

where the last step is simply writing  $D_{\mu}D_{\nu}$  as a sum of its symmetric and antisymmetric part, expanding the (anti)commutators it should be clear that this holds. We can then use the fact that  $\{D_{\mu}, D_{\nu}\}$  is symmetric to replace  $\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}$  with its symmetric part,  $\{\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}\}/2$ , and similarly the antisymmetry of  $[D_{\mu}, D_{\nu}]$  allows us to replace  $\gamma^{\mu}\gamma^{\nu}$  with its antisymmetric part,  $[\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}]/2$ . Doing so we get

$$DD = \frac{1}{4} \{D_{\mu}, D_{\mu}\} \{\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}\} + \frac{1}{4} [D_{\mu}, D_{\nu}] [\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}]$$
(10.2.8)

$$= \frac{1}{4} [D_{\mu}, D_{\nu}] 2 \eta^{\mu\nu} + \frac{1}{4} \left( -ieF_{\mu\nu} \right) (-2i\sigma^{\mu\nu})$$
 (10.2.9)

$$=\frac{1}{2}[D_{\mu},D^{\mu}]-\frac{1}{2}eF_{\mu\nu}\sigma^{\mu\nu} \tag{10.2.10}$$

$$= D^2 - \frac{1}{2} e F_{\mu\nu} \sigma^{\mu\nu}. \tag{10.2.11}$$

Here we've used the commutators

$$[D_{\mu}, D_{\nu}] = -ieF_{\mu\nu}, \quad \text{and} \quad \sigma^{\mu\nu} \coloneqq \frac{i}{2} [\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}], \quad (10.2.12)$$

the definition of the gamma matrices,  $\{\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}\} := 2\eta^{\mu\nu}$ , and

$$\{D_{\mu}, D^{\mu}\} = D_{\mu}D^{\mu} + D^{\mu}D_{\mu} = 2D^{2}. \tag{10.2.13}$$

Hence, the wave function must satisfy

$$\left[D^2 - \frac{1}{2}eF_{\mu\nu}\sigma^{\mu\nu} + m^2\right]\psi_{WF} = 0.$$
 (10.2.14)

Now consider a magnetic field, **B**, in the z direction. Then  $F^{12} = -F^{21} = -B$ , and all other components of  $F^{\mu\nu}$  vanish. With this we have

$$F^{\mu\nu}\sigma_{\mu\nu} = F^{12}\sigma_{12} + F^{21}\sigma_{21} = B\sigma_{12} - B\sigma_{21} = 2B\sigma_{12}. \tag{10.2.15}$$

In the Dirac representation we have

$$\sigma_{12} = \frac{i}{2} [\gamma_1, \gamma_2] \tag{10.2.16}$$

$$=\frac{i}{2}\begin{pmatrix}0&\sigma^1\\-\sigma^1&0\end{pmatrix}\begin{pmatrix}0&\sigma^2\\-\sigma^2&0\end{pmatrix}-\begin{pmatrix}0&\sigma^1\\-\sigma^1&0\end{pmatrix}\begin{pmatrix}0&\sigma^2\\-\sigma^2&0\end{pmatrix}$$
(10.2.17)

$$= \begin{pmatrix} \sigma^3 & 0 \\ 0 & \sigma^3 \end{pmatrix}. \tag{10.2.18}$$

Define

$$\mathbf{S} = \frac{1}{2} \begin{pmatrix} \mathbf{\sigma} & 0 \\ 0 & \mathbf{\sigma} \end{pmatrix},\tag{10.2.19}$$

 $^{1}$ we've also called this  $\Sigma$ 

which we can recognise as the spin operator<sup>1</sup>. and we can write this result as

$$F^{\mu\nu}\sigma_{\mu\nu} = 4BS^3 = 4\mathbf{B} \cdot \mathbf{S},\tag{10.2.20}$$

having used the fact that  $\mathbf{B} = (0, 0, B)$ . Now, since we picked the z direction arbitrarily this result must hold for any uniform magnetic field, that is

$$-\frac{e}{2}F^{\mu\nu}\sigma_{\mu\nu} = 2e\mathbf{B} \cdot \mathbf{S}. \tag{10.2.21}$$

Thus we have

$$[D^2 + 2e\mathbf{B} \cdot \mathbf{S} + m^2] \psi_{WF} = 0. \tag{10.2.22}$$

To pass to the non-relativistic limit consider plane wave solutions

$$\exp\{-i\boldsymbol{p}\cdot\boldsymbol{x}\} = \exp\{-i\boldsymbol{E}t + i\boldsymbol{p}\cdot\boldsymbol{x}\}. \tag{10.2.23}$$

Then using

$$E = \sqrt{\mathbf{p}^2 + m^2} \approx m + \frac{\mathbf{p}^2}{2m}$$
 (10.2.24)

we get

$$e\{-i\boldsymbol{p}\cdot\boldsymbol{x}\}\approx\exp\{-i\boldsymbol{m}t\}\exp\left\{-i\frac{\boldsymbol{p}^2}{2m}t+i\boldsymbol{p}\cdot\boldsymbol{x}\right\}. \tag{10.2.25}$$

Recognising that  $p^2/(2m)$  is the kinetic energy we can see that the second exponential is the plane wave we would make as an ansatz in a non-relativistic setting. This suggests that we should look for solutions of the form

$$\psi_{WF}(x) = e^{-imt}\psi_{NR}(x)$$
 (10.2.26)

where  $\psi_{\mathrm{NR}}$  is the non-relativistic wave function.

Now consider the  $D^2$  term, we have

$$D^{2}f = (\partial_{\mu} - ieA_{\mu})(\partial^{\mu} - ieA^{\mu})f$$
(10.2.27)

$$= \partial^2 f - \partial_{\mu} (ieA^{\mu} f) - ieA_{\mu} \partial^{\mu} f - e^2 A_{\mu} A^{\mu} f$$
 (10.2.28)

$$= \partial^2 f - ie(\partial_{\mu}A^{\mu})f - ieA^{\mu}\partial_{\mu}f - ieA_{\mu}\partial^{\mu}f - e^2A_{\mu}A^{\mu}f$$
 (10.2.29)

$$=\partial^2 f - ie(\partial_\mu A^\mu)f - 2ieA^\mu\partial_\mu f - e^2A_\mu A^\mu f. \tag{10.2.30}$$

We can drop the  $e^2$  term, since it will be small in the non-relativistic limit. If E=0 then we can take  $A^0=0$ . Taking  $f=\psi_{\rm WF}={\rm e}^{-imt}\psi_{\rm NR}$  we get

$$D^2 \psi_{\rm WF} = \partial^2 \psi_{\rm WF} - ie(\partial_\mu A^\mu) \psi_{\rm WF} - 2ieA^\mu \partial_\mu ({\rm e}^{-imt} \psi_{\rm NR}) \eqno(10.2.31)$$

$$=\partial^2\psi_{\rm WF}-ie(\partial_\mu A^\mu)\psi_{\rm WF}$$

$$-2ie[A^{0}\partial_{0}(e^{-imt}\psi_{NR}) - A \cdot \nabla(e^{-imt}\psi_{NR})]$$
 (10.2.32)

$$= \partial^2 \psi_{\rm WF} - ie(\partial_\mu A^\mu) \psi_{\rm WF} \tag{10.2.33}$$

$$-2ie[-imA^0e^{-imt}\psi_{NR} + A^0e^{-imt}\partial_t\psi_{NR} - e^{-imt}A \cdot \nabla\psi_{NR}].$$

Now suppose that we have a uniform, constant magnetic field, and no electric field, so  $\partial_{\mu}A^{\mu}=0$ . Reinstating factors of c we have  $A^{\mu}=(\varphi/c,\mathbf{A})$ , so we can neglect  $A^0$  in the non-relativistic limit. Thus,

$$D^2 \psi_{\text{WF}} = \partial^2 \psi_{\text{WF}} + 2iee^{-imt} \mathbf{A} \cdot \nabla \psi_{\text{NR}}. \tag{10.2.34}$$

We can expand the  $\partial^2 \psi_{\mathrm{WF}}$  term as

$$\partial^2 \psi_{\text{WF}} = (\partial_t^2 - \nabla^2)(e^{-imt}\psi_{\text{NP}}) \tag{10.2.35}$$

$$= \partial_t (-ime^{-imt}\psi_{NR} - e^{-imt}\partial_t\psi_{NR}) - e^{-imt}\nabla^2\psi_{NR}$$
 (10.2.36)

$$=(-im)^2 e^{-imt} \psi_{NR} - ime^{-imt} \partial_t \psi_{NR} - ime^{-imt} \partial_t \psi_{NR}$$

$$-e^{-imt}\partial_t^2\psi_{NR} - e^{-imt}\nabla^2\psi_{NR}$$
 (10.2.37)

$$= \mathrm{e}^{-imt} \left[ -m^2 \psi_{\mathrm{NR}} - 2im\partial_t \psi_{\mathrm{NR}} + \partial_t^2 \psi_{\mathrm{NR}} - \nabla^2 \psi_{\mathrm{NR}} \right]. \tag{10.2.38}$$

Notice that the first term cancels with the term coming from  $m^2$  in Equation (10.2.14). Thus we have

$$0 = [D^2 + 2e\mathbf{B} \cdot \mathbf{S} + m^2] \psi_{WF}$$
 (10.2.39)

$$= e^{-imt} \left[ -2im\partial_t + \partial_t^2 - \nabla^2 + 2iee^{-imt} \mathbf{A} \cdot \nabla + 2e\mathbf{B} \cdot \mathbf{S} \right] \psi_{NR}. \tag{10.2.40}$$

Dividing through by  $2me^{-imt}$  we get

$$0 = \left[ -i\partial_t + \frac{1}{2m}\partial_t^2 - \frac{1}{2m}\nabla^2 + \frac{e}{m}\mathbf{A} \cdot \nabla + \frac{e}{2m}2\mathbf{B} \cdot \mathbf{S} \right] \psi_{NR}. \tag{10.2.41}$$

We can neglect the  $\partial_t^2$  term as reinstating factors of c we see it is suppressed by  $1/c^2$ . Similarly, we drop the  $\mathbf{A} \cdot \nabla$  term, leaving us with

$$\left[ -\frac{1}{2m} \nabla^2 + \frac{e}{2m} 2\mathbf{B} \cdot \mathbf{S} \right] \psi_{\text{NR}} = -i \frac{\partial}{\partial t} \psi_{\text{NR}}. \tag{10.2.42}$$

This is simply the Schrödinger equation.

From this we can read off the change to the Hamiltonian due to the magnetic field, it is

$$\delta H = \frac{e}{2m} 2\mathbf{B} \cdot \mathbf{S}. \tag{10.2.43}$$

Comparing this with the definition of the magnetic moment,  $\delta H = -\mu \cdot \mathbf{B}$  we see that

$$\mu = -\frac{e}{2m}2S,\tag{10.2.44}$$

that is,

$$g = 2.$$
 (10.2.45)

#### 10.3 As an Effective Field Theory

We can see this same result in QED by considering the three point tree amplitude

$$= ie\bar{u}(p')\gamma^{\mu}u(p)\varepsilon_{\mu}(k) = \mathcal{A}_{3}. \tag{10.3.1}$$

Note that k = p' - p. We might think of this as probing an electron with a photon. We'll take the electron to be on-shell and the photon to be either on-shell or at least have  $k^2$  be negligible.

Consider the following expression with k = p' - p and  $\sigma^{\mu\nu} = i[\gamma^{\mu}, \gamma^{\nu}]/2$ :

$$\bar{u}(p') \left[ \frac{p'^{\mu} + p^{\mu}}{2m} + \frac{i\sigma^{\mu\nu}k_{\nu}}{2m} \right] u(p)$$
 (10.3.2)

$$= \frac{\bar{u}(p')}{2m} \left[ p'^{\mu} + p^{\mu} - \frac{1}{2} (\gamma^{\mu} \gamma^{\nu} - \gamma^{\nu} \gamma^{\mu}) (p'_{\nu} - p_{\nu}) \right] u(p)$$
 (10.3.3)

$$= \frac{\bar{u}(p')}{2m} \left[ p'^{\mu} + p^{\mu} - \frac{1}{2} (\gamma^{\mu} p' - \gamma^{\mu} p - p' \gamma^{\mu} + p \gamma^{\mu}) \right] u(p)$$
 (10.3.4)

$$=\frac{\bar{u}(p')}{2m}\left[\,p'^{\mu}+p^{\mu}-\frac{1}{2}(2\eta^{\mu\nu}p'_{\nu}-\not\!p'\gamma^{\mu}-\gamma^{\mu}\not\!p-\not\!p'\gamma^{\mu}+2\eta^{\mu\nu}p_{\nu}-\gamma^{\mu}\not\!p)\,\right]u(p)$$

$$= \frac{\bar{u}(p')}{2m} \left[ p'^{\mu} + p^{\mu} - (p'^{\mu} - p'\gamma^{\mu} - \gamma^{\mu}p + p^{\mu}) \right] u(p)$$
 (10.3.5)

$$= \frac{\bar{u}(p')}{2m} \left[ p'^{\mu} + p^{\mu} - (p'^{\mu} - p'\gamma^{\mu} - \gamma^{\mu}p + p^{\mu}) \right] u(p)$$
 (10.3.6)

$$=\frac{\bar{u}(p')}{2m}\left[p'^{\mu}+p^{\mu}-(p'^{\mu}-m\gamma^{\mu}-\gamma^{\mu}m+p^{\mu})\right]u(p) \tag{10.3.7}$$

$$= \frac{\bar{u}(p')}{2m} [2m\gamma^{\mu}] u(p)$$
 (10.3.8)

$$= \bar{u}(p')\gamma^{\mu}u(p). \tag{10.3.9}$$

Here we've made use of the definition of u(p) as the momentum space solution to the Dirac equation, meaning (p-m)u(p)=0, so pu(p)=mu(p), and the adjoint,  $\bar{u}(p)p=m$ . This gives us the **Gordon identity**:

$$\bar{u}(p')\gamma^{\mu}u(p) = \bar{u}(p')\left[\frac{p'^{\mu} + p^{\mu}}{2m} + \frac{i\sigma^{\mu\nu}k_{\nu}}{2m}\right]u(p). \tag{10.3.10}$$

Using this we can rewrite the three point amplitude as

$$\mathcal{A}_3 = ie\bar{u}(p') \left[ \frac{p'^{\mu} + p^{\mu}}{2m} + \frac{i\sigma^{\mu\nu}k_{\nu}}{2m} \right] u(p)\varepsilon_{\mu}(k). \tag{10.3.11}$$

We can think of the first term as being the result from scalar QED, the vertex term here being  $ie(p'^{\mu}+p^{\mu})\varepsilon_{\mu}(k)$ , and the second term being a spin effect. Taking this spin correction we can imagine that it has a prefactor of 1, and we'll see that this term corresponds to g/2, meaning if this prefactor is changed to 1+a then g will change from 2 to 2+2a, this is essentially what we will compute. This quantity, a=(g-2)/2, is called the **anomalous magnetic moment**.

We can see how this relates to classical physics by comparing world lines. The action in this case is given by

$$S = -m \int d\tau - \int d\tau \, e u_{\mu} A^{\mu}(r(\tau)) + \int d\tau \, \frac{e}{2m} g \frac{1}{4} S_{\mu\nu} F^{\mu\nu}(r(\tau)). \tag{10.3.12}$$

The first two terms here are the normal action<sup>2</sup> for a charged particle with four-velocity  $u^{\mu}$  moving in an external field,  $A^{\mu}$ . The third term contains the spin tensor,  $S_{\mu\nu}$  WHAT IS THIS????? Is it  $\sigma^{\mu\nu}$ ? Is it antisymmetric?, is needed for a particle with spin, this term is included as it is Lorentz invariant, and there is no reason to exclude it.

In QFT we are interested in allowing for high energies where we have pair production. The action written down here is for an effective field theory at low energies which doesn't allow for pair production. We have to perform a matching process to compare this effective field theory to QED. To do this we have to consider some scenario where we have a reasonable idea of what the outcome will be.

Consider the case of a particle moving at a constant speed starting at the origin at time  $\tau=0$ . It's position is given by  $r^{\mu}(\tau)=u^{\mu}\tau$ . The interaction action in the effective field theory, simply the action of this effective theory without the first term, is then given by

$$S_{\rm int} = \int d\tau \left[ -e u_{\mu} A^{\mu}(u\tau) + \frac{e}{2m} g \frac{1}{4} S_{\mu\nu} F^{\mu\nu}(u\tau) \right]. \tag{10.3.13}$$

Now we can write this as the inverse Fourier transform of the Fourier transform, defining  $\varepsilon^{\mu}(k) = \mathcal{F}\{A^{\mu}(u\tau)\}$ . Note that this isn't a polarisation vector, but we pick

<sup>2</sup>derived in *Classical Electrody*namics the notation  $\varepsilon^\mu$  as it is *like* a polarisation vector. Then the action is

$$S_{\rm int} = \int \hat{\rm d}^4 k \int {\rm d}\tau \, {\rm e}^{-ik\cdot u\tau} \left[ -e u_\mu \varepsilon^\mu(k) - i \mu_{\rm B} g \frac{1}{4} S_{\mu\nu} (k^\mu \varepsilon^\nu - k^\nu \varepsilon^\mu) \right], \ (10.3.14)$$

where derivatives in  $F^{\mu\nu}$  have turned into ks and As have turned into  $\varepsilon s$ .

# Part II

# Electroweak

# Eleven

### **Overview**

There are four fundamental forces,

- electromagnetism;
- the strong force;
- · the weak force:
- gravity.

In this course we are interested in the first three. To each force we can associate a type of radiation,

- gamma radiation;
- · alpha radiation;
- beta radiation;
- · gravitational waves.

These forces all have different ranges, reflecting the different mechanisms behind the difference forces, at long ranges these forces scale as

- 1/r;
- $e^{-\mu r}/r$  with  $\mu \approx 1$  GeV;
- $e^{-\mu r}$  with  $\mu \approx 100$  GeV;
- 1/r

Each of these forces can be described as a gauge theory with a different gauge group,

- U(1);
- SU(3);
- SU(2);
- diffeomorphisms of spacetime<sup>1</sup>.

<sup>1</sup>some don't consider this to be a gauge theory, for one thing the group of diffeomorphisms is noncompact, and the theory doesn't work in quite the same way as the other examples. No one is quite sure why these particular gauge groups are the ones which apply in each case, and the choice of gauge group pretty much completely determines the physics. For example, the fact that SU(3) and SU(2) are non-Abelian is responsible for the short range interactions of the strong and weak force, which is ultimately due to the self interactions of exchange particles, which doesn't occur in the Abelian U(1) case.

One of the main tools in our arsenal is perturbation theory, although this doesn't work in all cases

- perturbation theory works at sufficiently low energies, including most cases of real world interest;
- perturbation theory works at high energies, but not low energies;
- perturbation theory works but is "weird" and "interesting";
- perturbation theory works for sufficiently small perturbations.

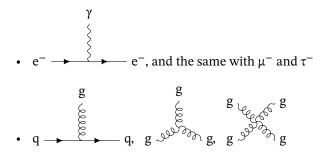
Symmetry is important in physics, these forces posses, or don't posses, various symmetries. One symmetry being preserving flavour, that is the type of fermion involved in interactions,

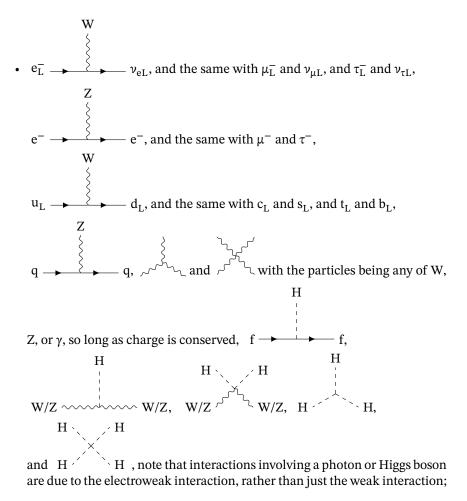
- flavour stays the same;
- flavour stays the same;
- · flavours can change;
- · flavours stay the same.

Another set of symmetries is parity (P), charge conjugation (C), and time reversal (T), although often due to the CPT theorem, which states that the combination of all three of these symmetries is respected, we replace time reversal, which is weird involving anti-unitary operations, with charge conjugation and parity transformation (CP).

- P, C, and T are all respected;
- P, C, and T are all respected;
- *P* and *C* are maximally violated, *CP* is violated a very small amount;
- GR respects these symmetries, other theories of gravity do not.

Each force allows for different interactions,





· depends on your theory of gravity.

#### 11.1 The Weak Force

As we saw in the previous section the weak force is quite different from electromagnetism and the strong force, which really only differ due to U(1) being Abelian and SU(2) being non-Abelian. The weak force allows for flavour change, and includes many more interactions than either electromagnetism or the strong interaction.

Examples of processes mediated by the weak force are **beta decay**,

$$n \rightarrow pe^-\bar{\nu}_e$$
,  $udd \rightarrow uude^-\bar{\nu}_e$ , (11.1.1)

pion decays, such as

$$\pi^- \rightarrow \mu^- \bar{\nu}_\mu, \qquad \pi^- \rightarrow e^- \bar{\nu}_e, \qquad \pi^0 \rightarrow \gamma \gamma, \qquad \pi^0 \rightarrow \gamma e^- e^+, \qquad (11.1.2)$$

and kaon decays, such as

$$K^- \to \pi^- \pi^0, \qquad K^- \to \pi^- \pi^- \pi^+.$$
 (11.1.3)

The violation of symmetries and the ability of the weak force to change the flavour of particles makes the world a much more interesting place. Without out this the universe would be static, up to uninteresting dynamical changes, with lepton and quark number remaining constant. The fact that the weak force allows for decays also means that if we reverse time, despite the symmetry breaking, the weak force allows for creation of particles as well, and this is one of the major avenues of study for early universe physics.

In this course we will follow a historical approach, piecing together first the theory of the weak interaction, and then combining this with electromagnetism to get electroweak theory. As such there will be points where we study theories which later turned out to be wrong, or at least not the complete picture.

The theory of weak interactions begins with Pauli in 1930 who was studying the kinematics of beta decay and realised that seemingly missing energy could be explained if the decay was producing another particle, the neutrino. The neutrino's existence was the confirmed experimentally in 1956 by Frederick Reines and Clyde Cowan². In the time between positing the existence of the neutrino and its experimental confirmation the theory of the weak interaction had progressed a lot. In the same year Chien-Shiung Wu³ observed parity violation for the first time, which was a big surprise, since the prevailing wisdom was that parity was always conserved.

Before we can discus the weak force further we need to recap chirality, helicity, and parity.

<sup>2</sup>Nobel prize for (electro)weak theory count: 1

<sup>3</sup>Nobel prize for (electro)weak theory count: 2

### **Twelve**

### Left and Right

#### 12.1 Chirality

Recall that the fifth gamma matrix is defined as

$$\gamma^5 = i\gamma^0\gamma^1\gamma^2\gamma^3,\tag{12.1.1}$$

and is such that  $(\gamma^5)^2 = 1$ ,  $(\gamma^5)^{\dagger} = \gamma^5$ , and  $\{\gamma^5, \gamma^{\mu}\} = 0$ . Using this we can define a complete set of Hermitian, orthogonal projection operators:

$$P_{\rm L} := \frac{1}{2}(1 - \gamma^5), \quad \text{and} \quad P_{\rm R} := \frac{1}{2}(1 + \gamma^5).$$
 (12.1.2)

We call these the left and right projection operators respectively, we'll justify this name later. Breaking it down "complete set of Hermitian, orthogonal projection operators" tells us the following:

- Projectors:  $P_{\rm L}^2 = (1 \gamma^5)^2/4 = (1 2\gamma^5 + 1)/4 = (1 \gamma^5)/2 = P_{\rm L}$ , and similarly  $P_{\rm R}^2 = P_{\rm R}$ ;
- Orthogonal:  $P_{\rm L}P_{\rm R}=(1-\gamma^5)(1+\gamma^5)/2=(1-(\gamma^5)^2)/2=(1-1)/2=0,$  and similarly  $P_{\rm R}P_{\rm L}=0;$
- Complete:  $P_L + P_R = (1 \gamma^5)/2 + (1 + \gamma_5)/2 = 1$ ;
- Hermitian:  $P_{\rm L}^{\dagger}=[(1-\gamma^5)/2]^{\dagger}=(1-(\gamma^5)^{\dagger})/2=(1-\gamma^5)/2=P_{\rm L}$ , and similarly  $P_{\rm R}^{\dagger}=P_{\rm R}$ .

Note that we have  $P_R - P_L = (1 + \gamma^5)/2 - (1 - \gamma^5)/2 = \gamma^5$ . Another useful property is that commuting a  $\gamma^\mu$  with a projector turns left into right and vice versa, so  $\gamma^\mu P_L = \gamma^\mu (1 - \gamma^5)/2 = (\gamma^\mu - \gamma^\mu \gamma^5)/2 = (\gamma^\mu + \gamma^5 \gamma^\mu)/2 = (1 + \gamma^5)\gamma^\mu/2 = P_R \gamma^\mu$ , and similarly  $\gamma^\mu P_R = P_L \gamma^\mu$ .

Given a (Dirac) spinor,  $\psi$ , we can decompose it into left and right components using

$$\psi = 1\psi = (P_{L} + P_{R})\psi = P_{L}\psi + P_{R}\psi = \psi_{L} + \psi_{R}, \tag{12.1.3}$$

where

$$\psi_{\mathbf{L}} \coloneqq P_{\mathbf{L}}\psi, \quad \text{and} \quad \psi_{\mathbf{R}} \coloneqq P_{\mathbf{R}}\psi$$
 (12.1.4)

are the left and right components of  $\psi$ .

12.2. HELICITY 67

For the adjoint spinor left and right are swapped around, that is

$$\bar{\psi}P_{L} = \psi^{\dagger}\gamma^{0}P_{L} = \psi^{\dagger}P_{R}\gamma^{0} = (P_{R}\psi)^{\dagger}\gamma^{0} = \psi_{R}^{\dagger}\gamma^{0} = \overline{\psi_{R}}.$$
 (12.1.5)

Note that this is the adjoint of the right component of  $\psi$ , rather than the right component of the adjoint, which we might write as  $\bar{\psi}_R$ . However, this notation is confusing and so we assume that R or L is always applied to the spinor before we take the adjoint, and write this as  $\bar{\psi}_R$ . Some brackets may help here, we have

$$\bar{\psi}P_{L} = (\bar{\psi})_{L} = \bar{\psi}_{R}. \tag{12.1.6}$$

Similarly, we have  $\bar{\psi}P_{R} = (\bar{\psi})_{R} = \bar{\psi}_{L}$ .

Now consider the mass term in the Dirac Lagrangian,  $\bar{\psi}\psi$ . We have

$$\bar{\psi}\psi = \bar{\psi}(\psi_{R} + \psi_{L})$$
 completeness (12.1.7)

$$= \bar{\psi}\psi_{R} + \bar{\psi}\psi_{L} \tag{12.1.8}$$

$$= \bar{\psi}P_{R}\psi + \bar{\psi}P_{L}\psi \tag{12.1.9}$$

$$= \bar{\psi}P_{R}^{2}\psi + \bar{\psi}P_{L}^{2}\psi \qquad \text{idempotency} \qquad (12.1.10)$$

$$= \bar{\psi}_{\mathrm{L}}\psi_{\mathrm{R}} + \bar{\psi}_{\mathrm{R}}\psi_{\mathrm{L}}.\tag{12.1.11}$$

From this we can see that the mass term mixes left and right spinors. We'll see that this is a general property of massive particles, they have some mixing of parities.

Consider a fermion current,  $\bar{\psi}\gamma^{\mu}\psi$ , we have

$$\bar{\psi}\gamma^{\mu}\psi = \bar{\psi}\gamma^{\mu}(\psi_{R} + \psi_{L})$$
 completeness (12.1.12)

$$= \bar{\psi}\gamma^{\mu}P_{R}\psi + \bar{\psi}\gamma^{\mu}P_{L}\psi \tag{12.1.13}$$

$$= \bar{\psi}\gamma^{\mu}P_{\rm R}^2\psi + \bar{\psi}\gamma^{\mu}P_{\rm L}^2\psi \qquad \text{idempotency} \qquad (12.1.14)$$

$$\begin{split} &=\bar{\psi}\gamma^{\mu}P_{R}^{2}\psi+\bar{\psi}\gamma^{\mu}P_{L}^{2}\psi & \text{idempotency} \\ &=\bar{\psi}P_{L}\gamma^{\mu}P_{R}\psi+\bar{\psi}P_{R}\gamma^{\mu}P_{L}\psi & \gamma^{\mu}P_{L}=P_{R}\gamma^{\mu} \text{ and } \gamma^{\mu}P_{R}=P_{L}\gamma^{\mu} \end{split} \tag{12.1.14}$$

$$= \bar{\psi}_{R} \gamma^{\mu} \psi_{R} + \psi_{L} \gamma^{\mu} \psi_{L}. \tag{12.1.16}$$

From this we see that the current doesn't mix left and right.

The Dirac Lagrangian is then

$$\mathcal{L}_{D} = \bar{\psi}(i\partial \!\!\!/ - m)\psi \tag{12.1.17}$$

$$= \bar{\psi}_{\mathrm{R}} i \partial \psi_{\mathrm{R}} + m \bar{\psi}_{\mathrm{I}} \psi_{\mathrm{R}} + \bar{\psi}_{\mathrm{I}} i \partial \psi_{\mathrm{I}} + m \bar{\psi}_{\mathrm{R}} \psi_{\mathrm{I}}. \tag{12.1.18}$$

Again, we see that the mass term mixes the left and right. The Dirac Lagrangian gives rise to the Dirac equation,  $(i\partial - m)\psi$ . For a massless particle this gives two independent equations for the left and right components,

$$i\partial \psi_{\rm L} = 0$$
, and  $i\partial \psi_{\rm R} = 0$ . (12.1.19)

These are known as the **Weyl equations**. Importantly for massless particles the left and right components evolve separately.

Currently we are treating  $\psi_L$  and  $\psi_R$  as four component Dirac spinors projected onto a two-dimensional subspace. Instead we can treat them as two component Weyl spinors. We won't do this.

The operators  $P_L$  and  $P_R$  define what we call the **chirality** of the particle, for example, a right handed chiral state is an eigenstate of  $P_R$  with eigenvalue 1.

#### 12.2 Helicity

<sup>1</sup>note that this differs by a sign from the definition in *Quantum Field Theory*, by a factor of 2 from the definition in the notes, and a factor of 4 from the value given in the lecture, I've checked it works as written here in the Dirac representation.

<sup>1</sup>note that this differs by a sign For a massive fermion the **spin operator** is <sup>1</sup>

$$\Sigma^{i} := \frac{i}{4} \varepsilon^{ijk} [\gamma^{j}, \gamma^{k}] \tag{12.2.1}$$

$$=\frac{i}{4}\varepsilon^{ijk}(\gamma^j\gamma^k-\gamma^k\gamma^j) \tag{12.2.2}$$

$$=\frac{i}{4}(\varepsilon^{ijk}\gamma^j\gamma^k-\varepsilon^{ijk}\gamma^k\gamma^j) \tag{12.2.3}$$

$$=\frac{i}{4}(\varepsilon^{ijk}\gamma^{j}\gamma^{k}-\varepsilon^{ikj}\gamma^{j}\gamma^{k}) \tag{12.2.4}$$

$$=\frac{i}{4}(\varepsilon^{ijk}\gamma^j\gamma^k+\varepsilon^{ijk}\gamma^j\gamma^k) \tag{12.2.5}$$

$$=\frac{i}{2}\varepsilon^{ijk}\gamma^{j}\gamma^{k}.\tag{12.2.6}$$

Alternatively we could have used the antisymmetry of  $\varepsilon^{ijk}$  to replace  $[\gamma^j,\gamma^k]$  with  $[\gamma^j,\gamma^k]+\{\gamma^j,\gamma^k\}=2\gamma^j\gamma^k$ . Either way,  $\Sigma^1=i\varepsilon^{1jk}\gamma^j\gamma^k/2=(i\gamma^2\gamma^3-i\gamma^3\gamma^2)/2=i\gamma^2\gamma^3$ , and similarly  $\Sigma^2=i\gamma^3\gamma^1$  and  $\Sigma^3=i\gamma^1\gamma^2$ . We can write all of this as  $\Sigma^i=\gamma^5\gamma^0\gamma^i$ , which follows by expanding  $\gamma^5$ :

$$\gamma^{5} \gamma^{0} \gamma^{i} = i \gamma^{0} \gamma^{1} \gamma^{2} \gamma^{3} \gamma^{0} \gamma^{i} = -i (\gamma^{0})^{2} \gamma^{1} \gamma^{2} \gamma^{3} \gamma^{i} = -i \gamma^{1} \gamma^{2} \gamma^{3} \gamma^{i}, \tag{12.2.7}$$

and so we have  $\gamma^5\gamma^0\gamma^1=-i\gamma^1\gamma^2\gamma^3\gamma^1=-i(\gamma^1)^2\gamma^2\gamma^3=i\gamma^2\gamma^3$ , and similarly  $\gamma^5\gamma^0\gamma^2=-i\gamma^1\gamma^3$  and  $\gamma^5\gamma^0\gamma^3=i\gamma^1\gamma^2$ , which shows that

$$\Sigma^{i} = \frac{i}{4} \varepsilon^{ijk} [\gamma^{j}, \gamma^{k}] = \gamma^{5} \gamma^{0} \gamma^{i}. \tag{12.2.8}$$

Now consider the commutator

$$[P_{L}, \Sigma^{i}] = \frac{1}{2}([1, \Sigma^{i}] - [\gamma^{5}, \Sigma^{i}])$$
 (12.2.9)

$$= -\frac{1}{2} [\gamma^5, \gamma^5 \gamma^0 \gamma^i] \tag{12.2.10}$$

$$= -\frac{1}{2}((\gamma^5)^2 \gamma^0 \gamma^i - \gamma^5 \gamma^0 \gamma^i \gamma^5)$$
 (12.2.11)

$$= -\frac{1}{2} (\gamma^0 \gamma^i - (\gamma^5)^2 \gamma^0 \gamma^i)$$
 (12.2.12)

$$= -\frac{1}{2}(\gamma^0 \gamma^i - \gamma^0 \gamma^i)$$
 (12.2.13)

(12.2.14)

Similarly,  $[P_R, \Sigma^i] = 0$ . This means that spin and chirality commute, and so we can

measure both at once.

For massless particles instead of spin we have **helicity**, given by the helicity operator<sup>2</sup>

$$h = \frac{\Sigma \cdot \mathbf{p}}{|\mathbf{p}|}.\tag{12.2.15}$$

This has eigenvalues  $\pm 1$ , which can be shown by considering the case where p = (0, 0, p), in which case  $h = \Sigma^3 = \text{diag}(1, -1, 1, -1)$ , and so the eigenvalues are  $\pm 1$ ,

<sup>2</sup>note that this differs from the operator<sup>2</sup> value given in the notes by a factor of 2.

12.2. HELICITY 69

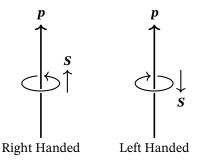


Figure 12.1: Left and right helicities showing the relation between spin and momentum.

each with multiplicity 2. States with helicity +1 are called **right handed**, because their spin aligns with their momentum. Interpreting the spin as the angular momentum of the particle this means that the particle "spins" around the momentum axis in accordance with the right hand grip rule. Similarly states with helicity -1 are called **left handed**, as their spin goes in the opposite direction around the momentum, so is instead given by a left hand grip rule. This is shown in Figure 12.1. Importantly if momentum and spin are aligned then it is a right handed helicity state, and if they are antialigned it is a left handed helicity state.

Now consider a spinor,  $u^{\pm}(p)$ , in momentum space which is a positive energy solution to the Dirac equation, that is

$$(p-m)u^{\pm}(p) = 0 \implies pu^{\pm}(p) = mu^{\pm}(p),$$
 (12.2.16)

with helicity  $\pm 1$ , that is  $hu^{\pm 1}(p) = \pm u^{\pm}(p)$ .

Note that we have

$$p = \gamma^0 E - \gamma \cdot p \implies \gamma \cdot p = \gamma^0 E - p, \tag{12.2.17}$$

and so we have

$$h = \frac{1}{|\boldsymbol{p}|} \Sigma^i p^i = \frac{1}{|\boldsymbol{p}|} \gamma^5 \gamma^0 \gamma^i p^i = \frac{1}{|\boldsymbol{p}|} \gamma^5 \gamma^0 \boldsymbol{\gamma} \cdot \boldsymbol{p} = \frac{\gamma^5 \gamma^0}{|\boldsymbol{p}|} (\gamma^0 E - \boldsymbol{p}). \tag{12.2.18}$$

Multiplying through the factor of  $\gamma^0$  and using  $(\gamma^0)^2 = 1$  this becomes

$$h = \frac{\gamma^5}{|\mathbf{p}|} (E - \gamma^0 \, \mathbf{p}). \tag{12.2.19}$$

Acting with this on  $u^{\pm}(p)$  on the one hand should give  $\pm u^{\pm}(p)/|\mathbf{p}|$ , and on the other hand gives

$$\frac{\gamma^{5}}{|\mathbf{p}|}(E - \gamma^{0} \mathbf{p})u^{\pm}(p) = \frac{\gamma^{5}}{|\mathbf{p}|}(-E - \gamma^{0}m)u^{\pm}(p). \tag{12.2.20}$$

That is,

$$\gamma^{5}(E - \gamma^{0}m)u^{\pm}(p) = \pm |\mathbf{p}|u^{\pm}(p). \tag{12.2.21}$$

Now use  $\gamma^5 = P_R - P_L$  and insert a factor of  $1 = P_R + P_L$  on the right to get

$$(P_{R} - P_{L})(E - \gamma^{0} m)u^{\pm}(p) = \pm |\mathbf{p}|(P_{R} + P_{L})u^{\pm}(p). \tag{12.2.22}$$

Since the projectors are orthogonal we can read off the left and right components from this separately, for example taking just the right handed component gives

$$P_{R}(E - \gamma^{0} m) u^{\pm}(p) = \pm |\mathbf{p}| P_{R} u^{\pm}(p). \tag{12.2.23}$$

Commuting the  $P_R$  through  $\gamma^0$  turns it into  $P_L$  and then acting on the spinor we have

$$Eu_{\mathbf{R}}^{\pm}(p) - \gamma^{0} m u_{\mathbf{L}}^{\pm}(p) = \pm |\mathbf{p}| u_{\mathbf{R}}^{\pm}(p).$$
 (12.2.24)

Similarly, reading off the left handed component we have

$$-P_{L}(E - \gamma^{0} m)u^{\pm}(p) = \pm |\mathbf{p}|P_{L}u^{\pm}(p), \tag{12.2.25}$$

which gives

$$-Eu_{L}^{\pm}(p) + \gamma^{0} m u_{R}^{\pm}(p) = \pm |\mathbf{p}| u_{L}^{\pm}(p). \tag{12.2.26}$$

Rearranging these two results gives

$$(E \mp |\mathbf{p}|)u_{R}^{\pm}(p) = m\gamma^{0}u_{L}^{\pm}(p),$$
 (12.2.27)

$$(E \pm |\mathbf{p}|)u_{\rm L}^{\pm}(p) = m\gamma^0 u_{\rm R}^{\pm}(p).$$
 (12.2.28)

Again, we see that if  $m \neq 0$  then we get mixing of left and right handed states. Now consider the  $m \rightarrow 0$  limit, then we have

$$E^{2} = |\mathbf{p}|^{2} + m^{2} \implies |\mathbf{p}| = \sqrt{E^{2} - m^{2}} \approx E + \mathcal{O}\left(\frac{m^{2}}{E^{2}}\right).$$
 (12.2.29)

So when we choose + in the sum on the left hand side of these two equations we get 2E, and the right hand side vanishes as  $m \to 0$ , giving

$$2Eu_{\rm R}^-(p) = 0$$
, and  $2Eu_{\rm L}^+ = 0$ . (12.2.30)

That is,  $u_{\rm R}^- = u_{\rm L}^+ = 0$ .

This means that the spinor  $u_R = u_R^+ + u_R^- = u_R^+$  has helicity +1, so is right handed. Similarly,  $u_L = u_L^+ + u_L^- = u_L^-$  has helicity -1, so is left handed. This justifies our choice to call the chirality states left and right, it's because in the case of massless particles left and right chiral states coincide with left and right helicity states

For  $m \neq 0$  but still  $m \ll E$  we have

$$u_{\rm R}^- = \frac{m\gamma^0}{E + |\mathbf{p}|} u_{\rm L}^- \approx \frac{m\gamma^0}{2E} u_{\rm L}^-,$$
 (12.2.31)

which means that the right handed chiral component of a left handed helicity eigenstate, that is  $u_R^-$ , is small. Similarly the left handed chiral component of a right handed helicity eigenstate, that is  $u_L^+$ , is small.

#### 12.3 Discrete Symmetries

#### 12.3.1 Parity

Consider the parity transformation, P, defined on a spinor as

$$\psi \stackrel{\rho}{\mapsto} \psi_{\rho} \coloneqq \gamma^0 \psi. \tag{12.3.1}$$

Thus, we have

$$\psi_{\mathcal{L}} \stackrel{P}{\mapsto} \gamma^0 \psi_{\mathcal{L}} = \gamma^0 P_{\mathcal{L}} \psi = P_{\mathcal{R}} \gamma^0 \psi = (\psi_{\mathcal{P}})_{\mathcal{R}}. \tag{12.3.2}$$

Similarly,

$$\psi_{\mathbf{R}} \stackrel{P}{\mapsto} (\psi_{P})_{\mathbf{L}}. \tag{12.3.3}$$

That is,  $(\psi_L)_P = (\psi_P)_R$  and  $(\psi_R)_P = (\psi_L)_P$ . This shows that parity swaps left and right, further justifying us naming these projectors left and right in the first place. Since

$$[\gamma^0, \Sigma^i] = \gamma^0 \gamma^5 \gamma^0 \gamma^i - \gamma^5 \gamma^0 \gamma^i \gamma^0 = -\gamma^5 (\gamma^0)^2 \gamma^i + \gamma^5 (\gamma^0)^2 \gamma^i = 0$$
 (12.3.4)

parity doesn't change spin. Under parity the three-momentum is reversed,

$$\mathbf{p} \stackrel{\rho}{\mapsto} -\mathbf{p}. \tag{12.3.5}$$

Thus, the helicity is reversed,

$$h = \frac{\Sigma \cdot \mathbf{p}}{|\mathbf{p}|} \stackrel{P}{\mapsto} \frac{\Sigma \cdot (-\mathbf{p})}{|-\mathbf{p}|} = -\frac{\Sigma \cdot \mathbf{p}}{|\mathbf{p}|} = -h.$$
 (12.3.6)

So under a parity transformation

$$u_{\mathsf{R}}^{+} \stackrel{P}{\mapsto} u_{\mathsf{L}}^{-}. \tag{12.3.7}$$

That is, parity transformation swap left and right chiralities and left and right helicities, all while leaving spin unchanged.

#### 12.3.2 Charge Conjugation

Consider charge conjugation, C, defined on a spinor as

$$\psi \stackrel{c}{\mapsto} \psi_{c} \coloneqq C \bar{\psi}^{\top} \tag{12.3.8}$$

where  $C = i\gamma^2\gamma^0$ . We then have

$$P_{\rm L}C = iP_{\rm L}\gamma^2\gamma^0 = i\gamma^2P_{\rm R}\gamma^0 = i\gamma^2\gamma^0P_{\rm L} = CP_{\rm L}.$$
 (12.3.9)

Therefore

$$\psi_{\mathbf{L}} \stackrel{\mathcal{C}}{\mapsto} C(\bar{\psi})_{\mathbf{L}}^{\mathsf{T}}. \tag{12.3.10}$$

So charge conjugation leaves chirality unchanged. Similarly, the spin and momentum, and hence momentum, are not changed by charge conjugation. The only thing that changes is particles become antiparticles and vice versa.

#### 12.3.3 Time Reversal

Consider time reversal, T, defined on a spinor as

$$\psi \stackrel{\tau}{\mapsto} \psi_{\tau} = T\psi \tag{12.3.11}$$

with  $T=i\gamma^1\gamma^3=-i\gamma^5C$  and  $T^\dagger=T=T^{-1}$ . We then again have  $P_{\rm L}T=TP_{\rm L}$ , and so

$$\psi_{L} \stackrel{7}{\mapsto} T\psi_{L}. \tag{12.3.12}$$

Time reversal reverses momentum, and also spin, since both are dynamical and so reverse if we do things backwards. This means helicity is left unchanged, since both spin and momentum are reversed and the two minus signs cancel.

# Index

| Symbols 't Hooft scale, 15 $\beta$ , 50 $\gamma$ , see Euler–Mascheroni constant   | Landau pole, 51<br>large logs, 36<br>Lorenz gauge, 20   |
|--|---|
| A amputated correlator, 12   | $\frac{\text{modified minimal subtraction, 15, 29}}{\overline{\text{MS}}, 15, 29}$                                      |
| B<br>bare, 14<br>beta function, 50   | O on-shell scheme, 30   |
| contact term, 41 correlator, 8 counterterm, 16   | photon propagator, 20  Q  QED Feynman rules, 20  QED Lagrangian, 6  QED vertex, 20                                      |
| dim reg, 15, see dimensional regularisation dimensional regularisation, 15   | R renormalisation group equation, 50 renormalisation point, 15 renormalisation scheme, 29                               |
| electron propagator, 20 Euler–Mascheroni constant, 27  F Feynman gauge, 20 Feynman propagator, 9 fine structure constant, 35 | S scalar QED, 6 Schwinger–Dyson equation, 43 symmetry factor, 10  T tensor integral, 24                                 |
| G generalised Schwinger–Dyson equation, 43 generalised Ward–Takahashi identity, 41  L Landau gauge, 20                       | U Uehling potential, 34  W Ward identity, 37, 46 Ward–Takahashi identity, 41 wave function renormalisation constant, 14 |